राष्ट्रीय सेवा योजना

वार्षिक रपट : 2018–2019

सम्बद्ध–दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी "बी"

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय

जंगल धूसड़, गोरखपुर

Website: www.mpm.edu.in

E-mail : mpmpg5@gmail.com

स्थापित २००५ ई.

राष्ट्रीय सेवा योजना

वार्षिक रपट : 2018–2019

सम्बद्ध–दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

सम्पादक मण्डल

श्री बृजभूषण लाल
श्री हरविन्द श्रीवास्तव
डॉ. अविनाश प्रताप सिंह
डॉ. यशवन्त कुमार राव
श्री सुबोध कुमार मिश्र

नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी "बी"

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर

Website: www.mpm.edu.in
E-mail : mpmpg5@gmail.com

स्थापित २००५ ई.

राष्ट्रीय सेवा–योजना मानव एवं समाज के विकास के लिए एक बहुद्देशीय सामाजिक एवं राष्ट्रीय कार्यक्रम है। भारत की आत्मा गाँवों में रहती है। भारत के अधिकांश गाँव एवं ग्रामवासी आज अनेक प्रकार की समस्याओं व जटिलताओं से ग्रसित हैं जिसमें नशाखोरी, सामाजिक कुरीतियाँ, संक्रामक बीमारी, खुले में शौच करना, बच्चों का विद्यालय न जाना, शुद्ध पेयजल का उपलब्ध न होना आदि उल्लेखनीय है। महिलाओं की सामाजिक व आर्थिक स्थिति का खराब होना विशेष रूप से गंभीर है। राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से विद्यार्थियों को इन समस्याओं को समझने, अनुभव करने के साथ–साथ अपने कर्त्तव्य के प्रति जागरूक होने का अवसर मिलता है। राष्ट्रीय सेवा योजना एक ऐसा मंच है जो विद्यार्थियों में निःस्वार्थ भाव से, सेवा, सहयोग, प्रेम और सद्भाव की भावना को जागृत करने में सहयोग करता है। युवाओं को राष्ट्र से जोड़ते हुए राष्ट्रीय समस्याओं से प्रत्यक्ष साक्षात्कार कराता है। उनमें देशप्रेम एवं राष्ट्रभक्ति की भावना का संचार करता है।

राष्ट्रीय सेवा योजना ग्राम सभा मंझरिया, जंगल धूसड़ को गोद लेकर उसे आदर्श ग्राम बनाने की दिशा में अग्रसर है। विगत् सत्र (2017–18) में सर्वे कार्य जैसे कुल जनसंख्या, स्त्री, पुरूष, बच्चे, गम्भीर बीमारी से ग्रसित लोग तथा ग्रामवासियों के आय के स्रोत, शौचालय की व्यवस्था आदि कार्य किये। ग्राम प्रधान तथा जिला प्रशासन को इससे अवगत कराया गया जिससे शौचालय निर्माण, पक्की सड़कें तथा पक्की नालियों की व्यवस्था हो गयी है। वृद्धा पेंशन योजना का सर्वे कार्य किया गया। अभी स्कूल न जाने वाले बच्चों को स्कूल भेजने की कोई व्यवस्था नहीं हो पायी है।

राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों द्वारा इस गॉव में निरन्तर पर्यावरण, एड्स, भ्रूण हत्या, भ्रष्टाचार आदि समस्याओं के प्रति जागरूकता रैली के साथ–साथ स्वयं सेवकों/सेविकाओं द्वारा इन क्षेत्रों में स्वास्थ्य, श्रमदान एवं स्वच्छता से सम्बन्धित कार्यक्रम सम्पन्न किया जाता रहता है। युवा भविष्य के राष्ट्र निर्माता हैं। उन्हें एक जागरूक मतदाता बनने तथा देश के निर्माण में अपना योगदान देने के लिए प्रेरित करना एक महत्वपूर्ण कार्य है क्योंकि युवा ही राष्ट्र में व्याप्त भ्रष्टाचार, कुरीतियों, कुप्रथाओं और अन्धविश्वासों का उन्मूलन करने में सक्षम है। युवाओं के अन्दर इसी प्रकार के आत्मविश्वास एवं दृढ़ इच्छा शक्ति को जागृत करने के लिए विभिन्न प्रकार के जागरूकता अभियान चलाये जाते हैं जैसे स्वैच्छिक श्रमदान, रक्तदान, स्वच्छता, दूसरों के प्रति प्रेम सौहार्द तथा सद्भावना का निर्माण करने के लिए अनेक कार्यक्रम संचालित किये जाते हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना अपने लक्ष्य और उद्देश्य के प्रति पूरी निष्ठा से अग्रसर है। महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना, परिवार को उनके उज्जवल भविष्य की मंगल कामना से साथ सत्र 2018–19 की वार्षिक रपट प्रस्तुत है।

(हरविन्द कुमार श्रीवास्तवा)
कार्यक्रम अधिकारी

(बृजभूषण लाल)
कार्यक्रम अधिकारी

राष्ट्रीय सेवा योजना – कार्यक्रम अधिकारी

क्र.सं.	कार्यक्रम अधिकारी का नाम	नियुक्ति कब से	नियुक्ति कब तक	दूरभाष नं0
1.	डॉ0 अविनाश प्रताप सिंह	17.12.2015	16.12.2018	9450489652
2.	डॉ0 यशवन्त कुमार राव	17.12.2015	16.12.2018	9198540757
3.	बृजभूषण लाल (गुरु श्रीगोरक्षनाथ इकाई)	16.12.2018	अद्यतन	7652099637
4.	हरविन्द कुमार श्रीवास्तवा (हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई)	16.12.2018	अद्यतन	7007294949

(डॉ0 प्रदीप कुमार राव)
प्राचार्य

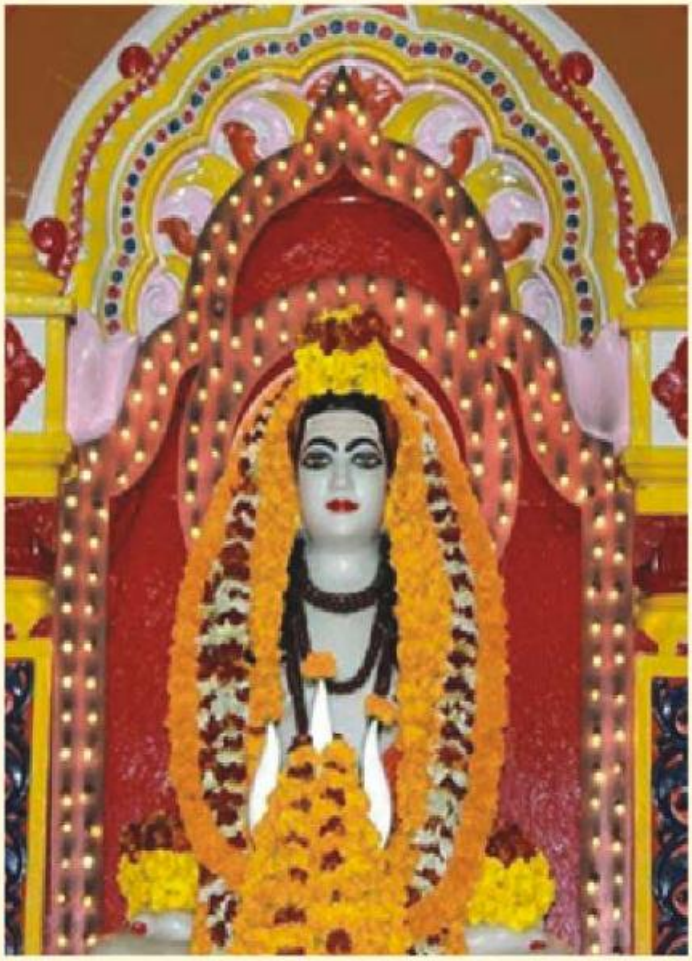

गुरू श्री गोरक्षनाथ इकाई

स्वामी विवेकानन्द पुण्यतिथि कार्यक्रम एवं निबन्ध प्रतियोगिता

04 जुलाई को महाराणा प्रताप पी0जी0 कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में **स्वामी विवेकानन्द पुण्यतिथि कार्यक्रम** के अवसर पर बोलते हुए प्राचार्य **डॉ0 प्रदीप कुमार राव** ने कहा कि स्वामी विवेकानन्द भारत के ऐसे युवा सन्यासी थे, जिन्होंने अपनी दिव्य दृष्टि से सम्पूर्ण दुनिया का मार्ग दर्शन करते हुए भारत की गौरवशाली विरासत का पुनः आभास कराया। **स्वामी विवेकानन्द के जीवन का एक–एक क्षण मानव सेवा और भारत माता की सेवा के लिए समर्पित रहा है।** वेदांत दर्शन के माध्यम से स्वामी जी ने पूरी दुनिया में हिन्दुत्व और भारत का परचम लहरा दिया। रामकृष्ण मिशन की स्थापना करके उन्होने सामाजिक सेवा का जो अमूल्य कार्य प्रारम्भ किया वह आज भी मानव सेवा का बड़ा केन्द्र बना हुआ है। स्वामी विवेकानन्द के विचार आज भी युवाओं और

विशेष रूप से विद्यार्थियों के लिए ऊर्जा का मुख्य स्त्रोत है। आत्म की पहचान का उनका उद्घोष युवाओं में अपार शक्ति का वाहक बना हुआ है। स्वामी विवेकानन्द के विचारों के थोड़े ही हिस्से को भी यदि युवा अपने जीवन एवं कार्य व्यवहार में समाहित कर लें तो भारत को दुनिया का सर्वशक्तिशाली राष्ट्र बनाने का मार्ग प्रशस्त हो जायेगा।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी **डॉ0 अविनाश प्रताप सिंह** ने सम्बोधित करते हुए कहा कि स्वामी विवेकानन्द भारत के ऐसे अमर रत्न हैं जिनकी स्मृति मात्र से ही अपार ऊर्जा का संचार स्वतः होने लगता है। उनका जीवन त्याग, तपस्पा और सम्पूर्ण समर्पण का जीवन है। स्वामी विवेकानन्द भारत के ऐसे आध्यात्मिक गुरु थे जिन्होने अपने कर्म और आचरण के द्वारा धर्म और दर्शन को मूर्तरूप से परिचित कराया। स्वामी जी का विचार न केवल जीवन्त है, वरन अत्यन्त प्रासंगिक भी है। प्रत्येक भारतीय के जीवन का उत्थान एवं उद्धार स्वामी जी के विचार एवं आचरण व्यवहार में सन्निहित है।

इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी **डॉ0 यशवंत कुमार राव** ने कहा कि स्वामी विवेकानन्द भारत के महापुरूषों के गौरवशाली परम्परा के चमकते सितारें हैं, जिनकी विराट आभा आज भी दिव्यमान एवं प्रज्जवलित है। युवाओं के मन मस्तिष्क में स्वामी विवेकानन्द आदर्श महापुरूष प्रत्येक कालखण्ड में रहें है, उनसे वह निरन्तर प्रेरणा ग्रहण करता रहा है। स्वामी जी का जीवन दर्शन मानव कल्याण का दर्शन है, भारत के पुरूषार्थ का दर्शन है, विश्व कल्याण का दर्शन है।

स्वामी विवेकानन्द पुण्यतिथि के अवसर पर "आधुनिक भारत के निर्माण में भारत की भूमिका" विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता का अयोजन किया गया।

डॉ0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम स्मृति दिवस पर व्याख्यान

27 जुलाई को महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज जंगल धूसड़ में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्त्वावधान में **पूर्व राष्ट्रपति डॉ0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि** के अवसर पर एक विचार गोष्ठी आयोजित की गयी। गोष्ठी के मुख्य अतिथि भूगोल विभाग प्रभारी, डॉ0 विजय कुमार चौधरी थे उन्होनें श्रद्धांजलि देते हुए अपने सम्बोधन में कहा कि डॉ0 कलाम का जीवन भारत के नव–निर्माण तथा उसे विकसित करने में सराहनीय रहा है। वे सर्वधर्म–समभाव में विश्वास करते थे। उन्होने आपसी भाईचारा, सामाजिक सद्भाव तथा कुरीतियों से बाहर जाकर मानवता के लिए कार्य करना व्यक्ति का धर्म बताया। डॉ0 कलाम निरन्तर प्रेरक बनकर स्कूलों तथा शिक्षण संस्थाओं में जाकर विद्यार्थियों से बात करना, उन्हें भारत के भविष्य के लिए सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने की ऊर्जा देते रहते थे। आज हमारे बीच पूर्व राष्ट्रपति डॉ0 कलाम नहीं है लेकिन उनके सपनों के भारत को विकसित करने में हम प्रयासरत हैं। आज भारत के पास अन्तरमहाद्विपीय प्रक्षेपास्त्र है जो विश्व के केवल विकसित देशों के पास है। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 अविनाश प्रताप सिंह ने कहा कि कलाम साहब का जीवन सादा जीवन उच्च विचार पर आधारित था। उन्होंने राष्ट्रपति पद पर रहते हुए बड़ी सादगी से राजनीतिक मर्यादाओं, पद की गरिमा तथा राष्ट्रीय सम्मान की रक्षा की। सरकार के साथ सहयोग करके विकास की गति को तेज करने में अहम भूमिका निभाई। कार्यक्रम का संचालन रा.से.यो के प्रभारी डॉ0 यशवंत कुमार राव ने किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना की गुरू श्री गोरक्षनाथ इकाई के सभी स्वयं सेविकाएं उपस्थित रहीं। महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक सहित श्रीमती कविता मान्धयान् शिक्षण संघ अध्यक्ष डॉ0 सुभाष कुमार गुप्ता, डॉ0 राजेश शुक्ला, श्री बृजभूषण लाल तथा डॉ0 अरूण कुमार राव आदि उपस्थित थे।

शहीद बंधु सिंह बलिदान दिवस

12 अगस्त, को महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर में अमर शहीद बन्धू सिंह बलिदान दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में व्याख्यान देते हुए राजनीतिशास्त्र के विभागाध्यक्ष डॉ अविनाश प्रताप सिंह ने कहा कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम में शहीद होने वाले बलिदानियों के श्रृंखला में बन्धू सिंह का नाम स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। 1857 के समर में गोरखपुर का नेतृत्व करते हुए उन्होने अंग्रेजो के सामने जो चुनौती पैदा की, उससे अंग्रेज अधिकारियों के दातखट्टे हो गये।

प्रथम स्वतंत्रता–संग्राम में बर्बर ब्रितानिया हुकूमत के खिलाफ मध्य व उत्तर भारत में भड़के सशक्त जनविद्रोही समर के नायक अंग्रेजी हुकूमत की चूलें हिला देने वाले प्रसिद्ध चौरी चौरा क्षेत्र के डुमरी रियासत के बाबू बन्धू सिंह संघर्ष की अनूठी गुरिल्ला शैली के कारण फिरंगियों में दहशत और भय का पर्याय बन गये थे। शहीद बन्धू सिंह के आक्रमण से अंग्रेजी सेना ने हताशा में पूरे डूमरी गाँव को नष्ट–भ्रष्ट करते हुए घोर ताण्डव किया। आज भी शहीद बन्धू सिंह पूर्वांचल के युवाओ के लिए राष्ट्रभक्ति और देश प्रेम के प्रेरणा स्रोत के रूप में विद्यमान है। इस अवसर पर गुरू श्री गोरक्षनाथ इकाई की स्वयंसविकाऐं सहित डॉ. यशवन्त राव, डॉ. आर.एन. सिंह, डॉ. विजय चौधरी, डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र, डॉ. सुबोध मिश्र, डॉ. शिवकुमार बर्नवाल, श्रीकान्त मणि त्रिपाठी सहित शिक्षक, विद्यार्थी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता दिवस समारोह

15 अगस्त, को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर महाविद्यालय में 'राष्ट्रीय पर्व' के रूप में समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर ध्वजारोहण के साथ राष्ट्रगान वन्देमातरम सहित सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों/सेविकाओं ने देश भक्ति गीत, नृत्य, भाषण तथा सामाजिक समस्याओं पर आधारित नुक्कड़ नाटक आदि से सम्बन्धित सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 प्रदीप कुमार राव ने अपने उद्बोधन में संस्था के प्रयत्नों को ही शहीदों को श्रद्वांजलि स्वरूप भेंट करते हुए राष्ट्र निर्माण में महाविद्यालय के योगदान पर प्रकाश डाला।

स्वतंत्रता दिवस
समारोह

स्वतंत्रता दिवस

स्वतंत्रता दिवस
श्री विवेक कुमार विश्वकर्मा
श्री रवि प्रताप नागवंशी

स्वतंत्रता दिवस

स्वतंत्रता दिवस
समारोह

स्वतंत्रता दिवस

साप्ताहिक योगाभ्यास कार्यक्रम

महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज के राष्ट्रीय सेवा के तत्वावधान में प्रत्येक शनिवार को प्रातः 09:20–09:40 बजे तक साप्ताहिक योग प्रशिक्षण का आयोजन किया जाता है। इस सत्र में साप्ताहिक योग प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए वाणिज्य विभाग के शिक्षक डॉ0 सुभाष कुमार गुप्ता ने सम्बोधित करते हुए कहा कि युवाओं के लिए योग संजीवनी है इस दृष्टि से राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवको के लिए इस प्रकार के आयोजन अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाते हैं। योग प्राचीन भारतीय जीवन–पद्धति है। जिसमें शरीर, मन और आत्मा का एकीकरण किया जाता है। योग के उद्भूत फायदों का लोहा न सिर्फ भारत बल्कि विश्वभर के लोगों ने माना है। संयुक्त राष्ट्र संघ ने भी 21 जून को विश्व योग दिवस के रूप में मनाने की बात स्वीकारी और आज योग सम्पूर्ण विश्व को भारत की देन है। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय प्रत्येक शनिवार को योग के साथ अपनी दिनचर्या प्रारम्भ करता है। सप्ताह में एक दिन प्रत्येक छात्र और शिक्षक योग में सम्मिलित होते हैं; तथा सामूहिक योगाभ्यास करते हैं। योग महाविद्यालय के वार्षिक कार्यक्रम का एक अभिन्न अंग है। उन्होंने कहा कि योग के माध्यम से उच्च रक्तचाप, तनाव, कोलेस्ट्राल, मोटापा, मधुमेह जैसी गम्भीर बिमारियों से निजात मिलता है। प्रतिदिन योगाभ्यास से रोग से लड़ने की शक्ति, प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है, स्वास्थ्य में वृद्धि होती है तथा शरीर के विकार दूर हो जाते हैं। योग से चित्त की एकाग्रता बढ़ती है जिससे स्मरण शक्ति का विकास होता है। योग से आत्मविश्वास में वृद्धि होती है तथा व्यसनों से मुक्ति मिलती है। नियमित योग करने से शारीरिक, बौधिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक विकास होता है।

योग व्याख्यान कार्यक्रम

18 अगस्त को राष्ट्रीय सेवा के तत्वावधान में साप्ताहिक योग प्रशिक्षण के अवसर पर योग व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय जंगल धूसड़, गोरखपुर में 'साप्ताहिक योगाभ्यास का दैनिक जीवन में उपयोग' विषय पर व्याख्यान देते हुए बी. एड्. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने अपना व्याख्या प्रस्तुत किया। इन्होंने कहा कि योग अन्तःकरण की एकाग्रता है, योग से मन, चित्, बुद्धि तथा आत्मा का एकीकरण किया जाता है। योग के अर्न्तगत, यम, नियम, प्रत्याहार, आसन, प्राणायाम, धारणा, ध्यान तथा समाधि के विभिन्न स्तर होते हैं। जिसे अष्टांग योग के नाम से भी जाना जाता है। शरीर के स्वस्थ रहने पर ही मस्तिष्क स्वस्थ रहता है। मस्तिष्क से ही शरीर की समस्त क्रियाओं का संचालन होता है। इसके स्वस्थ व तनावयुक्त होने पर ही शरीर की सारी क्रियाएं भली प्रकार से सम्पन्न होती हैं। इस प्रकार हमारे शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक और आत्मिक विकास के लिए योगासन की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। योग शरीर के जोडों, मांसपेशियों को मजूबत बनाता है, शारीरिक विकृतियों को काफी हद तक ठीक करता है। शरीर में रक्त प्रवाह सुचारू करता है, पाचन को मजबूत बनाता है। इसके अतिरिक्त यह शरीर की रोग प्रतिरोधक शक्तियाँ बढ़ाता है। कई प्रकार की बिमारियाँ, अनिद्रा, तनाव, थकान, उच्च रक्तचाप, चिन्ता इत्यादि को दूर करता है। आज की आवश्यकता को देखते हुए योग की शिक्षा आम जन के लिए बेहद उपयोगी है।

योग व्याख्यान कार्यक्रम

01 सितम्बर, राष्ट्रीय सेवा के तत्वावधान में साप्ताहिक योग प्रशिक्षण के अवसर पर 'गोरखपुर सहज योगध्यान केन्द्र' के समन्वयक श्री उपेन्द्र सिंह ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस अवसर पर उन्होंने स्वयंसेवको, शिक्षकों तथा छात्र–छात्राओं को 'आत्म साक्षात्कार' क्रिया के विभिन्न चरणों का अभ्यास कराया। उन्होंने सहज योग के महत्त्व को बताते हुए कहा कि योग से उच्च रक्तचाप, तनाव, कोलेस्ट्राल, मोटापा, मधुमेह जैसी गम्भीर बिमारियों से निजात मिलता है। प्रतिदिन योगाभ्यास से रोग से लड़ने की शक्ति, प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है, स्वास्थ्य में वृद्धि होती है तथा शरीर के विकार दूर हो जाते हैं। योग से चित्त की एकाग्रता बढ़ती है, जिससे स्मरण शक्ति का विकास होता है। योग से आत्मविश्वास में वृद्धि होती है तथा व्यसनों से मुक्ति मिलती है। नियमित योग करने से शारीरिक, बौद्धिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक विकास होता है।

शिक्षक दिवस समारोह

05, सितम्बर, को महाराणा प्रताप पी0जी0 कालेज, जंगल धूसड़, में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आयोजित शिक्षक दिवस सामारोह में बोलते हुए भूगोल विभाग के प्रभारी डॉ. विजय कुमार चौधरी ने कहा कि स्वतंत्र भारत के पहले उपराष्ट्रपति तथा दूसरे राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। डॉ. राधा कृष्णन ने अपने जीवन के 40 वर्ष तक एक शिक्षक के रूप में कार्य किया। शिक्षा के क्षेत्र में उनको एक आदर्श शिक्षक के रूप में हमेशा याद किया जाता है। डॉ. राधाकृष्णन मानते थे कि सम्पूर्ण विश्व एक विद्यालय है। शिक्षा सही प्रकार से दी जाए तो समाज से अनेक बुराइयों को मिटाया जा सकता है। डॉ. राधाकृष्णन बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे, उनकके व्यक्तित्व में विद्वान, शिक्षक, वक्ता, प्रशासक, राजनायिक, देशभक्त और शिक्षाशास्त्री को देखा जा सकता है। भाषण कला, शिक्षा और दर्शन के क्षेत्र में उनकी विद्वता के वजह से विश्व के विभिन्न देशों में भारतीय तथा पाश्चात्य दर्शन पर भाषण देने के लिए उन्हे आमंत्रित किया जाता था। डॉ. राधाकृष्णन, विवेकानन्द और वीर सावरकर को अपना आदर्श मानते थे। उन्होने अपने जीवन में अध्यापक से राष्ट्रपति तक का सफर तय किया उन्हे शिक्षा व राजनीति में अमूल्य योगदान देने के लिए भारत रत्न जैसे सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान से सम्मनित किया गया। शिक्षक दिवस के अवसर पर महाविद्यालय में शिक्षक सांघ के अनौपचारिक बैठक का आयोजन शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ. सुभाष कुमार गुप्ता द्वारा किया गया। जिसमें शिक्षक आचार संहिता के विभिन्न पहलुओं पर आत्मावलोकन किया गया। कार्यक्रम में डॉ. आरती सिंह, डॉ. अभिषेक सिंह, डॉ. अभिषेक वर्मा, सुश्री नूपूर शर्मा, श्री मृत्युंजय सिंह, श्रीमती कविता मन्ध्यान्, डॉ. आर. एन. सिंह सहित सभी स्वयंसविकाऐं, शिक्षक, विद्यार्थी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान

08 सितम्बर, से महाराणा प्रताप पी0 जी0 कालेज, जंगल धूसड़ में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान का आयोजन हुआ। महाविद्यालय में सत्र के आरम्भ से ही प्रत्येक शनिवार को अपरान्ह 12:10 बजे से 01:10 बजे तक स्वैच्छिक श्रमदान का आयोजन किया जाता है। जिसमें स्वेच्छा से विद्यार्थी एवं शिक्षक श्रमदान करते है। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों/सेविकाओं के लिए यह कार्यक्रम अनिवार्य होता है।

एम0 विश्वेश्वरैया जयन्ती एवं ओजोन संरक्षण दिवस (पूर्व दिवस)

15, सितम्बर, को महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़ में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम मे व्याख्यान देते हुए रसायन विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. राम सहाय ने कहा कि महान अभियन्ता एवं भारत रत्न एम. विश्वेश्वरैया के जन्म दिवस को अभियन्ता दिवस (इंजीनीयर्स डे) के रूप में मनाया जाता है। विश्वेश्वरैया अभूतापूर्व प्रतिभा से धनी थे। इन्होने इंजीनीरिंग के क्षेत्र में अनेक ऐसे कार्य किए जिसमें इसकी ख्याति देश–विदेश में फैल गयी थी। हैदराबाद के निजाम के कहने पर इस इलाके की मूसा नदी की बाढ़ एवं उसके कारण उत्पन्न जल संकट का हल निकाला। इसके साथ ही कावेरी नदी पर कृष्ण सागर बाँध बनाकर सिंचाई के लिए पानी और जल शक्तिसे बिजली पैदा करने की व्यवस्था की। जलशाक्ति से बिजली पैदा करने का यह भारत में पहला प्रयास था। विश्वेश्वरैया उद्योग को देश का प्राण मानते थे इसलिए उन्होने पहले से मैजूद उद्योगो को जापान और इटली के विशेषज्ञों की मदद से और अधिक विकसित किया। धन की जरूरत पूरा करने के लिए उन्होने बैंक आफ मैसूर खुलवाया तथा इस धन का उपयोग उन्होंने उद्योग–धंधे विकसित करने में किया। विश्वेश्वरैया शिक्षा के महत्व को भलीभाँति समझते थे। लोगों की गरीबी और कठिनाइयों का मुख्य कारण वे अशिक्षा को मानते थे। मैसूर के दीवान के रूप में अपने कार्यकाल में मैसूर के स्कूलों की संख्या 4500 से बढ़ाकर 10500 कर दिए तथा मैसूर विश्वविद्यालय की स्थापना में भी उनका योगदान रहा। उन्होंने कई कृषि, इंजीनीयरिंग व औद्योगिक कॉलेज भी खुलवाया। ओजोन दिवस 16 सितम्बर के पूर्व दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए डॉ0 सुभाष कुमार गुप्ता ने कहा कि ओजान परत पृथ्वी पर पड़ने वाली हानिकारक किरणों को रोकता है जिसमें वायुमंडल का छरण हो रहा है। अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर लोगो को इसके प्रति जागरूक करने की आवश्यकता है। कार्यक्रम में रा0से0यो0 कार्यक्रम अधिकारी डॉ. यशवन्त कुमार राव, डॉ. शिवकुमार बर्नवाल डॉ. अरूण राव सहित स्वयंसेविकाऐं उपस्थित रहीं।

राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस (पूर्व दिवस)

22, सितम्बर, को महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़ में राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस (पूर्व दिवस) समारोह पूर्वक मनाया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डॉ0 यशवंत राव ने स्वयंसेवकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि मानव के प्राकृतिक स्वभाव में सेवा है। सृष्टि की समृद्धि और उसके विकास में मनुष्य का योगदान अग्रणी है। राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं में मानवीय गुणों को विकसित करने तथा विकृतियों का उन्मूलन करने का सशक्त माध्यम बन सकता है। श्रम, सेवा और साधना मानव की मूलभूत पहचान होनी चाहिए। यही समाज और राष्ट्र की प्रगति का आधार है। यदि युवा स्वयं सेवक अपने जीवन में इस मंत्र को उतार लें तो भारत के गौरवशाली भविष्य के सपने को मूर्तरूप प्रदान किया जा सकता है। किसी भी देश के विकास का एकरूप उस देश के युवा कौशल पर निर्भर करता है। बड़ी से बड़ी चुनौतियों का सामना श्रेष्ठ, सतर्क नागरिकों से किया जा सकता है। शिक्षा ज्ञान के मार्ग का निर्धारण करती है और सेवा उसमें गहराई और चमक पैदा करती है। श्रम के द्वारा इसे पुष्पित और पल्लवित किया जा सकता है। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए डॉ0 अविनाश प्रताप सिंह ने कहा कि आज की शिक्षण संस्थाएं केवल ज्ञान प्रदान करने तक ही सीमित न रहें बल्कि योग्य नागरिक बनाने में अपनी भूमिका सुनिश्चित करें। आज का युवा ही कल राष्ट्र का आधार स्तम्भ होगा इसलिए उनमें सामाजिक संवेदना, राष्ट्रीय चेतना तथा गरीबों, पीड़ितों की चिंता करने, सहयोग और सेवा करने का गुण विकसित हों। राष्ट्रीय सेवा योजना वह माध्यम है जिससे स्वयं सेवक अपने व्यक्तित्व में श्रम के महत्व, मूल्य, सेवा की भावना को विकसित करते हुए संकोच और शर्म को दूर कर सकते हैं। कार्यक्रम का संचालन स्वयं सेवक प्रकाश पाण्डेय तथा आभार डॉ0 यशवंत कुमार राव ने किया।

इस अवसर पर गुरू श्री गोरक्षनाथ इकाई की सभी स्वयं सेविकाओं सहित डॉ0 अरूण राव, श्री हरविन्द कुमार श्रीवास्तवा, श्री बृज भूषण लाल, श्री विरेन्द्र तिवारी, डॉ0 राम सहाय, डॉ0 विजय कुमार चौधरी, डॉ0 मृत्युंजय सिंह, श्रीमती विभा सिंह, सुश्री मनीता सिंह आदि शिक्षक भी उपस्थित रहे।

पं0 दीनदयाल उपाध्याय जयंती समारोह

25 सितम्बर, को महाराणा प्रताप पी0जी0 कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में पं0 दीनदयाल उपाध्याय जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बी0 एड0 विभाग प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने संबोधित करते हुए कहा कि पं0 दीनदयाल उपाध्याय ने भारत की सनातन विचारधारा को युगानुकूल प्रस्तुत करते हुए देश को एकात्म मानववाद जैसी प्रगतिशील विचारधारा दी। जनसंघ के राष्ट्र जीवनदर्शन के निर्माता पंडित दीनदयाल जी का उद्देश्य स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात देश के पुनर्रचना के प्रयासों के लिए विशुद्ध भारतीय तत्व दृष्टि प्रदान करना था। अपने इन्ही उद्देश्यों की पूर्ति के लिए उन्होंने अपना सर्वस्व समर्पित कर दिया। उपर्युक्त बाते पं. दीनदयाल उपाध्याय जयन्ती पर महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय जंगल धूसड़ के श्री राम सभागार में आयोजित समारोह में बी.एड. विभाग प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने कही। उन्होने कहा कि पं. दीनदयाल जी को जनसंघ के आर्थिक नीति का रचनाकार भी कहा जाता है उनका विचार था कि आर्थिक विकास का मुख्य उद्देश्य सामान्य मानव का सुख है। चराचर जगत को संतुलित, स्वस्थ एवं सुन्दर बना कर मनुष्य मात्र को पूर्णता की ओर ले जा सकने वाला एक मात्र प्रक्रम सनातन धर्म द्वारा प्रतिपादित जीवन दर्शन है। श्रीमती शिप्रा सिंह ने कहा कि उपाध्याय जी जिस धारा में भारतीय राजनीति को ले जाना चाहते थे वह धारा हिन्दुत्व की थी जिसका संकेत उन्होंने उनकी कृतियों– दो योजनाएँ, राजनीतिक डायरी, भारतीय अर्थनीति का अमूल्यन, सम्राट चन्द्रगुप्त, एकात्म मानववाद, राष्ट्रजीवन की दिशा में आदि रचनाओं से परिलक्षित होता है। श्रीमती सिंह ने कहा कि उपाध्याय जी विलक्षण बुद्धि, सरल व्यक्तित्व एवं नेतृत्व के अनगिनत गुणों के स्वामी भारतीय राजनीतिक क्षितिज के इस प्रकाशमान सूर्य ने भारतवर्ष में समतामूलक राजनीतिक विचारधारा का प्रचार एवं प्रोत्साहन करते हुए सिर्फ 52 साल की उम्र में अपने प्राण राष्ट्र को समर्पित कर दिए। आकर्षक व्यक्तित्व के स्वामी दीनदयाल जी उच्च कोटि के दार्शनिक थे किसी प्रकार का भौतिक मोह माया उन्हे छू तक नहीं सका। कार्यक्रम में गुरू श्री गोरक्षनाथ इकाई की स्वयंसेविकाओं सहित डॉ. कृष्ण कुमार पाठक, डॉ. अविनाश प्रताप सिंह, डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ. प्रवीन्द्र शाही, श्री संजय जायसवाल, सुश्री नूपूर शर्मा, श्री नन्दन शर्मा उपस्थित रहे।

गांधी जी एवं लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती समारोह

02 अक्टूबर, 2018 को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री जयंती समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में व्याख्यान, सास्कृतिक कार्यक्रम एवं श्रमदान का आयोजन स्वयंसेवक/सेविकाओं ने किया।

गांव में स्वास्थ शिविर

05 अक्टूबर को राष्ट्रीय सेवा योजना एवं गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय के संयुक्त तत्वाधान में अधिगृहित गांव मंझरियां में स्वास्थ शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामवासियों का निःशुल्क स्वास्थ परीक्षण एवं दवा वितरण चिकित्सालय के तरह से किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना के दोनो इकाई गुरु श्री गोरक्षनाथ एवं महाराणा प्रताप के स्वयं सेवक–सेविकाओं ने घर–घर जाकर लोगों का स्वास्थ सम्बन्धी परीक्षण कराने में सहयोग किया।

वायु सेना स्थापना दिवस (पूर्व दिवस)

08 अक्टूबर, को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में वायु सेना स्थापना पूर्व दिवस समारोह मनाया गया। समरोह के मुख्य वक्ता प्राचीन इतिहास विभाग के प्रभारी डॉ0 सुबोध कुमार ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारतीय वायु सेना भारत की सुरक्षा कवच है। जब भी विदेशी शक्तियों, पड़ोसियों नें भारत पर कुदृष्टि डालने की कोशिश की है, तब वायु सेना ने उन्हें धूल में मिलाया है। न केवल युद्ध के समय बल्कि भयंकर प्राकृतिक आपदाओं के समय भी वायु सेना की भूमिका जीवनदायिनी सिद्ध हुई है। इसलिए प्रत्येक भारतीय का अपने सुरक्षा संस्थानों और जवानों के प्रति अटूट श्रद्धा और निष्ठा का भाव रखना चाहिए निर्मित भारत ने रूस, अमेरिका और फ्रांस अत्याधुनिक लड़ाकू विमानों को अपने बेड़े में सम्मिलित करके अपनी शक्ति में उत्तरोत्तर वृद्धि की है। इससे भारत महाशक्तियों के कतार में खड़ा हो गया है। यह विश्व की चौथी सबसे बड़ी वायुसेना है। रा.से.यो. कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 अविनाश प्रताप सिंह ने कहा कि वर्तमान सरकार की दृढ़ इच्छा शक्ति नें भारतीय वायु सेना की ताकत और क्षमता को विस्तार देकर नया स्वरूप प्रदान किया है। एस यू–30, सुखोई–30, राफेल, तेजस तथा मिराज जैसे लड़ाकू विमानों ने भारत की सैन्य ताकत में भारी वृद्धि की है। इस समारोह में राष्ट्रीय सेवा योजना के हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई के सभी स्वयं सेवकों सहित महाविद्यालय के शिक्षकों डॉ0 महेन्द्र प्रताप सिंह, श्री हरविन्द कुमार श्रीवास्तव, श्री बृज भूषण लाल, डॉ0 राजेश शुक्ला, डॉ0 अभय श्रीवास्तवा, डॉ0 आरती सिंह, श्रीमती कविता मध्यान्ह, डॉ0 कष्ण कुमार, श्री नन्दन शर्मा, डॉ0 शिव कुमार बर्नवाल, सुश्री प्रियंका मिश्रा, श्रीमती शिप्रा सिंह आदि उपस्थित थे।

जय प्रकाश नारायण जयन्ती एवं पोस्टर प्रतियोगिता

11 अक्टूबर को महाराणा प्रताप पी0 जी0 कालेज, जंगल धूसड़ में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में रक्षा अध्ययन विभाग के प्रवक्ता डॉ0 रमाकान्त दूबे ने अपने सम्बोधन में कहा कि प्रसिद्ध समाज सेवी, भारतीय स्वतंत्रता, संग्राम सेनानी, राजनेता, लोकनायक जय प्रकाश नारायण जी सम्पूर्ण क्रान्ति के जनक थे। इन्दिरा गाँधी के प्रधानमंत्रित्व काल में आपातस्थिति लागू की गयी जिसका जय प्रकाश जी ने विरोध किया। वे इंदिरा जी के प्रशासनिक नीतियों के विरूद्ध थे। आपातकाल के पश्चात जेल से मुक्त होकर उन्होने सभी विपक्ष को एकजुट किया तथा 1977 में इंदिरा गाँधी को चुनाव में हरा दिया। उपर्युक्त बातें महाराणा प्रताप पी0जी0 कालेज, जंगल धूसड़ में जयप्रकाश नारायण जयन्ती अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में व्याख्यान देते हुए रक्षाअध्ययन विभाग के प्रवक्ता डॉ0 रमाकान्त दूबे ने कही। उन्होंने आगे कहा कि जयप्रकाश जी ने सम्पूर्ण क्रान्ति का अवाह्न किया जिसमें राजनैतिक, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, बौद्धिक, शैक्षणिक व आध्यात्मिक क्रान्ति सन्निहित थी। सम्पूर्ण क्रान्ति की तपिश इतनी भयानक थी कि केन्द्र में काँग्रेस का सत्ता से हाथ धोना पड़ा। डॉ0 रमाकान्त दूबे ने कहा कि

जयप्रकाश नारायण जी को 1965 में मैगसेसे पुरस्कार तथा 1990 में मरणोपरान्त भारत रत्न से सम्मानित किया गया। जयप्रकाश जी ने सत्याग्रह तथा भारत छोड़ो आन्दोलन में सक्रियता के साथ भाग लिया। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान हथियारों के उपयोग को सही समझा तथा नेपाल जाकर आजाद दस्ते का गठन किया एवं उसे प्रशिक्षित किया। उन्होंने महात्मा गाँधी एवं नेता जी सुभाष चन्द्र बोस के बीच सुलह का भी प्रयास किया। कार्यक्रम में श्री प्रतीक कुमार दास, सुश्री अनुभा श्रीवास्तव, सुश्री किरन सिंह, डॉ0 आरती सिंह, सुश्री पल्लवी नायक, सुश्री नूपुर शर्मा, डॉ0 सौरभ सिंह, श्री सुबोध मिश्र, डॉ0 अभिषेक वर्मा, डॉ0 अविनाश प्रताप सिंह, डॉ0 कृष्ण कुमार पाठक, डॉ0 यशवन्त राव, डॉ0 विजय कुमार चौधरी सहित स्वयंसेवक, शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

वनस्पति विज्ञान विभाग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में "पर्यावरण प्रदूषण एवं संरक्षण" विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वनस्पति विभाग के प्रभारी डॉ0 अभय कुमार श्रीवास्तव ने प्रस्ताविकी रखते हुए कहा कि पोस्टर प्रतियोगिता विद्यार्थियों के पाठयक्रम अध्ययन का एक गैर पारम्परिक विधि है जिसमें करके सीखा जाता है। पोस्टर प्रतियोगिता भी ऐसे प्रयासों का एक प्रमुख हिस्सा है। पोस्टर बनाना एक अधिगम है, जो विद्यार्थियों को सीखने का अवसर प्रदान करता है। "पर्यावरण प्रदूषण एवं संरक्षण" विषय पर जागरूकता हेतु स्वस्थ प्रतिस्पर्धा से बेहतर और कुछ नहीं हो सकता है। निर्णायक

मंडल में सुश्री आम्रपाली वर्मा, डॉ0 अखिलेश कुमार गुप्ता एवं सुश्री अंजली सिंह थे। प्रतियोगिता में बी0एस–सी0 प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष तथा एम0एस–सी प्रथम वर्मा के साथ कुल 46 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता परिणाम निम्नवत् है– **बी0एस0सी0 प्रथम वर्ष**– प्रथम स्थान–महिमा विश्वकर्मा, द्वितीय स्थान–शालिनी सिंह, तृतीय वर्ष–स्मृति, **बी0एस0सी0 द्वितीय वर्ष**– प्रथम स्थान–सरिता पटेल, द्वितीय स्थान–रागिनी राय, तृतीय स्थान– दीपशिखा सिंह, **बी0एस0सी0 तृतीय वर्ष**– प्रथम स्थान–सोनल दूबे, द्वितीय स्थान–आरती गौड़, तृतीय स्थान–अंजली सिंह, **एम0एस0सी0 प्रथम वर्ष**– प्रथम स्थान– अंजू गुप्ता, द्वितीय स्थान– जागृति धर दूबे, तृतीय स्थान–निधि श्रीवास्तव रहें।

संयुक्त राष्ट्र संघ स्थापना दिवस

24 अक्टूबर, को महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़ में राष्ट्रीय सेवा योजना d sr Rok/kku eav k; kstr l a Dr j K'Vª ak LFkki uk fnol d s vol j i j ˙ राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डॉ. यशवंत राव ने सम्बोधित करते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना विश्व शान्ति हेतु अन्तर्राष्ट्रीय संघर्षो में हस्तक्षेप करने के उद्देश्य से द्वितीय विश्वयुद्ध के महत्वपूर्ण राष्ट्रों ने की थी। संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना 24 अक्टूबर 1945 को संयुक्त राष्ट्र अधिकार पत्र पर 50 देशों के हस्ताक्षर होने के साथ हुई। संयुक्त राष्ट्र संघ अन्तर्राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति, मानवाधिकार और विश्वशान्ति के लिए कार्यरत है। उन्होने कहा कि द्वितीय विश्वयुद्ध के प्रमुख राष्ट्र युद्ध के भयंकर त्रासदी से विश्व को बचाने के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना की। वे चाहते थे कि भविष्य में फिर कभी द्वितीय विश्वयुद्ध जैसी स्थिति न उभरे। संयुक्त राष्ट्र की संरचना में अमेरिका, फ्रांस, रूस तथा ब्रिटेन ने अहम भूमिका निभाई। वर्तमान में कुल 193 देश संयुक्त राष्ट्र के सदस्य हैं। डॉ. यशवन्त राव ने कहा कि प्रथम विश्वयुद्ध के बाद 1929 में राष्ट्र संघ का गठन किया गया था परन्तु यह काफी हद तक प्रभावहीन साबित हुआ। द्वितीय विश्वयुद्ध के पश्चात इसकी जगह संयुक्त राष्ट्र संघ ने ले ली। डॉ. राव ने कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध के भीषण नरसंहार के बाद संयुक्त राष्ट्र ने मानव अधिकारों को बहुत आवश्यक समझा तथा 1948 की साधारण सभा में मानव अधिकारों की सर्वभौम घोषणा को स्वीकृत किया। संयुक्त राष्ट्र संघ इसी प्रकार के अनेक सृजनात्मक कार्यो में संलग्न है जिसमें महिला समानता, शांतिरक्षा, स्वास्थ्य, खाद्य कार्यक्रम औद्योगिक विकास, कृषि विकास जैसे महत्वपूर्ण अन्तर्राष्ट्रीय मुद्दे सम्मिलित है। कार्यक्रम में गुरू श्री गोरक्षनाथ इकाई की स्वयंसेविकाओं सहित डॉ. अभिषेक सिंह, डॉ. रमाकान्त दूबे, डॉ. अविनाश प्रताप सिंह, डॉ. विजय चौधरी, डॉ. आर.एन. सिंह, डॉ. सौरभ सिंह, श्री नन्दन शर्मा, डॉ. अभिषेक वर्मा, डॉ. कुसुमलता, श्री प्रतीक दास, सुश्री अंजली सिंह शिक्षक उपस्थित रहे।

मतदाता जागरूकता अभियान एवं जनजागरण रैली

26 अक्टूबर को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में मतदाता जागरूकता अभियान के अन्तर्गत महाविद्यालय के विद्यार्थियों तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों व सेविकाओं को मतदाता प्रपत्र उपलब्ध कराकर मतदाता बनाने का कार्य प्रारम्भ किया गया साथ ही उन्हें सम्बोधित करते हुए प्रभारी डॉ. यशवन्त कुमार राव ने कहा कि मतदान किसी भी देश की राजनीतिक व्यवस्था की रीढ़ होती है।प्रतिनिधियात्मक शासन में मतदाताओं की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। प्रतिनिधियों के चरित्र एवं कार्यप्रणाली को देखते हुए मतदाता अपने प्रतिनिधियों का चुनाव करते है, अपनी समस्याओं को प्रतिनिधियों के माध्यम से सरकार तक पहुँचाते है। मतदाता जागरूक हो तथा धन, राजनीतिक दबाव, जाति से बिना प्रभावित हुए मतदान करें और निर्वाचन में बढ़–चढकर अपनी सहभागीता सुनिश्चित करे तो लोकतन्त्र का मार्ग प्रशस्त होगा। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने कहा कि मतदान आज के लोकतन्त्र का आधार है। मतदाताओं को ईमानदारी से राष्ट्र के विकास तथा मानव जाति के विकास के लिए बिना किसी पक्षपात के अपने मत का प्रयोग करना चाहिए। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी स्वयंसेवकों व सेविकाओं सहित डॉ. कृष्ण कुमार, डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ. राजेश शुक्ला, डॉ. सुभाष गुप्ता, डॉ. रमाकान्त दूबे, श्रीमती कविता मंध्यान, श्रीमती शिप्रा सिंह आदि शिक्षक उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सेवा
महाराणा प्रताप
स्नातकोत्तर महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर

सरदार वल्लभ भाई पटेल एवं श्रीमती इंदिरा गांधी जयंती समारोह

31 अक्टूबर को महाराणा प्रताप पी0 जी0 कालेज, जंगल धूसड़ में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आयोजित आचार्य नरेन्द्र देव एवं सरदार बल्लभ भाई पटेल की जयन्ती पर आयोजित कार्यक्रम में व्याख्यान देते हुए **प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव** ने कहा कि दोनों ही महापुरुषों का जीवन हमारे लिए अनुकरणीय है। सरदार पटेल भारत के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे। भारत की आजादी के पश्चात वे भारत के गृहमंत्री तथा उपप्रधानमंत्री बने। उन्होने बारदोली सत्याग्रह का कुशल नेतृत्व किया। यहीं पर उन्हे सरदार की उपाधि प्राप्त हुयी। आजादी के बाद विभिन्न रियासतों में बिखरें भारत के भू–राजनीतिक एकीकरण में उन्होने केन्द्रीय भूमिका निभाई। गृह मंत्री के रूप में उनकी यह पहली प्राथमिका थी कि देशी रियासतों को भारत में मिलाया जाय।

इसको उन्होने बिना रक्तपात के सम्पादित कर दिखाया और जब सैन्य शक्ति की आवश्यकता पड़ी तब आपरेशन पोलो के लिए इसका प्रयोग किया और विजय प्राप्त की। अगर पंडित नेहरू ने काश्मीर समस्या को अन्तर्राष्ट्रीय समस्या बताकर अपने पास न रखा होता तो इसकी भी सामाधान उसी वक्त हो गया होता। उनकी दूरदर्शिता का लाभ यदि उस वक्त लिया गया होता तो अनेक वर्तमान समस्याओं का जन्म ही नहीं हुआ होता। यदि पटेल के कहने पर चलते तो चीन, तिब्बत, नेपाल आदि के हालात आज जैसे न होते। उनमें कौटिल्य की कूटनीतिज्ञता तथा महाराज शिवाजी की दूरर्शिता एक साथ थी। उन्हे भारत का विस्मार्क और लौह पुरुष भी कहा जाता है। वे केवल सरदार ही नही समस्त भारतीयों के ह्रदय के सरदार थे। प्राचार्य डॉ. राव ने कहा कि श्रीमती इन्दिरा गांधी तीन बार भारत की प्रधानमंत्री रहीं वे प्रथम महिला प्रधानमंत्री थीं। भारतीय परमाणु कार्यक्रम के माध्यम से उन्होने भारतीय सैन्य शक्ति को सम्पन्न किया एवं हरित क्रांति भारतीय किसानों के उत्पादन बढ़ाने में सहायक सिद्ध हुआ। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना की गुरू श्री गोरक्षनाथ इकाई की स्वयंसेविकाओं सहित डॉ. विजय कुमार चौधरी, डॉ. सुभाष कुमार गुप्ता, श्रीमती कविता मंध्यान, श्री नन्दन शर्मा सहित शिक्षक उपस्थित रहे।

साप्ताहिक योगाभ्यास

03 नवम्बर कों राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में साप्ताहिक योगाभ्यास कार्यक्रम के अन्तर्गत प्राचार्य डॉ0 प्रदीप कुमार राव ने प्राणायाम एवं आसन के विविध पद्धतियों का अभ्यास कराते हुए योग के युगान्तकारी महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों सहित और महाविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थियों ने योगाभ्यास किया।

साप्ताहिक योगाभ्यास

24 नवम्बर को राष्ट्रीय सेवा योजान के तत्वावधान में वाणिज्य विभाग के प्रभारी डॉ. राजेश कुमार शुक्ला ने साप्ताहिक योगाभ्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को कपालभाति, अनुलोम–विलोम, भ्रमरी, मण्डुकासन, भुजंगासन आदि का अभ्यास कराया।

राष्ट्रीय संविधान दिवस कार्यक्रम

26 नवम्बर, को महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं राजनीतिशास्त्र विभाग के तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय संविधान दिवस के अवसर पर व्याख्यान देते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. यशवन्त राव ने कहा कि आज ही के दिन 26 नवम्बर 1949 को 2 वर्ष 11 माह 18 दिन में संविधान बन कर तैयार हुआ था। संविधान का निर्माण में उन लोगों की महत्वपूर्ण भूमिका थी जो भारत के स्वतंत्रता संग्राम से तपकर आये थे। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, डॉ. भीम राव अम्बेडकर, ए. के. अय्यर, के. टी. शाह तथा जवाहर लाल नेहरू आदि प्रमुख लोग थे। भारतीय संविधान द्वारा भारत में लोकतांत्रिक मूल्यों, सामाजिक न्याय तथा समता की पुर्नस्थापना किया गया। भारतीय संविधान को 22 भाग, 395 अनुच्छेद एवं 12 अनूसूची के साथ विश्व के सबसे विस्तृत संविधान होने का गौरव हासिल है। भारतीय संविधान में अबतक कुल 101 संशोधन किये जा चुके हैं। डॉ. यशवन्त राव ने कहा कि भारत में नये गणराज्य के संविधान का शुभारम्भ 26 जनवरी 1950 को हुआ और भारत अपने लम्बे इतिहास सम्भवतः प्रथम बार एक आधुनिक संस्थागत ढांचे के साथ पूर्ण संसदीय लोकतंत्र बना।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना की गुरू श्री गोरक्षनाथ इकाई की स्वयंसेविकाओं सहित डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ. विजय कुमार चौधरी डॉ. शिव कुमार बर्नवाल, डॉ. ब्रजभूषण लाल, डॉ. शिप्रा सिंह, श्रीमती अनुभा श्रीवास्तव, डॉ. सौरभ सिंह, श्री सुबोध मिश्र, डॉ. प्रज्ञेश मिश्र, डॉ. प्रदीप वर्मा, सुश्री प्रियंका मिश्रा, डॉ. सुभाष गुप्ता, श्री नन्दन शर्मा तथा डॉ. अविनाश प्रताप सिंह शिक्षक उपस्थित रहे।

योग संगम में महाविद्यालय

योग व्यक्ति के जीवन का अनमोल हिस्सा है। योग द्वारा न केवल शरीर वरन् मस्तिष्क भी स्वस्थ रहता है। राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रमुख कार्यक्रमों में योग पर विशेष फोक्स रहता है। उसी क्रम में 30 नवम्बर को विश्वविद्यालय परिसर में 'योग संगम नाम से व्यापक स्तर पर योग के आध्यात्मिक एवं सैद्धान्तिक पक्ष पर योग के विषय में प्रतिष्ठित व्याख्याताओं का उद्‌बोधन का कार्यक्रम एवं योग के व्यावहारिक पक्ष पर योग की विभिन्न क्रियाओं का अभ्यास कराया गया। योग संगम के इस महत्वकांक्षी कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री महंत योगी आदित्यनाथ जी महाराज तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के चेयर मैन डॉ. डी. पी. योगाभ्यासी वालेन्टियर्स को सम्बोधित किया। योग संगम का यह कार्यक्रम अपने आप में अभी तक के राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम में सबसे वृहद था। इस कार्यक्रम में महाराणा प्रताप पी. जी. कॉलेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना के गुरु श्रीगोरक्षनाथ इकाई एवं हिन्दूआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई के स्वयं सेवक एवं स्वयं सेविकाओं ने तथा विश्वविद्यालय सहित सभी सम्बद्ध महाविद्यालयों,इण्टरमिडिएट कालेजों के लगभग 25000 वालेन्टियर्स ने सहभागिता किया। वास्तव में गोरखपुर में इस प्रकार का योग पर यह कार्यक्रम अब तक व्यापक उद्‌देश्य से आयोजित किया गया सबसे बड़ा कार्यक्रम था। एक साथ 25000 वालेन्टियर्स और सैकड़ो कार्यक्रम अधिकारी, प्राचार्यो तथा शिक्षकों के बीच योग की प्रतिष्ठा अत्यन्त महत्वपूर्ण है।

विश्व एड्स दिवस

01 दिसम्बर, को महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में **विश्व एड्स दिवस पर जागरूकता रैली एवं विचार गोष्ठी** का आयोजन किया गया। जागरूकता रैली आदर्श ग्राम मझरिया जंगल धूसड़ होते हुए छोटी रेतवहिया तथा भट्ठा चौरहा होते हुए पुनः महाविद्यालय पहुँची। इस अवसर पर आयोजित विचार गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए वाणिज्य संकाय प्रभारी डॉ0 राजेश शुक्ल ने कहा कि एड्स दिवस का मकसद लोगो को इस घातक बीमारी से जुड़े लक्षणों तथा हानियों के प्रति जागरूक करना है। हर वर्ष इस दिन को एक थीम दी जाती है इस वर्ष की थीम **"नो योर स्टेट्स"** है। इस वर्ष का लक्ष्य दुनिया भर के लोगों को एच.आई. वी. टेस्ट कराने के लिए प्रोत्साहित करना है। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च का कहना है कि इस दिशा में भारत ने काफी प्रगति की है। परन्तु अभी भी इस पर रोक लगा पाना मुश्किल हो रहा है। राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डॉ0 यशवन्त कुमार राव ने एच.आई.वी. पाज़िटिव के विभिन्न लक्षणों को बताते हुए स्वयं सेवकों का आह्वान किया कि प्रत्येक स्वयं सेवक अपने गाँवों में इससे बचाव के उपायों तथा जानकारियों को बताएं तभी मनुष्य को इस बीमारी से सुरक्षा की जा सकती है। एक अन्य कार्यक्रम में आयोजित साप्ताहिक योगाभ्यास में वाणिज्य विभाग के प्रभारी डॉ0 राजेश शुक्ल ने योग का अभ्यास कराया। उन्होंने सूक्ष्म व्यायाम, मण्डूकासन, अर्धचन्द्रासन, अर्धतड़ासन, शशांकासन, भुजंगासन, योगमुद्रासन बज्रासन, पद्मासन आदि का अभ्यास कराया। इस अवसर पर गुरूश्री गोरक्षनाथ इकाई के सभी स्वयंसेविकाएं उपस्थित रहीं। इस कार्यक्रम में डॉ0 महेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ0 कृष्ण कुमार, डॉ0 प्रवीन्द्र कुमार शाही, श्रीमती कविता मान्ध्यान, श्रीमती आरती सिंह आदि महाविद्यालय के शिक्षक भी उपस्थित रहे।

जनजागरण रैली

4 दिसम्बर, बीसवीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध में ही सामाजिक पुनर्जागरण, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और पूर्वी उत्तर प्रदेश में शैक्षिक क्रान्ति का सूत्रपात ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने किया। महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज ने महन्त दिग्विजयनाथ जी के सपनों को पूरा किया। वर्तमान पीठाधीश्वर एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज श्री गोरक्षपीठ के यशस्वी परम्परा के विकास के साथ–साथ सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में एक नयी कार्य संस्कृति के देवदूत बनकर उभरे हैं। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् उसी क्रान्ति की एक कड़ी है। गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर की स्थापना की सूत्रधार रही शिक्षा परिषद का संस्थापक समारोह उस वट वृक्ष की गरिमा को ही प्रतिष्ठित करता है। श्री गोरक्षपीठ द्वारा भावी पीढ़ी के निर्माण के प्रति सजगता राष्ट्रीय पुननिर्माण की दिशा में अत्यन्त ही प्रभावी प्रयास है। श्रीगोरक्षपीठ एक ऐसी धार्मिक पीठ है जिसने देश की आजादी की लड़ाई से लेकर आधुनिक भारत के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। देश के मान सम्मान की वृद्धि के लम्बे इतिहास में इस पीठ की ऐतिहासिक भूमिका रही है देश जब आजादी की लड़ाई लड़ रहा था आजादी के बाद आने वाली चुनौतियों को इस पीठ के युगद्रष्टा पीठाधीश्वरों ने देखा, समझा और उसको स्वीकार किया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय योगी आदित्यनाथ जी उसी पीठाधीश्वरों की यशस्वी पीढ़ी के नायक है। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना शिक्षा, सेवा एवं सामाजिक परिवर्तन में संत परम्परा को प्रतिबिम्बित करने के लिए किया गया था। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की नये भारत गढ़ने वाली एवं समृद्ध और समर्थ राष्ट्र के लिए समर्पित युवा पीढ़ी का शारीरिक एवं मानसिक दृष्टि से उत्कृष्टता के साथ ही साथ आत्मानुशासन का अभिनव प्रयोग शोभा यात्रा के माध्यम से दृष्टिगत होता है। गोरक्षपीठ ने शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में सेवा और साधना का जो प्रतिमान खड़ा किया है, वह अद्वितीय है, अद्भुत है। पूर्वी उत्तर प्रदेश के युवाओं में अपार क्षमता है। आप प्रयत्न कर बड़ा से बड़ा मुकाम हासिल करें। उक्त बातें महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के संस्थापक–सप्ताह समारोह के उद्घाटन अवसर पर आयोजित शोभायात्रा का शुभारम्भ करते हुए **डॉ. रमन सिंह माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़ ने बतौर मुख्य अतिथि कही।** उन्होने आगे कहा कि महाराणा प्रताप इण्टर कालेज के प्रांगण में शिक्षा परिषद् की साढ़े तीन दर्जन से अधिक शिक्षण,

प्रशिक्षण एवं चिकित्सा संस्थाओं, उपस्थित हजारों छात्र–छात्राओं, शिक्षकों, महानगर के प्रबुद्ध जनों को सम्बोधित करते हुए कहा कि शिक्षा किसी भी राष्ट्र एवं समाज की धुरी है। भावी पीढ़ी का शिक्षा व्यवस्था जैसा निर्माण करेगी वैसा ही देश का भविष्य बनेगा। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना के साथ राष्ट्रीय एकता और अखण्डता की रक्षा का संकल्प लेकर, मातृभूमि के समर्पण और त्याग, माता पिता तथा के गुरु के प्रति श्रद्धावनत् रहने का जो पाठ इन शिक्षण संस्थाओं द्वारा पढ़ाया जा रहा है वह राष्ट्र सेवा का एक अभिनव प्रयास है। विशिष्ट अतिथि **उत्तर प्रदेश के खेलमंत्री श्री चेतन चौहान ने** कहा कि भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के सपनो के भारत में उत्तर प्रदेश एक बड़ी चुनौती है इस चुनौती को महन्त योगी आदित्यनाथ जी ने स्वीकारा है। उत्तर प्रदेश को योगीराज के अल्प समय में ही गुण्डा राज्य से मुक्ति, भ्रष्टाचार से मुक्ति मिली है और यहा सुशासन स्थापित हुआ है। प्रधानमंत्री जी के कौशल विकास के अनुसार युवाओं में हुनर विकसित करने का कार्य शिक्षा के माध्यम से ही होगा। किसानों के प्रति योगी सरकार की संवेदना को देश ने स्वीकार किया है। धान की खरीद योगी सरकार की प्रमुख देन है। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् इस दिशा में भी सक्रिय है। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् का यह भव्य आयोजन इस बात का साक्षी है श्रीगोरक्षपीठ की शिक्षा, चिकित्सा के माध्यम से लोक कल्याण का अभियान अनवरत जारी है।

जन जागरण रैली

12 दिसम्बर, को राष्ट्रीय सेवा के तत्वावधान में इन्सेफलाइटिस उन्मूलन अभियान के अन्तर्गत गुरु श्री गोरक्षनाथ एवं हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाइयों के स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं ने अभिगृहित गांव मंझरिया में रैली एवं परिचर्चा के माध्यम से इन्सेफलाइटिस से बचाव हेतु गांव वालो को जागरूक किया। विशेष रूप से महिलओं एवं बच्चों को स्वच्छता एवं खान–पान के द्वारा इस महामारी से कैसे बचा जा सकता है इसकी जानकारी दी।

से न रहें अंजान
सफाई पर दें विशेष ध्यान

राष्ट्रीय सेवा योजना
स्वच्छ गोरखपुर
स्वस्थ गोरखपुर
राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपु

साप्ताहिक योगाभ्यास

15 दिसम्बर को राष्ट्रीय सेवा के तत्वावधान में वाणिज्य विभाग के प्रभारी डॉ. राजेश कुमार शुक्ला ने साप्ताहिक योगाभ्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम में महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को योगाभ्यास का अभ्यास कराया।

प्रथम एकदिवसीय शिविर

16 दिसम्बर को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में प्रथम एक दिवसीय शिविर का आयोजन ग्रामसभा–मंझरिया, जंगल धूसड़ में आयोजित किया गया जिसमें हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई के स्वयंसेवकों ने गाँव में स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया तथा ग्रामवासियों को स्वच्छता से होने वाले लाभ के बारे में बताया। स्वयंसेवकों ने गाँव की सड़कों, नालियों, गलियों आदि की साफ–सफाई भी की। संक्रामक बीमारियों से बचने के उपाय जैसे पानी उबाल कर पीने, मच्छरदानी का प्रयोग, भोजन से पहले तथा शौच के बाद हाथ साबुन से धोने के लिए प्रेरित किया।

साप्ताहिक योगाभ्यास

22 दिसम्बर को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में रसायन विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर श्री प्रदीप कुमार वर्मा ने साप्ताहिक योगाभ्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को सूर्य नमस्कार का प्रशिक्षण कराया।

भारत रत्न श्री अटल बिहारी बाजपेयी जयंती (पूर्व दिवस) : भाषण प्रतियोगिता

24 दिसम्बर, को महाराणा प्रताप पी0 जी0 कालेज, जंगल धूसड़ में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में कवि हृदय भारत रत्न श्री अटल बाजपेयी की 95वीं जयन्ती की पूर्व संध्या पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर रहे बी0ए0 भाग एक स्वयंसेवक सत्य प्रकाश तिवारी ने कहा कि श्रद्धेय श्री अटल बिहारी बाजपेयी मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिले के एक शिक्षक परिवार में पैदा हुए तथा मोरारजी देसाई की सरकार में विदेश मंत्री रहे। श्री बाजपेयी जी ने कांग्रेस पार्टी की तानाशाही नीतियों के विरूद्ध भारतीय जनता पार्टी को स्थापित करने में अग्रणी भूमिका निभाई। प्रधानमंत्री रहते हुए अन्तर्राष्ट्रीय दबाव को दरकिनार करके पोखरण परमाणु परीक्षण कराया। पहली बार केन्द्र में 40 दलों को मिलाकर संविद सरकार का सफल नेतृत्व किया। यह उनके उदारवादी व्यक्तित्व का ही एकरूप था। द्वितीय स्थान पर रहे स्वयंसेवक राहुल गिरि ने बाजपेयी जी की कविताओं को सुनाकर उनके कृतित्व पर प्रकाश डाला। तृतीय स्थान पर रहकर स्वयं सेवक विजय कुमार ने अटल जी के राजनीतिक कार्यों की सराहना की एवं उनके संसद में उद्‌बोधन पर विस्तृत प्रकाश डाला। इस आयोजन में राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाऐं उपस्थित रहीं। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी श्री बृज भूषण लाल ने सभी का आभार प्रकट किया। इस कार्यक्रम में श्री हरविन्द कुमार श्रीवास्तव, डॉ0 यशवंत कुमार राव, डॉ0 महेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ0 आरती सिंह, श्रीमती कविता मन्ध्यान्ह, डॉ0 कृष्ण कुमार, डॉ0 अजय कुमार निषाद, श्रीमती शिप्रा सिंह आदि शिक्षक उपस्थित रहे।

वाद–विवाद प्रतियोगिता

26 दिसम्बर, को महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में **"राष्ट्रधर्म से बड़ा कोई धर्म नहीं"** विषय पर वाद–प्रतिवाद प्रतियोगिता आयोजित की गयी जिसमें 60 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

पक्ष में प्रथम स्थान पर रहे सत्यप्रकाश तिवारी ने कहा कि 'राष्ट्रवाद से बड़ा कोई धर्म नहीं क्योंकि राष्ट्रवाद ही हमारी प्रथम प्राथमिकता है।' प्रतिपक्ष में प्रथम स्थान रहे अंकित कुमार पाण्डेय ने कहा कि 'अटल जी ने कहीं थी हिन्दू राष्ट्र की बातउ नहीं की।' पक्ष में द्वितीय स्थान पर रहे राहुल गिरी ने कहा कि 'हिन्दू राष्ट्र ही है सबसे बड़ा राष्ट्रवाद।' पक्ष में तृतीय स्थान पर अलोक कुमार तिवारी, प्रतिपक्ष में हिमानी मिश्रा ने द्वितीय एवं विशाल कुमार दूबे ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के दोनों इकाईयों के सभी स्वयं सेवक एवं सेविकाएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. वेंकट रमन पाण्डेय ने कहा कि 'किसी भी राष्ट्र के विकास के लिए साम्प्रदायिक सद्भाव बहुत आवश्यक है। सामाजिक समरसता हेतु हम सब की सामूहिक भागीदारी सुनिश्चित होनी चाहिए।' कार्यक्रम के संयोजक तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी श्री बृज भूषण लाल ने मुख्य अतिथि को आभार ज्ञापित किया। इस अवसर पर डॉ. यशवन्त कुमार रॉव, श्री हरविन्द कुमार श्रीवास्तव, डॉ. आरती सिंह, डॉ. कृष्ण कुमार, डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय, श्री सुबोध कुमार मिश्र, डॉ. पी.के. शाही, डॉ. अजय कुमार निषाद, श्रीमती शिप्रा सिंह, डॉ. अनुभा सिंह सहित सभी छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

एक दिवसीय योग कार्यशाला

29 दिसम्बर को राष्ट्रीय सेवा योजना एवं बी0एड0 विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित **एक दिवसीय योग कार्यशाला** के अवसर पर बोलते हुए भारतीय रेलवे में योग **प्रशिक्षक डॉ. जयंतनाथ** ने कहा कि यदि हमें आज के इस युग में स्वस्थ रहना है तो हमें अपनी दिनचर्या में योग जरूरी करना होगा तब जाकर हम स्वस्थ रह पायेंगे। योग बेहद सूक्ष्म विज्ञान पर आधारित एक आध्यात्मिक अनुशासन है, जो मन और शरीर के बीच केन्द्रित है। यह एक स्वस्थ जीवन शैली और कला है। जीवन की सफलता, किसी भी क्षेत्र में संयत मन पर भी निर्भर करती है। योग का महत्त्व इसलिए भी बढ़ गया है कि मनुष्य जाति को अब और आगे प्रगति करना है तो योग सीखना ही होगा। दरअसल योग भविष्य का धर्म और विज्ञान है। डॉ. जयंतनाथ ने प्रशिक्षुओं को योग के बड़े सरल तरीके बताये। इस अवसर पर बी.एड्. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि जिस तरह शिक्षा के बिना जीवन अधूरा है ठीक उसी तरह योग के बिना अच्छे स्वास्थ्य की कल्पना भी बेकाट है। विद्यार्थियों के लिए योग बहुत ही लाभदायक माना गया है। इससे मन मस्तिष्क में स्थिरता आती है और पढ़ाई में ध्यान केंद्रित करने में भी सहायता मिलती है।

साप्ताहिक योगाभ्यास

05 जनवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में वाणिज्य विभाग के प्रभारी डॉ. राजेश कुमार शुक्ला ने साप्ताहिक योगाभ्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को योगाभ्यास कराया।

कम्बल वितरण कार्यक्रम

11 जनवरी को महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज, धूसड़, गोरखपुर में स्वामी विवेकानन्द जयन्ती की पूर्व संध्या पर राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में 'कम्बल वितरण' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजिका श्रीमती शिप्रा सिंह ने कहा कि स्वामी विवेकानन्द का सम्पूर्ण दर्शन मानवता और समाज सेवा को प्रेरित करने वाला है। उनका यह उद्घोष कि जब तक लाखों लोग भूखे और अज्ञानी है, तब तक मै उस प्रत्येक व्यक्ति को कृतघ्न समझता हूँ, जो उनके बल पर शिक्षित तो बना परन्तु आज उसकी ओर ध्यान नहीं देता। वास्तव में सबसे बड़ी सेवा और सबसे बड़ा धर्म गरीब और संसाधनविहीन लोगों का सहयोग करना होता है। ऐसे सेवा के कार्य से व्यक्ति दूसरे का सहयोग नहीं बल्कि स्वयं को परिष्कृत करता है।

इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा अभिगृहित गॉव मंझरिया के बुजुर्ग महिलाओं और पुरुषों को कम्बल वितरण किया गया। कार्यक्रम में श्रीमती कविता मन्ध्यान डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र, डॉ. अभिषेक सिंह, डॉ. वेंकट रमन पाण्डेय, श्री विनय कुमार सिंह, श्री राहुल गिरि, श्री विषाल दूबे, श्री विवेक विश्वकर्मा सहित छात्र–छात्राएं उपस्थित रहें।

राष्ट्रीय सेवा योजना

भारत–भारती पखवारा : उद्घटन कार्यक्रम
स्वामी विवेकानन्द जयन्ती समारोह

12 से 26 जनवरी तके महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर में आयोजित **भारत–भारती पखवारा का उद्घाटन विवेकानन्द जयन्ती समारोह** से हुआ। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए **दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के** भौतिकी विभाग के आचार्य प्रोफेसर रविशंकर सिंह ने कहा कि धर्म भारत की आत्मा है। वेदान्त भारत का जीवन दर्शन है। भारतीय धर्म दर्शन की ताकत से विश्व को स्वामी विवेकानन्द ने परिचित कराया। स्वामी विवेकानन्द के दर्शन में भारत की वर्तमान चुनौतियों का समाधान है। स्वामी विवेकानन्द ने छुआ–छूत जैसे सामाजिक अभिशाप को भारत के पिछड़ापन का कारण मानते हुए कहा था कि बिखरी हुई शक्ति और बिखरे हुए समाज को संगठित करके भारत पुनः विश्व गुरु बन सकता है। धार्मिक पाखण्ड और कुरितियों से हिन्दु धर्म को बचाकर मानव कल्याण का सशक्त माध्यम बनाने का उद्घोष स्वामी विवेकानन्द का परम उद्देश्य रहा है। उन्होने आगे कहा कि भौतिकतावाद की अंधी दौड़ में दौड़ रहे समग्र जगत को सेवा, सम्मान, धर्म एवं स्वाभिमान जैसे गुणों को धारण करने का स्वामी विवेकानन्द नें उपदेश दिया था। वस्तुतः स्वामी विवेकानन्द एक ऐसे अवतारी पुरुष थे, जो हिन्दुत्व के प्रखर प्रहरी थे।

भारत–भारती पखवारा उद्घाटन में उपस्थित स्वयं–सेवक

आज के इस दौर में जबकि समाज बाजारवादी एवं भौतिकतावादी जीवन पद्धति से ग्रस्त होकर मनुष्य को स्वार्थी एवं आत्मकेन्द्रित बनाता जा रहा है, ऐसे में मानव जगत को सही पथ–प्रदर्शित करने के लिए स्वामी जी के दर्शन एवं विचार स्वतः ही प्रासंगिक हो जाते हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे **महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप राव** ने कहा कि स्वामी विवेकानन्द की स्मृति मात्र से युवाओं में स्वस्फूर्त चेतना उत्पन्न हो जाती है। स्वामी जी मानवीय मूल्यों की प्रतिमूर्ति थे। मानव सेवा को सबसे बड़ा पुण्य कार्य मानते थे। आज के दौर में यदि हमें मानवीय मूल्यों का प्रस्फुटन अपनी अगली पीढ़ी में करना है तो उसके लिए हमें स्वामी विवेकानन्द जी के दर्शन एवं उनके विचारों को अपनाना होगा। स्वामी विवेकानन्द जी का कहना था कि धर्म मूलतः मनुष्य को मनुष्य से जोड़ने वाला एक माध्यम है। धर्म हमें प्राणि मात्र से प्रेम करना सिखाता है। धर्म का एकमात्र लक्ष्य मानवता को अंधकार रूपी दलदल से निकाल कर ज्ञान रूपी प्रकाश की ओर ले जाना है। स्वामी जी जन्म से नहीं अपने कर्म से तत्वपुरुष और महान योगी बने थे। उन्होंने मानव जाति की सेवा करना ही आजन्म अपना कर्तव्य समझा। स्वामी जी का समग्र दर्शन समाजोत्थान पर आधारित था। उन्होंने मोक्ष से ज्यादा सामाजिक कल्याण पर बल दिया था। कार्यक्रम का संचालन प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग के **प्रवक्ता श्री सुबोध कुमार मिश्र** ने तथा आभार ज्ञापन भूगोल विभाग के **प्रभारी डॉ. विजय कुमार चौधरी** ने किया।

इस अवसर पर डॉ. आर.एन. सिंह, डॉ. शिवकुमार बर्नवाल, डॉ. नन्दन शर्मा, डॉ. आरती सिंह, डॉ. मनीता सिंह, डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ. शिप्रा सिंह, डॉ. अभिषेक सिंह, डॉ. विनय कुमार सिंह, डॉ. प्रज्ञेश मिश्रा, डॉ. विरेन्द्र तिवारी, डॉ.राम सहाय, सुश्री प्रियंका मिश्रा, श्री श्रीकान्त मणि त्रिपाठी, श्री प्रतीक दास, सुश्री नुपूर शर्मा, सुश्री श्वेता चौबे, श्रीमती विभा सिंह, सुश्री रचना सिंह, सुश्री दीप्ती गुप्ता, श्रीमती पुष्पा निशाद सहित सभी शिक्षक एवं बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

निबन्ध प्रतियोगिता

17 जनवरी को महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में भारत भारती पखवारा के अन्तर्गत 'वन डिस्ट्रिक वन प्रोडक्ट' विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन बी0एड0 विभाग प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह के संयाजन में किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल 58 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयंसेविका प्रियंका मणि त्रिपाठी को प्रथम, स्वयं सेवक कृष्ण कुमार सिंह को द्वितीय तथा अंकित कुमार पाण्डेय व हिमानी मिश्रा को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

निर्णायक मण्डल में राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी श्री बृज भूषण लाल, कार्यक्रम अधिकारी श्री हरविन्द कुमार श्रीवास्तव, वाणिज्य विभाग प्रभारी डॉ0 राजेश शुक्ला, मनोविज्ञान विभाग प्रवक्ता डॉ0 वेंकट रमण पाण्डेय, बी0एड0 प्रवक्ता सुश्री दीप्ती गुप्ता, श्रीमती पुष्पा निषाद थीं।

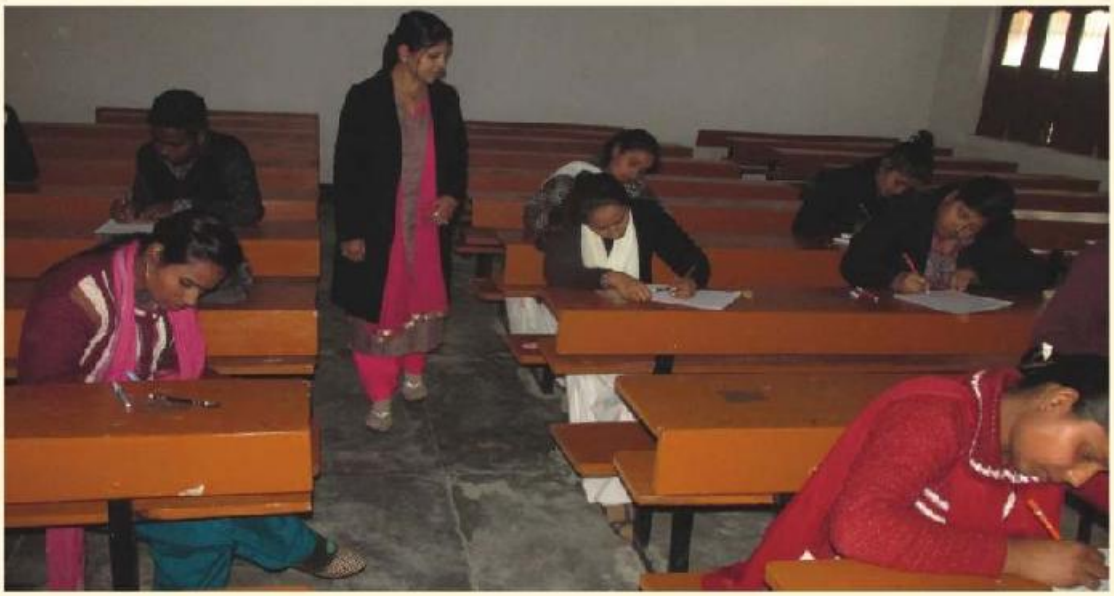

गायन प्रतियोगिता

18 जनवरी, 2019 को महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में भारत भारती पखवारा के अन्तर्गत सांस्कृतिक विभाग द्वारा गायन प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता की संयोजिका सुश्री दीप्ती गुप्ता ने कहा कि संगीत हजारों सालों से हमारे जीवन का हिस्सा रहा है। संगीत एक थैरेपी की तरह है, जिसका उपयोग अनेक बिमारियों के इलाज के रुप में किया जा रहा है। गायन प्रतियोगिता में सभी प्रतिभागियों ने अपने प्रतिभा का परिचय दिया जिसमें बी.ए. प्रथम वर्ष के सर्वेश्वर कांत चन्द ने प्रथम, बी.एड. प्रथम वर्ष की वर्षा जायसवाल तथा बी.एड. द्वितीय वर्ष की ज्योति सिंह राजपूत ने संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान प्राप्त किया जबकि बी.ए. प्रथम वर्ष के बलिराम रौनियार व विराट कन्नौजिया ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाईयों गुरू श्री गोरक्षनाथ व हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप के स्वयंसेवक व स्वयंसेविकाऐं सहित सुश्री श्वेता चौबे, डॉ. सौरभ कुमार सिंह, श्रीमती शिप्रा सिंह, श्रीमती विभा सिंह, श्रीमती पुष्पा निषाद, सुश्री रचना सिंह, सुश्री ललिता, सुश्री अम्बिका, सुश्री वन्दना, सुश्री आराधना, सुश्री मनीषा, सुश्री माधुरी सहित शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप पुण्यतिथि समारोह

19 जनवरी को महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में भारत–भारती पखवारा के अन्तर्गत हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप पुण्यतिथि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना के राष्ट्रीय संगठन सचिव और प्रतिष्ठित इतिहासविद् डॉ0 बालमुकुन्द पाण्डेय ने कहा कि महाराणा प्रताप यश शौर्य और राष्ट्र स्वाभिमान के दैदीप्यमान नक्षत्र हैं। उनका सम्पूर्ण जीवन इतिहास उस अक्षयवट के समान है जो युवाओ को निरंतर प्रेरित करता रहेगा। भारतीय चेतना एवं अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए जीवन भर वन–वन भटकने का मार्ग महाराणा प्रातप ने वैसे ही चुना जैसे श्रीराम ने राष्ट्र रक्षा में अताताईयों का बध करने के लिए चौदह वर्ष का वनवास चुना था। लेकिन साम्राज्यवादी एवं साम्यवादी मानसिकता के कारण भारतीय इतिहास में उन्हे वह स्थान नही मिला जो मिलना चाहिए। महाराणा प्रताप के जीवन की गौरव

गाथा को जानबुझकर नजर अन्दाज एवं विकृत कर दिया गया। महाराणा प्रताप भारतीय संस्कृति के प्रतीक है, राष्ट्रीय स्वाभिमान पर मर–मिटने वालो के प्रतिमान हैं। उन्होंने आगे कहा कि महाराणा प्रताप उस परम्परा के वाहक है जिस परम्परा में यह प्रतिष्ठित है कि जीवन मूल्य की स्वाधीन चेतना देकर की जाती है।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के राजनीतिशास्त्र के असिस्टेण्ट प्रोफेसर डॉ. अमित कुमार उपाध्याय ने कहा कि महाराणा प्रताप और उनका जीवन–दर्शन भारत की पहचान है। महाराणा प्रताप राष्ट्र–समाज के लिए त्याग–बलिदान के पर्याय है। महाराणा प्रताप का जीवन दर्शन भारतीय युवाओं में भारत की सुरक्षा और संरक्षा का संकल्प पैदा करने का माद्दा रखता है। स्वाभिमान, स्वावलम्बन, स्वधर्म के लिए सर्वस्व समर्पण का नाम है महाराणा प्रताप। भारत के नवजवानों में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम, श्रीकृष्ण से लेकर महाराणा प्रताप और शिवाजी के जीवन चरित्र को शिक्षा के पाठ्यक्रमों में स्थान देने की महती आवश्यक्ता है। जब भी राष्ट्र पर संकट होगा राष्ट्र खतरें में होगा, स्वधर्म एवं देश का स्वाभिमान खतरे में होगा उस समय महाराणा प्रताप का त्याग बलिदान अमरज्योति का कार्य करेगी। विशेष रूप से अंग्रेजी इतिहासकारों ने भारत के राष्ट्रीय स्वाभिमान के प्रतीकों, स्मृतियों एवं महापुरुषो के महत्व को कम करने के लिए अनेक प्रकार के भ्रम फैलाये। कार्यक्रम में प्रस्ताविकी एवं स्वागत करते हुए डॉ0 प्रदीप कुमार राव ने कहा कि भारत–भारती पखवारा में स्वामी विवेकानन्द से लेकर महाराणा प्रताप, नेताजी सुभाष

चन्द्र बोस और गणतन्त्र दिवस तक की यात्रा पूरी करने वाला यह आयोजन भारत और भारतीयता को युवाओं के जीवन में लाने का प्रेरणास्पद प्रयत्न है ताकि यहाँ पढ़ने वाले छात्र–छात्रा अपने निजी जीवन के साथ–साथ देश और समाज के प्रति भी अपनी जिम्मेदारी का जवाबदेही के साथ दायित्व–निर्वहन कर सकें। आज भारत के नवयुवकों के सामने महाराणा प्रताप जैसे राष्ट्रनायक का जीवन पाठ्यक्रमों के माध्यम से प्रस्तुत न करने के कारण युवाओं में राष्ट्रभक्ति, स्वधर्म के प्रति आग्रह, देश समाज के लिए समर्पण के भाव का अभाव हुआ है। हमें प्रसन्नता है कि पूर्वी उत्तर प्रदेश में गोरक्षपीठ ने महराणा प्रताप जैसे राष्ट्रनायक के नाम पर शिक्षण संस्थाओं की स्थापना कर युवाओं में राष्ट्रीयता का भाव पैदा कर रहा है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. कृष्ण कुमार पाठक ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्जवलन, सरस्वती वन्दना एवं राष्ट्रगान के साथ तथा समापन वन्देमातरम् के साथ हुआ। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाई के स्वयंसेवक/सेविकाओं सहित डॉ0 आर0 एन0 सिंह, डॉ0 शिव कुमार बर्नवाल, डॉ. अविनाश प्रताप सिंह, डॉ0 सुभाष कुमार गुप्ता, सुश्री दीप्ति गुप्ता, श्री सुबोध कुमार मिश्र आदि शिक्षक उपस्थित रहें।

द्वितीय एकदिवसीय शिविर

20 जनवरी, को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में द्वितीय एक दिवसीय शिविर का आयोजन ग्रामसभा–मंझरिया, जंगल धूसड़ में आयोजित किया गया। जिसमें गुरू श्री गोरक्षनाथ इकाई की स्वयं सेविकाओं ने गाँव में स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया तथा ग्रामवासियों को स्वच्छता से होने वाले लाभ के बारे में बताया। स्वयंसेविकाओं ने गाँव की सड़कों, नालियों, गलियों आदि की साफ–सफाई भी की। संक्रामक बीमारियों से बचने के उपाय जैसे पानी उबाल कर पीने, मच्छरदानी का प्रयोग, भोजन से पहले तथा शौच के बाद हाथ साबुन से धोने के लिए प्रेरित किया।

स्नातकोत्तर महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर

युवा काव्य पाठ

21 जनवरी, को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आयोजित भारत–भारती पखवारा के अन्तर्गत हिन्दी विभाग द्वारा युवा काव्यपाठ का आयोजन किया गया। आयोजन में उदीयमान छात्र कवियों द्वारा अपनी अद्वितीय प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए काव्य पाठ किया। 'मैं किसान हूँ जीवन दाता कहलाता हूँ अन्न उगाता हूँ', 'जरूरत है समाज को अब बदलने की', 'लक्ष्मी का रूप लेकर जन्म लेती हैं बेटियाँ।' 'पाकिस्तान का चरित्र', 'पिता शक्ति और प्यार की अभिव्यक्ति है' आदि शीर्षक पर प्रस्तुत काव्य पाठ मानवता को उद्धवेलित करने वाले विषयों पर केन्द्रित रहा जिसमें किसान का जीवन दर्शन, स्त्री सशक्तिकरण, स्वच्छता अभियान, संघर्षरत बेटियाँ, देश प्रेम की भावना से ओत प्रोत रहा। प्रतियोगिता में स्वयंसेवक बी0ए0 प्रथम वर्ष के श्री प्रकाश पाण्डेय को प्रथम, स्वयं सेविका बी0ए0 प्रथम वर्ष की हिमानी मिश्रा एवं स्वयं सेवक आलोक कुमार तिवारी को संयुक्त रूप से द्वितीय तथा स्वयंसेविका बी0एस–सी0 प्रथम वर्ष की प्रिया दूबे ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में डॉ0 राजेश शुक्ल, डॉ0 आरती सिंह एवं श्रीमती विभा सिंह उपस्थित रहीं।

गोरखनाथ मंदिर में सेवा कार्य

22 जनवरी को श्री गोरक्षनाथ मंदिर में **'बुढ़वा मंगल'** के शुभ अवसर पर सुदूर गाँवों से आये हुए श्रद्वालुओं को निर्बाध रूप से महावतारी गुरु गोरक्षनाथ जी के दर्शन हेतु स्वयंसेवकों/सेविकाओं ने सहयोग किया। कड़ाके की ठण्ड के बावजूद प्रातः 07:00 बजे से सायं 03:00 बजे तक बुढ़वा मंगल के अवसर पर श्रद्वालुओं की सेवा में लगे रहे।

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती समारोह

23 जनवरी को भारत भारती परखावा के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आयोजित नेता जी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती पर दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के इतिहास विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो० हिमांशु चतुर्वेदी ने अपने वक्तव्य में बताते हुए कहा कि सुभाष चन्द्र बोस का नाम भारतीय स्वतन्त्रता आन्दोलन के क्षितिज पर स्वर्णिम अक्षरों में अंकित है। वे भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अपना सर्वस्व न्यौछावर कर देने वाले रणबांकुरों के राजकुमार थे।

वास्तव में बाबू सुभाष राष्ट्रनायक होने के साथ–साथ भारतीय जनमानस के जननायक भी थे। यद्यपि कि कॉंग्रेस की शीर्ष कामेटियों के साथ उनका वैचारिक विरोधाभास जग जाहिर है, तथापि कॉंग्रेस का शीर्ष नेतृत्व भी कहीं न कहीं बाबू सुभाष के व्यक्तित्व से दबता हुआ दिखाई देता है। नेता जी के राजनैतिक चिंतन पर चितरंजन दास, राष्ट्र दर्शन पर महर्षि अरविन्द तथा आध्यात्मिक चिंतन पर रामकृष्ण परमहंस एवं स्वामी विवेकानन्द का प्रभाव परिलक्षित होता है। ऐसे व्यक्तित्व के धनी होने के बावजूद स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात कमजोर राजनैतिक इच्छाशक्ति एवं कम्यूनिस्ट इतिहासकारों ने भारतीय इतिहास में उन्हें वह स्थान नहीं दिया जिसके कि वे वास्तविक अधिकारी थे।

प्रो0 चतुर्वेदी ने उपस्थित जनसमूह को सम्बोधित करते हुए कहा कि 1945–46 में भारत जब जबर्दस्त साम्प्रदायिकता के गिरफ्त में था, वामपंथ चरम पर था, जिन्ना–नेहरू मतभेद जग स्वतंत्रता के लिए अपना सब कुछ अर्पित करते हुए उन्होंने बरतानी हुकुमत के समक्ष जो चुनौतियाँ खड़ी की और उन्हें भारत छोड़ने पर विवश किया, यह आज भी भारतीय इतिहास की स्वर्णिम घटना है। नेता जी तद्युगीन भारतीय युवाओं के आदर्श थे, आज के युवाओं के हैं और भविष्य के युवाओं के भी आदर्श बनें रहेंगे।

कार्यक्रम के दौरान प्रो0 हिमांशु चतुर्वेदी ने महाविद्यालय के पुस्तकालय को 80 महत्वपूर्ण पुस्तकें अनुदान में दी। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के प्राचीन इतिहास विभाग के प्रभारी सुबोध कुमार मिश्र ने किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना की गुरू गोरक्षनाथ इकाई की स्वयंसेविकाओं सहित डॉ0 विजय कुमार चौधरी, डॉ0 आर0एन0सिंह, डॉ0 शिवकुमार बर्नवाल, डॉ0 अविनाश प्रताप सिंह, डॉ0 अभय कुमार श्रीवास्तव, श्रीमती कविता मन्ध्यान, डॉ0 राजेश शुक्ला, श्रीमती शिप्रा सिंह, डॉ0 महेन्द्र प्रताप सिंह, सुश्री दीप्ती गुप्ता, डॉ0 प्रज्ञेश कुमार मिश्र, श्री मंजेश्वर, श्री विनय कुमार सिंह शिक्षक उपस्थित रहे।

गणतंत्र दिवस समारोह

महाराणा प्रताप पी0जी0 कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर में **सत्तरवें गणतन्त्र दिवस समारोह** के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने ध्वजारोहण सहित सांस्कृतिक कार्यक्रम में सहभागिता किया। इस अवसर पर प्राचार्य **डॉ. प्रदीप कुमार राव** ने ध्वजारोहण किया। समारोह में राष्ट्रगान एवं राष्ट्रगीत के पश्चात भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर व्याख्यान देते हुए प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि दुनिया को गणतन्त्रात्मक शासन व्यवस्था हमने सिखायी। आज से लगभग ढाई हजार वर्ष पूर्व महात्मा बुद्ध के समय में ही इस क्षेत्र में गणतन्त्रात्मक शासन व्यवस्था जन्म ले चुकी थी। लोकतंत्र भारतीय संस्कृति के रग–रग में है। हम भारतीयों के स्वभाव में है। वर्तमान युग हमारे अपने स्वत्त्व पहचानने का युग है। समय की मॉग है कि हम जाने कि हम कौन थे? कौन हैं? संस्कृतियों के आपसी द्वन्द के युग में हमें भारत को उबारना होगा, जगतगुरू बनने की दिशा में बढना होगा। गणतंत्र दिवस आगे बढने एवं ठहरकर विचार करने का भी समय है। युग प्रवाह में सभी बहते हैं युग प्रवाह रोककर अपनी धारा बहाने हेतु युवा तैयार हों। प्राचार्य डॉ. राव ने कहा कि 15 अगस्त 2018 में जो संकल्प तथा लक्ष्य तय किये गये थे आज 26 जनवरी 2019 तक हमने कितना प्राप्त किया है। हमें आत्मावलोकन की आवश्यकता है। महाविद्यालय के सत्र 2018–19 की समीक्षा करते हुए उसे और सुदृढ़ तथा बेहतर बनाने की अपील की। कार्यक्रम की शुरूवात बी.एस–सी. तृतीय वर्ष की छात्रा सुश्री आरती गौड़ द्वारा प्रस्तुत गणेश वन्दना से हुयी तत्पश्चात छात्रों ने विभिन्न नृत्य, गायन, नाटक, भाषण एवं कविता प्रस्तुत की। जिसमें मुख्य रूप से छात्रसंघ अध्यक्ष श्री मयंक तिवारी, छात्रसंघ उपाध्याय श्री विशाल कुमार, बी.ए. तृतीय वर्ष के श्री राहुल गिरी, महामन्त्री श्री दिव्यांशु रंजन, श्री अंकित कुमार पाण्डेय, छात्रसंघ प्रभारी श्री नन्दन शर्मा तथा कार्यालय प्रभारी श्री शम्भूप्रताप सिंह द्वारा दिया गया भाषण अत्यंत उत्साहवर्धक था। भाषण में गणतंत्र दिवस पर स्वतंत्रता सेनानियों तथा संविधान निर्माताओं को श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। कार्यक्रम में बी.ए.प्रथम वर्ष के श्री सर्वेश्वर कान्त चन्द्रा, बी. एस–सी. प्रथम वर्ष के श्री अक्षय कुमार, बी.ए. प्रथम वर्ष के श्री बलराम, एम.काम. प्रथम वर्ष के श्री प्रवीण, एम. ए. प्रथम

तृतीय एकदिवसीय शिविर

05 फरवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में तृतीय एक दिवसीय शिविर का आयोजन ग्रामसभा–मंझरिया, जंगल धूसड़ में आयोजित किया गया। जिसमें हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई के स्वयंसेवकों ने गाँव में स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया तथा ग्रामवासियों को स्वच्छता से होने वाले लाभ के बारे में बताया। स्वयंसेवकों ने गाँव की सड़कों, नालियों, गलियों आदि की साफ–सफाई भी की। संक्रामक बीमारियों से बचने के उपाय जैसे भोजन से पहले तथा शौच के बाद हाथ साबुन से धोने पानी उबाल कर पीने, मच्छरदानी का प्रयोग के लिए जानकारी व उन्हें प्रेरित किया।

चतुर्थ एकदिवसीय शिविर

15 फरवरी, को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में चतुर्थ एक दिवसीय शिविर का आयोजन ग्रामसभा–मंझरिया, जंगल धूसड़ में आयोजित किया गया। जिसमें गुरू श्री गोरक्षनाथ इकाई की स्वयं सेविकाओं ने गाँव में स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया। स्वयंसेविकाओं ने गाँव की सड़कों, नालियों, गलियों आदि की साफ–सफाई भी की। संक्रामक बीमारियों से बचने के उपाय जैसे पानी उबाल कर पीने, मच्छरदानी का प्रयोग, भोजन से पहले तथा शौच के बाद हाथ साबुन से धोने के लिए प्रेरित किया। ग्रामवासियों को स्वच्छता से होने वाले लाभ के बारे में बताया।

हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई

स्वामी विवेकानन्द पुण्य तिथि कार्यक्रम एवं निबन्ध प्रतियोगिता

04 जुलाई को महाराणा प्रताप पी0जी0 कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में **स्वामी विवेकानन्द पुण्यतिथि कार्यक्रम** के

अवसर पर बोलते हुए प्राचार्य **डॉ0 प्रदीप कुमार राव** ने कहा कि स्वामी विवेकानन्द भारत के ऐसे युवा सन्यासी थे, जिन्होंने अपनी दिव्य दृष्टि से सम्पूर्ण दुनिया का मार्ग दर्शन करते हुए भारत की गौरवशाली विरासत का पुनः आभास कराया। **स्वामी विवेकानन्द के जीवन का एक–एक क्षण मानव सेवा और भारत माता की सेवा के लिए समर्पित रहा है।** वेदांत दर्शन के माध्यम से स्वामी जी ने पूरी दुनिया में हिन्दुत्व और भारत का परचम लहरा दिया। रामकृष्ण मिशन की स्थापना करके उन्होने सामाजिक सेवा का जो अमूल्य कार्य प्रारम्भ किया वह आज भी मानव सेवा

का बड़ा केन्द्र बना हुआ है। स्वामी विवेकानन्द के विचार आज भी युवाओं और विशेष रूप से विद्यार्थियों के लिए ऊर्जा का मुख्य स्त्रोत है। आत्म की पहचान का उनका उद्घोष युवाओं में अपार शक्ति का वाहक बना हुआ है। स्वामी विवेकानन्द के विचारों के थोड़े ही हिस्से को भी यदि युवा अपने जीवन एवं कार्य व्यवहार में समाहित कर लें तो भारत को दुनिया का सर्वशक्तिशाली राष्ट्र बनाने का मार्ग प्रशस्त हो जायेगा।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी **डॉ0 अविनाश प्रताप सिंह** ने सम्बोधित करते हुए कहा कि स्वामी विवेकानन्द भारत के ऐसे अमर रत्न हैं जिनकी स्मृति मात्र से ही अपार ऊर्जा का संचार स्वतः होने लगता है। उनका जीवन त्याग, तपस्पा और सम्पूर्ण समर्पण का जीवन है। स्वामी विवेकानन्द भारत के ऐसे आध्यात्मिक गुरु थे जिन्होने अपने कर्म और आचरण के द्वारा धर्म और दर्शन को मूर्तरूप से परिचित कराया। स्वामी जी का विचार न केवल जीवन्त है, वरन अत्यन्त प्रासंगिक भी है। प्रत्येक भारतीय के जीवन का उत्थान एवं उद्धार स्वामी जी के विचार एवं आचरण व्यवहार में सन्निहित है।

इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी **डॉ0 यशवंत कुमार राव** ने कहा कि स्वामी विवेकानन्द भारत के महापुरूषों के गौरवशाली परम्परा के चमकते सितारें हैं, जिनकी विराट आभा आज भी दिव्यमान एवं प्रज्जवलित है। युवाओं के मन मस्तिष्क में स्वामी विवेकानन्द आदर्श महापुरूष प्रत्येक कालखण्ड में रहें है, उनसे वह निरन्तर प्रेरणा ग्रहण करता रहा है। स्वामी जी का जीवन दर्शन मानव कल्याण का दर्शन है, भारत के पुरूषार्थ का दर्शन है, विश्व कल्याण का दर्शन है। इस अवसर पर हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई के स्वयंसेवकों सहित डॉ0 विजय कुमार चौधरी, डॉ0 आर0एन0सिंह, श्रीमती कविता मन्ध्यान, श्री सुबोध कुमार मिश्र, श्री मृत्युंजय कुमार सिंह, डॉ0 अभिषेक कुमार, श्री श्रीकान्त मणि त्रिपाठी, डॉ0 कृष्ण कुमार, श्री विनय कुमार सिंह सहित शिक्षक उपस्थित रहें।

स्वामी विवेकानन्द पुण्यतिथि के अवसर पर **"आधुनिक भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका"** विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

डॉ0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम स्मृति दिवस पर व्याख्यान

27 जुलाई को महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज जंगल धूसड़ में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्तवाधान में **पूर्व राष्ट्रपति डॉ0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि** के अवसर पर एक विचार गोष्ठी आयोजित की गयी। गोष्ठी के मुख्य अतिथि भूगोल विभाग प्रभारी, डॉ0 विजय कुमार चौधरी थे उन्होनें श्रद्धांजलि देते हुए अपने सम्बोधन में कहा कि डॉ0 कलाम का जीवन भारत के नव–निर्माण तथा उसे विकसित करने में सराहनीय रहा है। वे सर्वधर्म–समभाव में विश्वास करते थे। उन्होनें आपसी भाईचारा, सामाजिक सद्भाव तथा कुरीतियों से बाहर जाकर मानवता के लिए कार्य करना व्यक्ति का धर्म बताया। डॉ. कलाम निरन्तर प्रेरक बनकर स्कूलों तथा शिक्षण संस्थाओं में जाकर विद्यार्थियों से बात करना, उन्हें भारत के भविष्य के लिए सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने की ऊर्जा देते रहते थे। आज हमारे बीच पूर्व राष्ट्रपति डॉ0 कलाम नहीं है लेकिन उनके सपनों के भारत को विकसित करने में हम प्रयासरत हैं। आज भारत के पास अन्तरमहाद्विपीय प्रक्षेपास्त्र है जो विश्व के केवल विकसित देशों के पास है। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 अविनाश प्रताप सिंह ने कहा कि कलाम साहब का जीवन सादा जीवन उच्च विचार पर आधारित था उन्होंने राष्ट्रपति पद पर रहते हुए बड़ी सादगी से राजनीतिक मर्यादाओं, पद की गरिमा तथा राष्ट्रीय सम्मान की रक्षा की। सरकार के साथ सहयोग करके विकास की गति को तेज करने में अहम भूमिका निभाई। कार्यक्रम का संचालन रा.से.यो. के प्रभारी डॉ0 यशवंत कुमार राव ने किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई के सभी स्वयंसेवक उपस्थित रहे। महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक सहित श्रीमती कविता मान्धयान् शिक्षण संघ अध्यक्ष डॉ0 सुभाष कुमार गुप्ता, डॉ0 राजेश शुक्ला, श्री बृजभूषण लाल तथा डॉ0 अरूण कुमार राव आदि उपस्थित थे।

शहीद बंधु सिंह बलिदान दिवस

12 अगस्त को महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर में अमर शहीद बन्धू सिंह बलिदान दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में व्याख्यान देते हुए राजनीतिशास्त्र के विभागाध्यक्ष डॉ अविनाश प्रताप सिंह ने कहा कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम में शहीद होने वाले बलिदानियों के श्रृंखला में बन्धू सिंह का नाम स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। 1857 के समर में गोरखपुर का नेतृत्व करते हुए उन्होने अंग्रेजो के सामने जो चुनौती पैदा की, उससे अंग्रेज अधिकारियों के दांत खट्टे हो गये। प्रथम स्वतंत्रता–

संग्राम में बर्बर ब्रितानिया हुकूमत के खिलाफ मध्य व उत्तर भारत में भड़के सशक्त जनविद्रोही समर के नायक अंग्रेजी हुकूमत की चूलें हिला देने वाले प्रसिद्ध चौरी चौरा क्षेत्र के डुमरी रियासत के बाबू बन्धू सिंह संघर्ष की अनूठी गुरिल्ला शैली के कारण फिरंगियों में दहशत और भय का पर्याय बन गये थे। शहीद बन्धू सिंह के आक्रमण से अंग्रेजी सेना ने हताशा में पूरे डूमरी गाँव को नष्ट–भ्रष्ट करते हुए घोर ताण्डव किया। आज भी शहीद बन्धू सिंह पूर्वांचल के युवाओ के लिए राष्ट्रभक्ति और देश प्रेम के प्रेरणा स्रोत के रूप में विद्यमान है। इस अवसर पर हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई के स्वयंसेवकों सहित डॉ. यशवन्त राव, डॉ. आर.एन. सिंह, डॉ. विजय चौधरी, डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र, डॉ. सुबोध मिश्र, डॉ. शिवकुमार बर्नवाल सहित शिक्षक, विद्यार्थी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता दिवस समारोह

15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर महाविद्यालय में 'राष्ट्रीय पर्व' के रूप में समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर ध्वजारोहण के साथ राष्ट्रगान वन्देमात्रम सहित सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना केस्वयं सेवकों/सेविकाओं ने देश भक्ति गीत, नृत्य, भाषण तथा सामाजिक समस्याओं पर आधारित नुक्कड़ नाटक आदि से सम्बन्धित सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 प्रदीप कुमार राव ने अपने उद्‌बोधन में संस्था के प्रयत्नों को ही शहीदों को श्रद्धांजलि स्वरूप भेंट करते हुए राष्ट्र निर्माण में महाविद्यालय के योगदान पर प्रकाश डाला।

स्वतंत्रता दिवस

स्वतंत्रता दिवस

साप्ताहिक योगाभ्यास कार्यक्रम

महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज के राष्ट्रीय सेवा के तत्वावधान में प्रत्येक शनिवार को प्रातः 09:20–09:40 बजे तक साप्ताहिक योग प्रशिक्षण का आयोजन किया जाता है। इस सत्र में साप्ताहिक योग प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए वाणिज्य विभाग के शिक्षक डॉ0 सुभाष कुमार गुप्ता ने सम्बोधित करते हुए कहा कि युवाओं के लिए योग संजीवनी है इस दृष्टि से राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवको के लिए इस प्रकार के आयोजन अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाते हैं। योग प्राचीन भारतीय जीवन–पद्धति है। जिसमें शरीर, मन और आत्मा का एकीकरण किया जाता है। योग के उद्भूत फायदों का लोहा न सिर्फ भारत बल्कि विश्वभर के लोगों ने माना है। संयुक्त राष्ट्र संघ ने भी 21 जून को विश्व योग दिवस के रूप में मनाने की बात स्वीकारी और आज योग सम्पूर्ण विश्व को भारत की देन है। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय प्रत्येक शनिवार को योग के साथ अपनी दिनचर्या प्रारम्भ करता है। सप्ताह में एक दिन प्रत्येक छात्र और शिक्षक योग में सम्मिलित होते हैं; तथा सामूहिक योगाभ्यास करते हैं। योग महाविद्यालय के वार्षिक कार्यक्रम का एक अभिन्न अंग है। उन्होंने कहा कि योग के माध्यम से उच्च रक्तचाप, तनाव, कोलेस्ट्राल, मोटापा, मधुमेह जैसी गम्भीर बिमारियों से निजात मिलता है। प्रतिदिन योगाभ्यास से रोग से लड़ने की शक्ति, प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है, स्वास्थ्य में वृद्धि होती है तथा शरीर के विकार दूर हो जाते हैं। योग से चित्त की एकाग्रता बढ़ती है जिससे स्मरण शक्ति का विकास होता है। योग से आत्मविश्वास में वृद्धि होती है तथा व्यसनों से मुक्ति मिलती है। नियमित योग करने से शारीरिक, बौधिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक विकास होता है।

योग व्याख्यान कार्यक्रम

18 अगस्त को राष्ट्रीय सेवा के तत्वावधान में साप्ताहिक योग प्रशिक्षण के अवसर पर योग व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय जंगल धूसड़, गोरखपुर में 'साप्ताहिक योगाभ्यास का दैनिक जीवन में उपयोग' विषय पर व्याख्यान देते हुए बी. एड्. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने अपना व्याख्या प्रस्तुत किया। इन्होंने कहा कि योग अन्तःकरण की एकाग्रता है, योग से मन, चित्, बुद्धि तथा आत्मा का एकीकरण किया जाता है। योग के अर्न्तगत, यम, नियम, प्रत्याहार, आसन, प्राणायाम, धारणा, ध्यान तथा समाधि के विभिन्न स्तर होते हैं। जिसे अष्टांग योग के नाम से भी जाना जाता है। शरीर के स्वस्थ रहने पर ही मस्तिष्क स्वस्थ रहता है। मस्तिष्क से ही शरीर की समस्त क्रियाओं का संचालन होता है। इसके स्वस्थ व तनावयुक्त होने पर ही शरीर की सारी क्रियाएं भली प्रकार से सम्पन्न होती हैं। इस प्रकार हमारे शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक और आत्मिक विकास के लिए योगासन की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। योग शरीर के जोड़ों, मांसपेशियों को मजूबत बनाता है, शारीरिक विकृतियों को काफी हद तक ठीक करता है। शरीर में रक्त प्रवाह सुचारू करता है, पाचन को मजबूत बनाता है। इसके अतिरिक्त यह शरीर की रोग प्रतिरोधक शक्तियाँ बढ़ाता है। कई प्रकार की बिमारियाँ, अनिद्रा, तनाव, थकान, उच्च रक्तचाप, चिन्ता इत्यादि को दूर करता है। आज की आवश्यकता को देखते हुए योग की शिक्षा आम जन के लिए बेहद उपयोगी है।

योग व्याख्यान कार्यक्रम

01 सितम्बर, राष्ट्रीय सेवा के तत्वावधान में साप्ताहिक योग प्रशिक्षण के अवसर पर 'गोरखपुर सहज योगध्यान केन्द्र' के समन्वयक श्री उपेन्द्र सिंह ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस अवसर पर उन्होंने स्वयंसेवको, शिक्षकों तथा छात्र–छात्राओं को 'आत्म साक्षात्कार' क्रिया के विभिन्न चरणों का अभ्यास कराया। उन्होंने सहज योग के महत्त्व को बताते हुए कहा कि योग से उच्च रक्तचाप, तनाव, कोलेस्ट्राल, मोटापा, मधुमेह जैसी गम्भीर बिमारियों से निजात मिलता है। प्रतिदिन योगाभ्यास से रोग से लड़ने की शक्ति, प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है, स्वास्थ्य में वृद्धि होती है तथा शरीर के विकार दूर हो जाते हैं। योग से चित्त की एकाग्रता बढ़ती है, जिससे स्मरण शक्ति का विकास होता है। योग से आत्मविश्वास में वृद्धि होती है तथा व्यसनों से मुक्ति मिलती है। नियमित योग करने से शारीरिक, बौद्धिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक विकास होता है।

शिक्षक दिवस समारोह

05 सितम्बर को महाराणा प्रताप पी0जी0 कालेज, जंगल धूसड़, में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आयोजित शिक्षक दिवस सामारोह में बोलते हुए भूगोल विभाग के प्रभारी डॉ. विजय कुमार चौधरी ने कहा कि स्वतंत्र भारत के पहले उपराष्ट्रपति तथा दूसरे राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। डॉ. राधाकृष्णन ने अपने जीवन के 40 वर्ष तक एक शिक्षक के रूप में कार्य किया। शिक्षा के क्षेत्र में उनको एक आदर्श शिक्षक के रूप में हमेशा याद किया जाता है। डॉ. राधाकृष्णन मानते थे कि सम्पूर्ण विश्व एक विद्यालय है। यदि शिक्षा सही प्रकार से दी जाए तो समाज से अनेक बुराइयों को मिटाया जा सकता है। डॉ. राधाकृष्णन बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे, उनके व्यक्तित्व में विद्वान, शिक्षक, वक्ता, प्रशासक, राजनायिक, देशभक्त और शिक्षाशास्त्री को देखा जा सकता है। भाषण कला, शिक्षा और दर्शन के क्षेत्र में उनकी विद्वता के वजह से विश्व के विभिन्न देशों में भारतीय तथा पाश्चात्य दर्शन पर भाषण देने के लिए उन्हे आमंत्रित किया जाता था। डॉ. राधाकृष्णन, विवेकानन्द और वीर सावरकर को अपना आदर्श मानते थे। उन्होने अपने जीवन में अध्यापक से राष्ट्रपति तक का सफर तय किया उन्हे शिक्षा व राजनीति में अमूल्य योगदान देने के लिए भारत रत्न जैसे सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान से सम्मनित किया गया। शिक्षक दिवस के अवसर पर महाविद्यालय में शिक्षक संघ के अनौपचारिक बैठक का आयोजन शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ. सुभाष कुमार गुप्ता द्वारा किया गया। जिसमें शिक्षक आचार संहिता के विभिन्न पहलुओं पर आत्मावलोकन किया गया। कार्यक्रम में डॉ. आरती सिंह, डॉ. अभिषेक सिंह, डॉ. अभिषेक वर्मा, सुश्री नूपूर शर्मा, श्री मृत्युंजय सिंह, श्रीमती कविता मन्ध्यान्, डॉ. आर. एन. सिंह सहित सभी स्वयंसेवक, शिक्षक, विद्यार्थी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान

08 सितम्बर से महाराणा प्रताप पी0 जी0 कालेज, जंगल धूसड़ में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान का आयोजन हुआ। राष्ट्रीय सेव योजना का उद्देश्य ही विद्यार्थियों में श्रम एवं सेवा का भाव उत्पन्न करना है, जिससे समाज और राष्ट्र के लिए योग्य नागरिक का निमार्ण हो सके। महाविद्यालय में सत्र के आरम्भ से ही प्रत्येक शनिवार को अपरान्ह 12:10 बजे से 01:10 बजे तक स्वैच्छिक श्रमदान का आयोजन किया जाता है, जिसमें स्वेच्छा से विद्यार्थी एवं शिक्षक श्रमदान करते है। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों/सेविकाओं के लिए यह कार्यक्रम अनिवार्य होता है।

एम0 विश्वेश्वरैया जयन्ती एवं ओजोन संरक्षण दिवस (पूर्व दिवस)

15, सितम्बर को महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़ में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम मे व्याख्यान देते हुए रसायन विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. राम सहाय ने कहा कि महान अभियन्ता एवं भारत रत्न एम. विश्वेश्वरैया के जन्म दिवस को अभियन्ता दिवस (इंजीनीयर्स डे) के रूप में मनाया जाता है। विश्वेश्वरैया अभूतपूर्व प्रतिभा से धनी थे इन्होने इंजीनीरिंग के क्षेत्र में अनेक ऐसे कार्य किए जिसमें इसकी ख्याति देश विदेश में फैल गयी थी। हैदराबाद के निजाम के कहने पर इस इलाके की मूसा नदी की बाढ़ एवं उसके कारण उत्पन्न जल संकट का हल निकाला। इसके साथ ही कावेरी नदी पर कृष्ण सागर बाँध बनाकर सिंचाई के लिए पानी और जल शक्तिसे बिजली पैदा करने की व्यवस्था की जलशाक्ति से बिजली पैदा करने का यह भारत में पहला प्रयास था। विश्वेश्वरैया उद्योग को देश का प्राण मानते थे इसलिए उन्होने पहले से मैजूद उद्योगो को जापान और इटली के विशेषज्ञों की मदद से और अधिक विकसित किया। धन की जरूरत पूरा करने के लिए उन्होने बैंक आफ मैसूर खुलवाया तथा इस धन का उपयोग उन्होंने उद्योग–धंधे विकसित करने में किया। विश्वेश्वरैया शिक्षा के महत्व को भलीभाँति समझते थे। लोगों की गरीबी और कठिनाइयों का मुख्य कारण वे अशिक्षा को मानते थे। मैसूर के दीवान के रूप में अपने कार्यकाल में मैसूर के स्कूलों की संख्या 4500 से बढ़ाकर 10500 कर दिए तथा मैसूर विश्वविद्यालय की स्थापना में भी उनका योगदान रहा। उन्होंने कई कृषि, इंजीनीयरिंग व औद्योगिक कॉलेज भी खुलवाया। ओजोन दिवस 16 सितम्बर के पूर्व दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए डॉ0 सुभाष कुमार गुप्ता ने कहा कि ओजान परत पृथ्वी पर पड़ने वाली हानिकारक किरणों को रोकता है जिसमें वायुमण्डल का छरण हो रहा है। अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर लोगो को इसके प्रति जागरूक करने की आवश्यकता है। कार्यक्रम में रा.से.यो. कार्यक्रम अधिकारी डॉ. यशवन्त कुमार राव, डॉ. शिवकुमार बर्नवाल डॉ. अरूण राव सहित स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस (पूर्व दिवस)

22, सितम्बर को महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़ में राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस (पूर्व दिवस) समारोह पूर्वक मनाया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डॉ0 यशवंत राव ने स्वयंसेवकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि मानव के प्राकृतिक स्वभाव में सेवा है। सृष्टि की समृद्धि और उसके विकास में मनुष्य का योगदान अग्रणी है। राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं में मानवीय गुणों को विकसित करने तथा विकृतियों का उन्मूलन करने का सशक्त माध्यम बन सकता है। श्रम, सेवा और साधना मानव की मूलभूत पहचान होनी चाहिए। यही समाज और राष्ट्र की प्रगति का आधार है। यदि युवा स्वयं सेवक अपने जीवन में इस मंत्र को उतार लें तो भारत के गौरवशाली भविष्य के सपने को मूर्तरूप प्रदान किया जा सकता है। किसी भी देश के विकास का एकरूप उस देश के युवा कौशल पर निर्भर करता है। बड़ी से बड़ी चुनौतियों का सामना श्रेष्ठ, सतर्क नागरिकों से किया जा सकता है। शिक्षा ज्ञान के मार्ग का निर्धारण करती है और सेवा उसमें गहराई और चमक पैदा करती है। श्रम के द्वारा इसे पुष्पित और पल्लवित किया जा सकता है। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए डॉ0 अविनाश प्रताप सिंह ने कहा कि आज की शिक्षण संस्थाएं केवल ज्ञान प्रदान करने तक ही सीमित न रहें बल्कि योग्य नागरिक बनाने में अपनी भूमिका सुनिश्चित करें। आज का युवा ही कल राष्ट्र का आधार स्तम्भ होगा इसलिए उनमें सामाजिक संवेदना, राष्ट्रीय चेतना तथा गरीबों, पीड़ितों की चिंता करने, सहयोग और सेवा करने का गुण विकसित हों। राष्ट्रीय सेवा योजना वह माध्यम है जिससे स्वयं सेवक अपने व्यक्तित्व में श्रम के महत्व, मूल्य, सेवा की भावना को विकसित करते हुए संकोच और शर्म को दूर कर सकते हैं। कार्यक्रम का संचालन स्वयं सेवक प्रकाश पाण्डेय तथा आभार डॉ0 यशवंत कुमार राव ने किया।

इस अवसर पर हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई के सभी स्वयं सेवकों सहित डॉ0 अरूण राव, श्री हरविन्द कुमार श्रीवास्तवा, श्री बृज भूषण लाल, श्री विरेन्द्र तिवारी, डॉ0 राम सहाय, डॉ0 विजय कुमार चौधरी, डॉ0 मृत्युंजय सिंह, श्रीमती विभा सिंह, सुश्री मनीता सिंह आदि शिक्षक भी उपस्थित रहे।

पं0 दीनदयाल उपाध्याय जयंती समारोह

25 सितम्बर, 2018 को महाराणा प्रताप पी0जी0 कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में पं0 दीनदयाल उपाध्याय जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बी0 एड0 विभाग प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने संबोधित करते हुए कहा कि पं0 दीनदयाल उपाध्याय ने भारत की सनातन विचारधारा को युगानुकूल प्रस्तुत करते हुए देश को एकात्म मानववाद जैसी प्रगतिशील विचारधारा दी। जनसंघ के राष्ट्र जीवनदर्शन के निर्माता पंडित दीनदयाल जी का उद्देश्य स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात देश के पुनर्रचना के प्रयासों के लिए विशुद्ध भारतीय तत्व दृष्टि प्रदान करना था। अपने इन्ही उद्देश्यों की पूर्ति के लिए उन्होंने अपना सर्वस्व समर्पित कर दिया। उपर्युक्त बाते पं. दीनदयाल उपाध्याय जयन्ती पर महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय जंगल धूसड़ के श्री राम सभागार में आयोजित समारोह में बी. एड्. विभाग प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने कही। उन्होने कहा कि पं. दीनदयाल जी को जनसंघ के आर्थिक नीति का रचनाकार भी कहा जाता है उनका विचार था कि आर्थिक विकास का मुख्य उद्देश्य सामान्य मानव का सुख है। चराचर जगत को संतुलित, स्वस्थ एवं सुन्दर बना कर मनुष्य मात्र को पूर्णता की ओर ले जा सकने वाला एक मात्र प्रक्रम सनातन धर्म द्वारा प्रतिपादित जीवन दर्शन है। श्रीमती शिप्रा सिंह ने कहा कि उपाध्याय जी जिस धारा में भारतीय राजनीति को ले जाना चाहते थे वह धारा हिन्दुत्व की थी जिसका संकेत उन्होंने उनकी कृतियों– दो योजनाएँ, राजनीतिक डायरी, भारतीय अर्थनीति का अमूल्यन, सम्राट चन्द्रगुप्त, एकात्म मानववाद, राष्ट्रजीवन की दिशा में आदि रचनाओं से परिलक्षित होता है। श्रीमती सिंह ने कहा कि उपाध्याय जी विलक्षण बुद्धि, सरल व्यक्तित्व एवं नेतृत्व के अनगिनत गुणों के स्वामी भारतीय राजनीतिक क्षितिज के इस प्रकाशमान सूर्य ने भारतवर्ष में समतामूलक राजनीतिक विचारधारा का प्रचार एवं प्रोत्साहन करते हुए सिर्फ 52 साल की उम्र में अपने प्राण राष्ट्र को समर्पित कर दिए। आकर्षक व्यक्तित्व के स्वामी दीनदयाल जी उच्च कोटि के दार्शनिक थे किसी प्रकार की भौतिक मोह माया उन्हे छू तक नहीं सका। कार्यक्रम में हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई के स्वयंसेवकं सहित डॉ. कृष्ण कुमार पाठक, डॉ. अविनाश प्रताप सिंह, डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ. प्रवीन्द्र शाही, श्री संजय जायसवाल, सुश्री नूपूर शर्मा, श्री नन्दन शर्मा उपस्थित रहे।

गांधी जी एवं लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती समारोह

02 अक्टूबर, 2018 को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री जयंती समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में व्याख्यान, सास्कृतिक कार्यक्रम एवं श्रमदान का आयोजन स्वयंसेवक/सेविकाओं ने किया।

गांव में स्वास्थ शिविर

05 अक्टूबर को राष्ट्रीय सेवा योजना एवं गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय के संयुक्त तत्वाधान में अधिगृहित गांव मंझरियां में स्वास्थ शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामवासियों का निःशुल्क स्वास्थ परीक्षण एवं दवा वितरण चिकित्सालय के तरह से किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना के दोनो इकाई गुरु श्री गोरक्षनाथ एवं महाराणा प्रताप के स्वयं सेवक–सेविकाओं ने घर–घर जाकर लोगों का स्वास्थ सम्बन्धी परीक्षण कराने में सहयोग किया।

वायु सेना स्थापना दिवस (पूर्व दिवस)

08 अक्टूबर को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में वायु सेना स्थापना पूर्व दिवस समारोह मनाया गया। समारोह के मुख्य वक्ता प्राचीन इतिहास विभाग के प्रभारी श्री सुबोध कुमार मिश्र ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि भारतीय वायु सेना भारत की सुरक्षा कवच है। जब भी विदेशी शक्तियों, पड़ोसियों ने भारत पर कुदृष्टि डालने की कोशिश की है, तब वायु सेना ने उन्हें धूल में मिलाया है। न केवल युद्ध के समय बल्कि भयंकर प्राकृतिक आपदाओं के समय भी वायु सेना की भूमिका जीवनदायिनी सिद्ध हुई है। इसलिए प्रत्येक भारतीय को अपने सुरक्षा संस्थानों और जवानों के प्रति अटूट श्रद्धा और निष्ठा का भाव रखना चाहिए। भारत ने रूस, अमेरिका और फ्रांस निर्मित अत्याधुनिक लड़ाकू विमानों को अपने बेड़े में सम्मिलित करके अपनी शक्ति में उत्तरोत्तर वृद्धि की है। इससे भारत महाशक्तियों के कतार में खड़ा हो गया है। यह विश्व की चौथी सबसे बड़ी वायुसेना है। रा.से.यो. के कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 अविनाश प्रताप सिंह ने कहा कि वर्तमान सरकार की दृढ़ इच्छा शक्ति ने भारतीय

वायु सेना की ताकत और क्षमता को विस्तार देकर नया स्वरूप प्रदान किया है। एस यू–30, सुखोई–30, राफेल, तेजस तथा मिराज जैसे लड़ाकू विमानों ने भारत की सैन्य ताकत में भारी वृद्धि की है। इस समारोह में राष्ट्रीय सेवा योजना के हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई के सभी स्वयं सेवकों सहित महाविद्यालय के शिक्षकों डॉ0 महेन्द्र प्रताप सिंह, श्री हरविन्द कुमार श्रीवास्तव, श्री बृज भूषण लाल, डॉ0 राजेश शुक्ला, डॉ0 अभय श्रीवास्तवा, डॉ0 आरती सिंह, श्रीमती कविता मध्यान्ह, डॉ0 कष्ण कुमार, श्री नन्दन शर्मा, डॉ0 शिव कुमार बर्नवाल, सुश्री प्रियंका मिश्रा, श्रीमती शिप्रा सिंह आदि उपस्थित थे।

जय प्रकाश नारायण जयन्ती एवं पोस्टर प्रतियोगिता

11 अक्टूबर को महाराणा प्रताप पी0 जी0 कालेज, जंगल धूसड़ में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में रक्षा अध्ययन विभाग के प्रवक्ता डॉ0 रमाकान्त दूबे ने अपने सम्बोधन में कहा कि प्रसिद्ध समाज सेवी, भारतीय स्वतंत्रता, संग्राम सेनानी, राजनेता, लोकनायक जय प्रकाश नारायण जी सम्पूर्ण क्रान्ति के जनक थे। इन्दिरा गाँधी के प्रधानमंत्रित्व काल में आपातस्थिति लागू की गयी जिसका जय प्रकाश जी ने विरोध किया। वे इंदिरा जी के प्रशासनिक नीतियों के विरूद्ध थे। आपातकाल के पश्चात जेल से मुक्त होकर उन्होने सभी विपक्ष को एकजुट किया तथा 1977 में इंदिरा गाँधी को चुनाव में हरा दिया। उपर्युक्त बातें महाराणा प्रताप पी0जी0 कालेज, जंगल धूसड़ में जयप्रकाश नारायण जयन्ती अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में व्याख्यान देते हुए रक्षाअध्ययन विभाग के प्रवक्ता डॉ0 रमाकान्त दूबे ने कही। उन्होंने आगे कहा कि जयप्रकाश जी ने सम्पूर्ण क्रान्ति का अवाहन किया जिसमें राजनैतिक, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, बौद्धिक, शैक्षणिक व आध्यात्मिक क्रान्ति सन्निहित थी। सम्पूर्ण क्रान्ति की तपिश इतनी भयानक थी कि केन्द्र में काँग्रेस का सत्ता से हाथ धोना पड़ा। डॉ0 रमाकान्त दूबे ने कहा कि जयप्रकाश नारायण जी को 1965 में मैगसेसे पुरस्कार तथा 1990 में

मरणोपरान्त भारत रत्न से सम्मानित किया गया। जयप्रकाश जी ने सत्याग्रह तथा भारत छोड़ो आन्दोलन में सक्रियता के साथ भाग लिया। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान हथियारों के उपयोग को सही समझा तथा नेपाल जाकर आजाद दस्ते का गठन किया एवं उसे प्रशिक्षित किया। उन्होंने महात्मा गाँधी एवं नेता जी सुभाष चन्द्र बोस के बीच सुलह का भी प्रयास किया। कार्यक्रम में श्री प्रतीक कुमार दास, सुश्री अनुभा श्रीवास्तव, सुश्री किरन सिंह, डॉ0 आरती सिंह, सुश्री पल्लवी नायक, सुश्री नूपुर शर्मा, डॉ0 सौरभ सिंह, श्री सुबोध मिश्र, डॉ0 अभिषेक वर्मा, डॉ0 अविनाश प्रताप सिंह, डॉ0 कृष्ण कुमार पाठक, डॉ0 यशवन्त राव, डॉ0 विजय कुमार चौधरी सहित स्वयंसेवक, शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

वनस्पति विज्ञान विभाग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में "पर्यावरण प्रदूषण एवं संरक्षण" विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वनस्पति विभाग के प्रभारी डॉ0 अभय कुमार श्रीवास्तव ने प्रस्ताविकी रखते हुए कहा कि पोस्टर प्रतियोगिता विद्यार्थियों के पाठयक्रम अध्ययन का एक गैर पारम्परिक विधि है जिसमें करके सीखा जाता है। पोस्टर प्रतियोगिता भी ऐसे प्रयासों का एक प्रमुख हिस्सा है। पोस्टर बनाना एक अधिगम है, जो विद्यार्थियों को सीखने का अवसर प्रदान करता है। "पर्यावरण प्रदूषण एवं संरक्षण" विषय पर जागरूकता हेतु स्वस्थ प्रतिस्पर्धा से बेहतर और कुछ नहीं हो सकता है। निर्णायक

मंडल में सुश्री आम्रपाली वर्मा, डॉ0 अखिलेश कुमार गुप्ता एवं सुश्री अंजली सिंह थे। प्रतियोगिता में बी0एस–सी0 प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष तथा एम0एस–सी प्रथम वर्मा के साथ कुल 46 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता परिणाम निम्नवत् है– **बी0एस0सी0 प्रथम वर्ष–** प्रथम स्थान–महिमा विश्वकर्मा, द्वितीय स्थान–शालिनी सिंह, तृतीय वर्ष–स्मृति, **बी0एस0सी0 द्वितीय वर्ष–** प्रथम स्थान–सरिता पटेल, द्वितीय स्थान–रागिनी राय, तृतीय स्थान– दीपशिखा सिंह, **बी0एस0सी0 तृतीय वर्ष–** प्रथम स्थान–सोनल दूबे, द्वितीय स्थान–आरती गौड़, तृतीय स्थान–अंजली सिंह, **एम0एस0सी0 प्रथम वर्ष–** प्रथम स्थान– अंजू गुप्ता, द्वितीय स्थान– जागृति धर दूबे, तृतीय स्थान–निधि श्रीवास्तव रहें।

संयुक्त राष्ट्र संघ स्थापना दिवस कार्यक्रम पर व्याख्यान एवं निबन्ध प्रतियोगिता

24 अक्टूबर को महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़ में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में आयोजित संयुक्त राष्ट्रसंघ स्थापना दिवस के अवसर पर **राष्ट्रीय सेवा योजना** के प्रभारी डॉ. यशवंत राव ने सम्बोधित करते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना विश्व शान्ति हेतु अर्न्तराष्ट्रीय संघर्षो में हस्तक्षेप करने के उद्देश्य से द्वितीय विश्वयुद्ध के महत्वपूर्ण राष्ट्रों ने की थी। संयुक्त राष्ट्र संघ अन्तर्राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति, मानवाधिकार और विश्वशान्ति के लिए कार्यरत है। उन्होने कहा कि द्वितीय विश्वयुद्ध के प्रमुख राष्ट्र युद्ध के भयंकर त्रासदी से विश्व को बचाने के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना की। वे चाहते थे कि भविष्य में फिर कभी द्वितीय विश्वयुद्ध जैसी स्थिति न उभरे। संयुक्त राष्ट्र की संरचना में अमेरिका, फ्रांस, रूस तथा ब्रिटेन ने अहम भूमिका निभाई। वर्तमान में कुल 193 देश संयुक्त राष्ट्र के सदस्य हैं। द्वितीय विश्वयुद्ध के पश्चात इसकी जगह संयुक्त राष्ट्र संघ ने ले ली। डॉ. राव ने कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध के भीषण नरसंहार के बाद संयुक्त राष्ट्र ने मानव अधिकारों को बहुत आवश्यक समझा तथा 1948 की साधारण सभा में मानव अधिकारों की सर्वभौम घोषणा को स्वीकृत किया। संयुक्त राष्ट्र संघ इसी प्रकार के अनेक सृजनात्मक कार्यो में संलग्न है जिसमें महिला समानता, शांतिरक्षा, स्वास्थ्य, खाद्य कार्यक्रम औद्योगिक विकास, कृषि विकास जैसे महत्वपूर्ण अर्न्तराष्ट्रीय मुद्दे सम्मिलित है। इस अवसर पर "अर्न्तराष्ट्रीय शांति एवं भारत की भूमिका" पर निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयसेवकों ने सहभागिता किया।

मतदाता जागरूकता अभियान एवं जनजागरण रैली

26 अक्टूबर को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में मतदाता जागरूकता अभियान के अन्तर्गत महाविद्यालय के विद्यार्थियों तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों व सेविकाओं को मतदाता प्रपत्र उपलब्ध कराकर मतदाता बनाने का कार्य प्रारम्भ किया गया साथ ही उन्हें सम्बोधित करते हुए प्रभारी डॉ. यशवन्त कुमार राव ने कहा कि मतदान किसी भी देश की राजनीतिक व्यवस्था की रीढ़ होती है। प्रतिनिधियात्मक शासन में मतदाताओं की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। प्रतिनिधियों के चरित्र एवं कार्यप्रणाली को देखते हुए मतदाता अपने प्रतिनिधियों का चुनाव करते है, अपनी समस्याओं को प्रतिनिधियों के माध्यम से सरकार तक पहुँचाते है। मतदाता जागरूक हो तथा धन, राजनीतिक दबाव, जाति से बिना प्रभावित हुए मतदान करें और निर्वाचन में बढ़–चढकर अपनी सहभागीता सुनिश्चित करे तो लोकतन्त्र का मार्ग प्रशस्त होगा। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने कहा कि मतदान आज के लोकतन्त्र का आधार है। मतदाताओं को ईमानदारी से राष्ट्र के विकास तथा मानव जाति के विकास के लिए बिना किसी पक्षपात के अपने मत का प्रयोग करना चाहिए। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी स्वयंसेवकों व सेविकाओं सहित डॉ. कृष्ण कुमार, डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ. राजेश शुक्ला, डॉ. सुभाष गुप्ता, डॉ. रमाकान्त दूबे, श्रीमती कविता मंध्यान, श्रीमती शिप्रा सिंह आदि शिक्षक उपस्थित रहे।

तकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपु

सरदार वल्लभ भाई पटेल एवं श्रीमती इंदिरा गांधी जयंती समारोह

31 अक्टूबर को महाराणा प्रताप पी0 जी0 कालेज, जंगल धूसड़ में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आयोजित आचार्य नरेन्द्र देव एवं सरदार बल्लभ भाई पटेल की जयन्ती पर आयोजित कार्यक्रम में व्याख्यान देते हुए **प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव** ने कहा कि दोनों ही महापुरुषों का जीवन हमारे लिए अनुकरणीय है। सरदार पटेल भारत के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे। भारत की आजादी के पश्चात वे भारत के गृहमंत्री तथा उपप्रधानमंत्री बने। उन्होने बारदोली सत्याग्रह का कुशल नेतृत्व किया। यहीं पर उन्हे सरदार की उपाधि प्राप्त हुयी। आजादी के बाद विभिन्न रियासतों में बिखरें भारत के भू–राजनीतिक एकीकरण में उन्होने केन्द्रीय भूमिका निभाई। गृह मंत्री के रूप में उनकी यह पहली प्राथमिका थी कि देशी रियासतों को भारत में मिलाया जाय। इसको उन्होने बिना रक्तपात के सम्पादित कर दिखाया और जब सैन्य शक्ति की आवश्यकता पड़ी तब आपरेशन पोलो के लिए इसका प्रयोग किया और विजय प्राप्त की। अगर पंडित नेहरू ने काश्मीर समस्या को अन्तर्राष्ट्रीय समस्या बताकर अपने पास न रखा होता तो इसकी भी सामाधान उसी वक्त हो गया होता। उनकी दूरदर्शिता का लाभ यदि उस वक्त लिया गया होता तो अनेक वर्तमान समस्याओं का जन्म ही नहीं हुआ होता। यदि पटेल के कहने पर चलते तो चीन, तिब्बत, नेपाल आदि के हालात आज जैसे न होते। उनमें कौटिल्य की कूटनीतिज्ञता तथा महाराज शिवाजी की दूरर्शिता एक साथ थी। उन्हे भारत का विस्मार्क और लौह पुरुष भी कहा जाता है। वे केवल सरदार ही नही समस्त भारतीयों के हृदय के सरदार थे। प्राचार्य डॉ. राव ने कहा कि श्रीमती इन्दिरा गांधी तीन बार भारत की प्रधानमंत्री रहीं वे प्रथम महिला प्रधानमंत्री थीं। भारतीय परमाणु कार्यक्रम के माध्यम से उन्होने भारतीय सैन्य शक्ति को सम्पन्न किया एवं हरित क्रांति भारतीय किसानों के उत्पादन बढ़ाने में सहायक सिद्ध हुआ। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई के स्वयंसेवकों सहित डॉ. विजय कुमार चौधरी, डॉ. सुभाष कुमार गुप्ता, श्रीमती कविता मंध्यान, श्री नन्दन शर्मा सहित शिक्षक उपस्थित रहे।

साप्ताहिक योगाभ्यास

03 नवम्बर को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में साप्ताहिक योगाभ्यास कार्यक्रम के अन्तर्गत प्राचार्य डॉ0 प्रदीप कुमार राव ने प्राणायाम एवं आसन के विविध पद्धतियों का अभ्यास कराते हुए योग के युगान्तकारी महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों सहित और महाविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थियों ने योगाभ्यास किया।

साप्ताहिक योगाभ्यास

24 नवम्बर को राष्ट्रीय सेवा योजान के तत्वावधान में वाणिज्य विभाग के प्रभारी डॉ. राजेश कुमार शुक्ला ने साप्ताहिक योगाभ्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को कपालभाति, अनुलोम–विलोम, भ्रमरी, मण्डुकासन, भुजंगासन आदि का अभ्यास कराया।

राष्ट्रीय संविधान दिवस कार्यक्रम

26 नवम्बर को महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं राजनीतिशास्त्र विभाग के तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय संविधान दिवस के अवसर पर व्याख्यान देते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. यशवन्त राव ने कहा कि आज ही के दिन 26 नवम्बर 1949 को 2 वर्ष 11 माह 18 दिन में संविधान बन कर तैयार हुआ था। संविधान के निर्माण में उन लोगों की महत्वपूर्ण भूमिका थी जो भारत के स्वतंत्रता संग्राम से तपकर आये थे। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, डॉ. भीम राव अम्बेडकर, ए. के. अय्यर, के. टी. शाह तथा जवाहर लाल नेहरू आदि प्रमुख लोग थे। भारतीय संविधान द्वारा भारत में लोकतांत्रिक मूल्यों, सामाजिक न्याय तथा समता की पुर्नस्थापना किया गया। भारतीय संविधान को 22 भाग, 395 अनुच्छेद एवं 12 अनूसूची के साथ विश्व के सबसे विस्तृत संविधान होने का गौरव हासिल है। भारतीय संविधान में अबतक कुल 101 संशोधन किये जा चुके हैं। डॉ. यशवन्त राव ने कहा कि भारत में नये गणराज्य के संविधान का शुभारम्भ 26 जनवरी 1950 को हुआ और भारत अपने लम्बे इतिहास सम्भवतः प्रथम बार एक आधुनिक संस्थागत ढांचे के साथ पूर्ण संसदीय लोकतंत्र बना।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई के स्वयंसेवकों सहित डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ. विजय कुमार चौधरी डॉ. शिव कुमार बर्नवाल, श्री ब्रजभूषण लाल, श्री हरविन्द कुमार श्रीवास्तवा, डॉ. शिप्रा सिंह, श्रीमती अनुभा श्रीवास्तव, डॉ. सौरभ सिंह, श्री सुबोध मिश्र, डॉ. प्रज्ञेश मिश्र, डॉ. प्रदीप वर्मा, सुश्री प्रियंका मिश्रा, डॉ. सुभाष गुप्ता, श्री नन्दन शर्मा तथा डॉ. अविनाश प्रताप सिंह शिक्षक उपस्थित रहे।

योग संगम में महाविद्यालय

योग व्यक्ति के जीवन का अनमोल हिस्सा है। योग द्वारा न केवल शरीर वरन् मस्तिष्क भी स्वस्थ रहता है। राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रमुख कार्यक्रमों में योग पर विशेष फोक्स रहता है। उसी क्रम में 30 नवम्बर को विश्वविद्यालय परिसर में 'योग संगम नाम से व्यापक स्तर पर योग के आध्यात्मिक एवं सैद्धान्तिक पक्ष पर योग के विषय में प्रतिष्ठित व्याख्याताओं का उद्‌बोधन का कार्यक्रम एवं योग के व्यावहारिक पक्ष पर योग की विभिन्न क्रियाओं का अभ्यास कराया गया। योग संगम के इस महत्वकांक्षी कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री महंत योगी आदित्यनाथ जी महाराज तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के चेयर मैन डॉ. डी. पी. योगाभ्यासी वालेन्टियर्स को सम्बोधित किया। योग संगम का यह कार्यक्रम अपने आप में अभी तक के राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम में सबसे वृहद था। इस कार्यक्रम में महाराणा प्रताप पी. जी. कॉलेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना के गुरु श्रीगोरक्षनाथ इकाई एवं हिन्दूआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई के स्वयं सेवक एवं स्वयं सेविकाओं ने तथा विश्वविद्यालय सहित सभी सम्बद्ध महाविद्यालयों,इण्टरमिडिएट कालेजों के लगभग 25000 वालेन्टियर्स ने सहभागिता किया। वास्तव में गोरखपुर में इस प्रकार का योग पर यह कार्यक्रम अब तक व्यापक उद्‌देश्य से आयोजित किया गया सबसे बड़ा कार्यक्रम था। एक साथ 25000 वालेन्टियर्स और सैकड़ो कार्यक्रम अधिकारी, प्राचार्यों तथा शिक्षकों के बीच योग की प्रतिष्ठा अत्यन्त महत्वपूर्ण है।

विश्व एड्स दिवस

01 दिसम्बर को महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में **विश्व एड्स दिवस पर जागरूकता रैली एवं विचार गोष्ठी** का आयोजन किया गया। जागरूकता रैली आदर्श ग्राम मझरिया जंगल धूसड़ होते हुए छोटी रेतवहिया तथा भट्ठा चौरहा होते हुए पुनः महाविद्यालय पहुँची । इस अवसर पर आयोजित विचार गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए वाणिज्य संकाय प्रभारी डॉ0 राजेश शुक्ल ने कहा कि एड्स दिवस का मकसद लोगो को इस घातक बीमारी से जुड़े लक्षणों तथा हानियों के प्रति जागरूक करना है। हर वर्ष इस दिन को एक थीम दी जाती है इस वर्ष की थीम **"नो योर स्टेट्स"** है। इस वर्ष का लक्ष्य दुनिया भर के लोगों को एच.आई. वी. टेस्ट कराने के लिए प्रोत्साहित करना है। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च का कहना है कि इस दिशा में भारत ने काफी प्रगति की है। परन्तु अभी भी इस पर रोक लगा पाना मुश्किल हो रहा है। राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डॉ0 यशवन्त कुमार राव ने एच.आई.वी. पाज़िटिव के विभिन्न लक्षणों को बताते हुए स्वयं सेवकों का आह्वान किया कि प्रत्येक स्वयं सेवक अपने गाँवों में इससे बचाव के उपायों तथा जानकारियों को बताएं तभी मनुष्य को इस बीमारी से सुरक्षा की जा सकती है। एक अन्य कार्यक्रम में आयोजित साप्ताहिक योगाभ्यास में वाणिज्य विभाग के प्रभारी डॉ0 राजेश शुक्ल ने योग का अभ्यास कराया। उन्होंने सूक्ष्म व्यायाम, मण्डूकासन, अर्धचन्द्रासन, अर्धतड़ासन, शशांकासन, भुजंगासन, योगमुद्रासन बज्रासन, पद्मासन आदि का अभ्यास कराया। इस अवसर पर हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई के सभी स्वयंसेवक उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में डॉ0 महेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ0 कृष्ण कुमार, डॉ0 प्रवीन्द्र कुमार शाही, श्रीमती कविता मान्ध्यान, श्रीमती आरती सिंह आदि महाविद्यालय के शिक्षक भी उपस्थित रहे।

जनजागरण रैली

4 दिसम्बर बीसवीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध में ही सामाजिक पुनर्जागरण, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और पूर्वी उत्तर प्रदेश में शैक्षिक क्रान्ति का सूत्रपात ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने किया। महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज ने महन्त दिग्विजयनाथ जी के सपनों को पूरा किया। वर्तमान पीठाधीश्वर एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज श्री गोरक्षपीठ के यशस्वी परम्परा के विकास के साथ–साथ सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में एक नयी कार्य संस्कृति के देवदूत बनकर उभरे हैं। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् उसी क्रान्ति की एक कड़ी है। गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर की स्थापना की सूत्रधार रही शिक्षा परिषद का संस्थापक समारोह उस वट वृक्ष की गरिमा को ही प्रतिष्ठित करता है। श्री गोरक्षपीठ द्वारा भावी पीढ़ी के निर्माण के प्रति सजगता राष्ट्रीय पुनर्निर्माण की दिशा में अत्यन्त ही प्रभावी प्रयास है। श्रीगोरक्षपीठ एक ऐसी धार्मिक पीठ है जिसने देश की आजादी की लड़ाई से लेकर आधुनिक भारत के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। देश के मान सम्मान की वृद्धि के लम्बे इतिहास में इस पीठ की ऐतिहासिक भूमिका रही है देश जब आजादी की लड़ाई लड़ रहा था आजादी के बाद आने वाली चुनौतियों को इस पीठ के युगद्रष्टा पीठाधीश्वरों ने देखा, समझा और उसको स्वीकार किया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय योगी आदित्यनाथ जी उसी पीठाधीश्वरों की यशस्वी पीढ़ी के नायक है। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना शिक्षा, सेवा एवं

सामाजिक परिवर्तन में संत परम्परा को प्रतिबिम्बित करने के लिए किया गया था। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की नये भारत गढ़ने वाली एवं समृद्ध और समर्थ राष्ट्र के लिए समर्पित युवा पीढ़ी का शारीरिक एवं मानसिक दृष्टि से उत्कृष्टता के साथ ही साथ आत्मानुशासन का अभिनव प्रयोग शोभा यात्रा के माध्यम से दृष्टिगत होता है। गोरक्षपीठ ने शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में सेवा और साधना का जो प्रतिमान खड़ा किया है, वह अद्वितीय है, अद्भुत है। पूर्वी उत्तर प्रदेश के युवाओं में अपार क्षमता है। आप प्रयत्न कर बड़ा से बड़ा मुकाम हासिल करें। उक्त बातें महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के संस्थापक–सप्ताह समारोह के उद्घाटन अवसर पर आयोजित शोभायात्रा का शुभारम्भ करते हुए **डॉ. रमन सिंह माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़ ने बतौर मुख्य अतिथि कही।** उन्होने आगे कहा कि महाराणा प्रताप इण्टर कालेज के प्रांगण में शिक्षा परिषद् की साढ़े तीन दर्जन से अधिक शिक्षण, प्रशिक्षण एवं चिकित्सा संस्थाओं, उपस्थित हजारों छात्र–छात्राओं, शिक्षकों, महानगर के प्रबुद्ध जनों को सम्बोधित करते हुए कहा कि शिक्षा किसी भी राष्ट्र एवं समाज की धुरी है। भावी पीढ़ी का शिक्षा व्यवस्था जैसा निर्माण करेगी वैसा ही देश का भविष्य बनेगा। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना के साथ राष्ट्रीय एकता और अखण्डता की रक्षा का संकल्प लेकर, मातृभूमि के समर्पण और त्याग, माता पिता तथा के गुरु के प्रति श्रद्धावनत् रहने का जो पाठ इन शिक्षण संस्थाओं द्वारा पढ़ाया जा रहा है वह राष्ट्र सेवा का एक अभिनव प्रयास है। विशिष्ट अतिथि **उत्तर प्रदेश के खेलमंत्री श्री चेतन चौहान ने** कहा कि भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के सपनो के भारत में उत्तर प्रदेश एक बड़ी चुनौती है इस चुनौती को महन्त योगी आदित्यनाथ जी ने स्वीकारा है। उत्तर प्रदेश को योगीराज के अल्प समय में ही गुण्डा राज्य से मुक्ति, भ्रष्टाचार से मुक्ति मिली है और यहा सुशासन स्थापित हुआ है। प्रधानमंत्री जी के कौशल विकास के अनुसार युवाओं में हुनर विकसित करने का कार्य शिक्षा के माध्यम से ही होगा। किसानों के प्रति योगी सरकार की संवेदना को देश ने स्वीकार किया है। धान की खरीद योगी सरकार की प्रमुख देन है। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् इस दिशा में भी सक्रिय है। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् का यह भव्य आयोजन इस बात का साक्षी है

जन जागरण रैली

12 दिसम्बर, को राष्ट्रीय सेवा के तत्वावधान में इन्सेफलाइटिस उन्मूलन अभियान के अन्तर्गत गुरु श्री गोरक्षनाथ एवं हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाइयों के स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं ने अभिगृहित गांव मंझरिया में रैली एवं परिचर्चा के माध्यम से इन्सेफलाइटिस से बचाव हेतु गांव वालो को जागरूक किया। विशेष रूप से महिलओं एवं बच्चों को स्वच्छता एवं खान–पान के द्वारा इस महामारी से कैसे बचा जा सकता है इसकी जानकारी दी।

साप्ताहिक योगाभ्यास

15 दिसम्बर को राष्ट्रीय सेवा के तत्वावधान में वाणिज्य विभाग के प्रभारी डॉ. राजेश कुमार शुक्ला ने साप्ताहिक योगाभ्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम में महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को योगाभ्यास का अभ्यास कराया।

प्रथम एकदिवसीय शिविर

16 दिसम्बर को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में प्रथम एक दिवसीय शिविर का आयोजन ग्रामसभा–मंझरिया, जंगल धूसड़ में आयोजित किया गया जिसमें हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई के स्वयंसेवकों ने गाँव में स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया तथा ग्रामवासियों को स्वच्छता से होने वाले लाभ के बारे में बताया। स्वयंसेवकों ने गाँव की सड़कों, नालियों, गलियों आदि की साफ–सफाई भी की। संक्रामक बीमारियों से बचने के उपाय जैसे पानी उबाल कर पीने, मच्छरदानी का प्रयोग, भोजन से पहले तथा शौच के बाद हाथ साबुन से धोने के लिए प्रेरित किया।

ग्रामसभा–मंझरिया में स्वच्छता जागरूकता रैली एवं स्वच्छता अभियान चलाते हुए स्वयंसेवक

राष्ट्रीय सेवा योजना
स्वच्छ गोरखपुर
सुन्दर गोरखपुर

राष्ट्रीय सेवा योजना
स्वच्छ गोरखपुर
स्वस्थ गोरखपुर

राष्ट्रीय सेवा योजना
स्वच्छ गोरखपुर
स्वस्थ गोरखपुर

साप्ताहिक योगाभ्यास

22 दिसम्बर को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में रसायन विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर श्री प्रदीप कुमार वर्मा ने साप्ताहिक योगाभ्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को सूर्य नमस्कार का प्रशिक्षण कराया।

भारत रत्न श्री अटल बिहारी बाजपेयी जयंती (पूर्व दिवस) : भाषण प्रतियोगिता

24 दिसम्बर को महाराणा प्रताप पी0 जी0 कालेज, जंगल धूसड़ में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में कवि हृदय भारत रत्न श्री अटल बाजपेयी की 95वीं जयन्ती की पूर्व संध्या पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर रहे बी.ए. भाग एक के स्वयंसेवक सत्य प्रकाश तिवारी ने कहा कि श्रद्धेय श्री अटल बिहारी बाजपेयी मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिले के एक शिक्षक परिवार में पैदा हुए तथा मोरारजी देसाई की सरकार में विदेश मंत्री रहे। श्री बाजपेयी जी ने कांग्रेस पार्टी की तानाशाही नीतियों के विरूद्ध भारतीय जनता पार्टी को स्थापित करने में अग्रणी भूमिका निभाई। प्रधानमंत्री रहते हुए अन्तर्राष्ट्रीय दबाव को दरकिनार करके पोखरण परमाणु परीक्षण कराया। पहली बार केन्द्र में 40 दलों को मिलाकर संविद सरकार का सफल नेतृत्व किया। यह उनके उदारवादी व्यक्तित्व का ही एकरूप था। द्वितीय स्थान पर रहे स्वयंसेवक राहुल गिरि ने बाजपेयी जी की कविताओं को सुनाकर उनके कृतित्व पर प्रकाश डाला। तृतीय स्थान पर रहकर स्वयं सेवक विजय कुमार ने अटल जी के राजनीतिक कार्यों की सराहना की एवं उनके संसद में उद्‌बोधन पर विस्तृत प्रकाश डाला। इस आयोजन में राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाऐं उपस्थित रहीं।

इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी श्री बृज भूषण लाल ने सभी का आभार प्रकट किया। इस कार्यक्रम में श्री हरविन्द कुमार श्रीवास्तव, डॉ0 यशवंत कुमार राव, डॉ0 महेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ0 आरती सिंह, श्रीमती कविता मन्ध्यान्ह, डॉ0 कृष्ण कुमार, डॉ0 अजय कुमार निषाद, श्रीमती शिप्रा सिंह आदि शिक्षक उपस्थित रहे।

वाद–विवाद प्रतियोगिता

26 दिसम्बर को महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में **"राष्ट्रधर्म से बड़ा कोई धर्म नहीं"** विषय पर वाद–प्रतिवाद प्रतियोगिता आयोजित की गयी जिसमें 60 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। पक्ष में प्रथम स्थान पर रहे सत्यप्रकाश तिवारी ने कहा कि 'राष्ट्रवाद से बड़ा कोई धर्म नहीं क्योंकि राष्ट्रवाद ही हमारी प्रथम प्राथमिकता है।' प्रतिपक्ष में प्रथम स्थान रहे अंकित कुमार पाण्डेय ने कहा कि 'अटल जी ने कहीं भी हिन्दू राष्ट्र की बात नहीं की।' पक्ष में द्वितीय स्थान पर रहे राहुल गिरी ने कहा कि 'हिन्दू राष्ट्र ही है सबसे बड़ा राष्ट्रवाद।' पक्ष में तृतीय स्थान पर अलोक कुमार तिवारी, प्रतिपक्ष में हिमानी मिश्रा ने द्वितीय एवं विशाल कुमार दूबे ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के दोनों इकाईयों के सभी स्वयं सेवक एवं सेविकाएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. वेंकट रमन पाण्डेय ने कहा कि 'किसी भी राष्ट्र के विकास के लिए साम्प्रदायिक सद्भाव बहुत आवश्यक है। सामाजिक समरसता हेतु हम सब की सामूहिक भागीदारी सुनिश्चित होनी चाहिए।' कार्यक्रम के संयोजक तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी श्री बृज भूषण लाल ने मुख्य अतिथि को आभार ज्ञापित किया। इस अवसर पर डॉ. यशवन्त कुमार रॉव, श्री हरविन्द कुमार श्रीवास्तव, डॉ. आरती सिंह, डॉ. कृष्ण कुमार, डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय, श्री सुबोध कुमार मिश्र, डॉ. पी.के. शाही, डॉ. अजय कुमार निषाद, श्रीमती शिप्रा सिंह, डॉ. अनुभा सिंह सहित सभी छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

एक दिवसीय योग कार्यशाला

29 दिसम्बर को राष्ट्रीय सेवा योजना एवं बी0एड्0 विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित **एक दिवसीय योग कार्यशाला** के अवसर पर बोलते हुए भारतीय रेलवे में योग **प्रशिक्षक डॉ. जयंतनाथ** ने कहा कि यदि हमें आज के इस युग में स्वस्थ रहना है तो हमें अपनी दिनचर्या में योग जरूरी करना होगा तब जाकर हम स्वस्थ रह पायेंगे। योग बेहद सूक्ष्म विज्ञान पर आधारित एक आध्यात्मिक अनुशासन है, जो मन और शरीर के बीच केन्द्रित है। यह एक स्वस्थ जीवन शैली और कला है। जीवन की सफलता, किसी भी क्षेत्र में संयत मन पर भी निर्भर करती है। योग का महत्त्व इसलिए भी बढ़ गया है कि मनुष्य जाति को अब और आगे प्रगति करना है तो योग सीखना ही होगा। दरअसल योग भविष्य का धर्म और विज्ञान है। डॉ. जयंतनाथ ने प्रशिक्षुओं को योग के बड़े सरल तरीके बताये। इस अवसर पर बी.एड्. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि जिस तरह शिक्षा के बिना जीवन अधूरा है ठीक उसी तरह योग के बिना अच्छे स्वास्थ्य की कल्पना भी बेकाट है। विद्यार्थियों के लिए योग बहुत ही लाभदायक माना गया है। इससे मन मस्तिष्क में स्थिरता आती है और पढ़ाई में ध्यान केंद्रित करने में भी सहायता मिलती है।

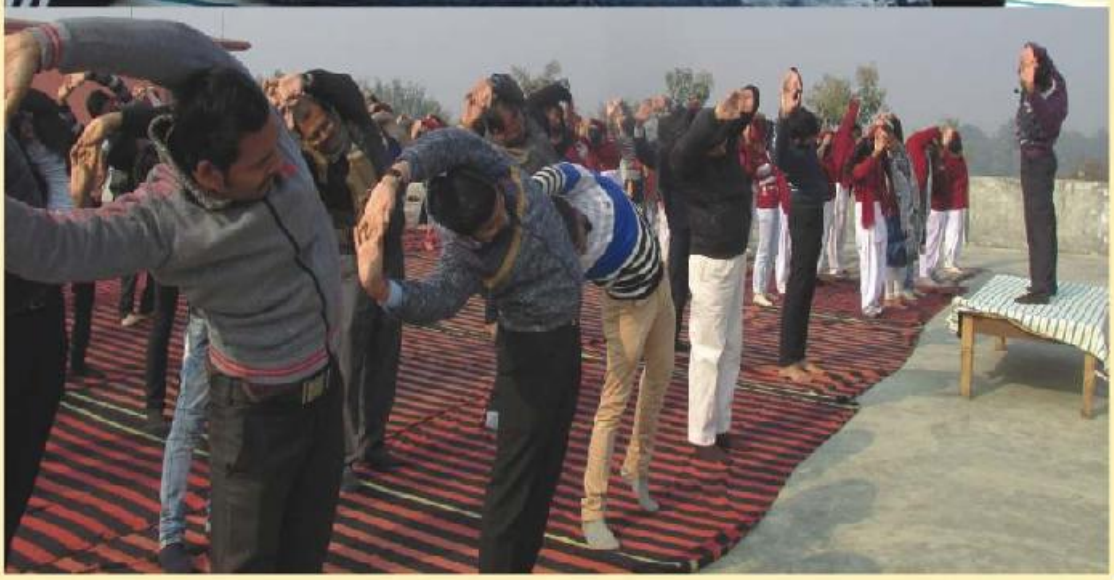

साप्ताहिक योगाभ्यास

05 जनवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में वाणिज्य विभाग के प्रभारी डॉ. राजेश कुमार शुक्ला ने साप्ताहिक योगाभ्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को योगाभ्यास कराया।

कम्बल वितरण कार्यक्रम

11 जनवरी को महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज, धूसड़, गोरखपुर में स्वामी विवेकानन्द जयन्ती की पूर्व संध्या पर राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में 'कम्बल वितरण' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजिका श्रीमती शिप्रा सिंह ने कहा कि स्वामी विवेकानन्द का सम्पूर्ण दर्शन मानवता और समाज सेवा को प्रेरित करने वाला है। उनका यह उद्घोष कि जब तक लाखों लोग भूखे और अज्ञानी है, तब तक मै उस प्रत्येक व्यक्ति को कृतघ्न समझता हूँ, जो उनके बल पर शिक्षित तो बना परन्तु आज उसकी ओर ध्यान नहीं देता। वास्तव में सबसे बड़ी सेवा और सबसे बड़ा धर्म गरीब और संसाधनविहीन लोगों का सहयोग करना होता है। ऐसे सेवा के कार्य से व्यक्ति दूसरे का सहयोग नहीं बल्कि स्वयं को परिष्कृत करता है।

इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा अभिगृहित गॉव मंझरिया के बुजुर्ग महिलाओं और पुरुषों को कम्बल वितरण किया गया। कार्यक्रम में श्रीमती कविता मन्ध्यान डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र, डॉ. अभिषेक सिंह, डॉ. वेंकट रमन पाण्डेय, श्री विनय कुमार सिंह, श्री राहुल गिरि, श्री विषाल दूबे, श्री विवेक विश्वकर्मा सहित छात्र–छात्राएं उपस्थित रहें।

राष्ट्रीय सेवा योजना

राष्ट्रीय सेवा यो ना

भारत–भारती पखवारा : उद्घाटन कार्यक्रम
स्वामी विवेकानन्द जयन्ती समारोह

12 से 26 जनवरी तके महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर में आयोजित **भारत–भारती पखवारा का उद्घाटन विवेकानन्द जयन्ती समारोह** से हुआ। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए **दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के** भौतिकी विभाग के आचार्य प्रोफेसर रविशंकर सिंह ने कहा कि धर्म भारत की आत्मा है। वेदान्त भारत का जीवन दर्शन है। भारतीय धर्म दर्शन की ताकत से विश्व को स्वामी विवेकानन्द ने परिचित कराया। स्वामी विवेकानन्द के दर्शन में भारत की वर्तमान चुनौतियों का समाधान है। स्वामी विवेकानन्दउ ने छुआ–छूत जैसे सामाजिक अभिशाप को भारत के पिछड़ापन का कारण मानते हुए कहा था कि बिखरी हुई शक्ति और बिखरे हुए समाज को संगठित करके भारत पुनः विश्व गुरु बन सकता है। धार्मिक पाखण्ड और कुरितियों से हिन्दु धर्म को बचाकर मानव कल्याण का सशक्त माध्यम बनाने का उद्घोष स्वामी विवेकानन्द का परम उद्देश्य रहा है। उन्होने आगे कहा कि भौतिकतावाद की अंधी दौड़ में दौड़ रहे समग्र जगत को सेवा, सम्मान, धर्म एवं स्वाभिमान जैसे गुणों को धारण करने का स्वामी विवेकानन्द नें उपदेश दिया था। वस्तुतः स्वामी विवेकानन्द एक ऐसे अवतारी पुरुष थे, जो हिन्दुत्व के प्रखर प्रहरी थे। आज के इस दौर में जबकि समाज बाजारवादी एवं भौतिकतावादी जीवन पद्धति से

ग्रस्त होकर मनुष्य को स्वार्थी एवं आत्मकेन्द्रित बनाता जा रहा है, ऐसे में मानव जगत को सही पथ–प्रदर्शित करने के लिए स्वामी जी के दर्शन एवं विचार स्वतः ही प्रासंगिक हो जाते हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे **महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप राव** ने कहा कि स्वामी विवेकानन्द की स्मृति मात्र से युवाओं में स्वस्फूर्त चेतना उत्पन्न हो जाती है। स्वामी जी मानवीय मूल्यों की प्रतिमूर्ति थे। मानव सेवा को सबसे बड़ा पुण्य कार्य मानते थे। आज के दौर में यदि हमें मानवीय मूल्यों का प्रस्फुटन अपनी अगली पीढ़ी में करना है तो उसके लिए हमें स्वामी विवेकानन्द जी के दर्शन एवं उनके विचारों को अपनाना होगा। स्वामी विवेकानन्द जी का कहना था कि धर्म मूलतः मनुष्य को मनुष्य से जोड़ने वाला एक माध्यम है। धर्म हमें प्राणि मात्र से प्रेम करना सिखाता है। धर्म का एकमात्र लक्ष्य मानवता को अंधकार रूपी दलदल से निकाल कर ज्ञान रूपी प्रकाश की ओर ले जाना है। स्वामी जी जन्म से नहीं अपने कर्म से तत्वपुरुष और महान योगी बने थे। उन्होंने मानव जाति की सेवा करना ही आजन्म अपना कर्तव्य समझा। स्वामी जी का समग्र दर्शन समाजोत्थान पर आधारित था। उन्होंने मोक्ष से ज्यादा सामाजिक कल्याण पर बल दिया था। कार्यक्रम का संचालन प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग के **प्रवक्ता श्री सुबोध कुमार मिश्र** ने तथा आभार ज्ञापन भूगोल विभाग के **प्रभारी डॉ. विजय कुमार चौधरी** ने किया।

इस अवसर पर डॉ. आर.एन. सिंह, डॉ. शिवकुमार बर्नवाल, डॉ. नन्दन शर्मा, डॉ. आरती सिंह, डॉ. मनीता सिंह, डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ. शिप्रा सिंह, डॉ. अभिषेक सिंह, डॉ. विनय कुमार सिंह, डॉ. प्रज्ञेश मिश्रा, डॉ. विरेन्द्र तिवारी, डॉ.राम सहाय, सुश्री प्रियंका मिश्रा, श्री श्रीकान्त मणि त्रिपाठी, श्री प्रतीक दास, सुश्री नुपूर शर्मा, सुश्री श्वेता चौबे, श्रीमती विभा सिंह, सुश्री रचना सिंह, सुश्री दीप्ती गुप्ता, श्रीमती पुष्पा निशाद सहित सभी शिक्षक एवं बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

निबन्ध प्रतियोगिता

17 जनवरी को महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में भारत भारती पखवारा के अन्तर्गत 'वन डिस्ट्रिक वन प्रोडक्ट' विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन बी0एड0 विभाग प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह के संयाजन में किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल 58 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयंसेविका प्रियंका मणि त्रिपाठी को प्रथम, स्वयं सेवक कृष्ण कुमार सिंह को द्वितीय तथा अंकित कुमार पाण्डेय व हिमानी मिश्रा को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

निर्णायक मण्डल में राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी श्री बृज भूषण लाल, कार्यक्रम अधिकारी श्री हरविन्द कुमार श्रीवास्तव, वाणिज्य विभाग प्रभारी डॉ0 राजेश शुक्ला, मनोविज्ञान विभाग प्रवक्ता डॉ0 वेंकट रमण पाण्डेय, बी0एड0 प्रवक्ता सुश्री दीप्ती गुप्ता, श्रीमती पुष्पा निषाद थीं।

गायन प्रतियोगिता

18 जनवरी, 2019 को महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में भारत भारती पखवारा के अन्तर्गत सांस्कृतिक विभाग द्वारा गायन प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता की संयोजिका सुश्री दीप्ती गुप्ता ने कहा कि संगीत हजारों सालों से हमारे जीवन का हिस्सा रहा है। संगीत एक थैरेपी की तरह है, जिसका उपयोग अनेक बिमारियों के इलाज के रुप में किया जा रहा है। गायन प्रतियोगिता में सभी प्रतिभागियों ने अपने प्रतिभा का परिचय दिया जिसमें बी.ए. प्रथम वर्ष के सर्वेश्वर कांत चन्द ने प्रथम, बी.एड. प्रथम वर्ष की वर्षा जायसवाल तथा बी.एड. द्वितीय वर्ष की ज्योति सिंह राजपूत ने संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान प्राप्त किया जबकि बी.ए. प्रथम वर्ष के बलिराम रौनियार व विराट कन्नौजिया ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाईयों गुरू श्री गोरक्षनाथ व हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप के स्वयंसेवक व स्वयंसेविकाऐं सहित सुश्री श्वेता चौबे, डॉ. सौरभ कुमार सिंह, श्रीमती शिप्रा सिंह, श्रीमती विभा सिंह, श्रीमती पुष्पा निषाद, सुश्री रचना सिंह, सुश्री ललिता, सुश्री अम्बिका, सुश्री वन्दना, सुश्री आराधना, सुश्री मनीषा, सुश्री माधुरी सहित शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप पुण्यतिथि समारोह

19 जनवरी को महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में भारत–भारती पखवारा के अन्तर्गत हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप पुण्यतिथि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना के राष्ट्रीय संगठन सचिव और प्रतिष्ठित इतिहासविद् डॉ0 बालमुकुन्द पाण्डेय ने कहा कि महाराणा प्रताप यश शौर्य और राष्ट्र स्वाभिमान के दैदीप्यमान नक्षत्र हैं। उनका सम्पूर्ण जीवन इतिहास उस अक्षयवट के समान है जो युवाओ को निरंतर प्रेरित करता रहेगा। भारतीय चेतना एवं अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए जीवन भर वन–वन भटकने का मार्ग महाराणा प्रातप ने वैसे ही चुना जैसे श्रीराम ने राष्ट्र रक्षा में अताताईयों का बध करने के लिए चौदह वर्ष का वनवास चुना था। लेकिन साम्राज्यवादी एवं साम्यवादी मानसिकता के कारण भारतीय इतिहास में उन्हे वह स्थान नही मिला जो मिलना चाहिए। महाराणा प्रताप के जीवन की गौरव

गाथा को जानबुझकर नजर अन्दाज एवं विकृत कर दिया गया। महाराणा प्रताप भारतीय संस्कृति के प्रतीक है, राष्ट्रीय स्वाभिमान पर मर–मिटने वालो के प्रतिमान हैं। उन्होंने आगे कहा कि महाराणा प्रताप उस परम्परा के वाहक है जिस परम्परा में यह प्रतिष्ठित है कि जीवन मूल्य की स्वाधीन चेतना देकर की जाती है।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के राजनीतिशास्त्र के असिस्टेण्ट प्रोफेसर डॉ. अमित कुमार उपाध्याय ने कहा कि महाराणा प्रताप और उनका जीवन–दर्शन भारत की पहचान है। महाराणा प्रताप राष्ट्र–समाज के लिए त्याग–बलिदान के पर्याय है। महाराणा प्रताप का जीवन दर्शन भारतीय युवाओं में भारत की सुरक्षा और संरक्षा का संकल्प पैदा करने का माद्दा रखता है। स्वाभिमान, स्वावलम्बन, स्वधर्म के लिए सर्वस्व समर्पण का नाम है महाराणा प्रताप। भारत के नवजवानों में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम, श्रीकृष्ण से लेकर महाराणा प्रताप और शिवाजी के जीवन चरित्र को शिक्षा के पाठ्यक्रमों में स्थान देने की महती आवश्यक्ता है। जब भी राष्ट्र पर संकट होगा राष्ट्र खतरें में होगा, स्वधर्म एवं देश का स्वाभिमान खतरे में होगा उस समय महाराणा प्रताप का त्याग बलिदान अमरज्योति का कार्य करेगी। विशेष रूप से अंग्रेजी इतिहासकारों ने भारत के राष्ट्रीय स्वाभिमान के प्रतीकों, स्मृतियों एवं महापुरुषो के महत्व को कम करने के लिए अनेक

प्रकार के भ्रम फैलाये। कार्यक्रम में प्रस्ताविकी एवं स्वागत करते हुए डॉ0 प्रदीप कुमार राव ने कहा कि भारत–भारती पखवारा में स्वामी विवेकानन्द से लेकर महाराणा प्रताप, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस और गणतन्त्र दिवस तक की यात्रा पूरी करने वाला यह आयोजन भारत और भारतीयता को युवाओं के जीवन में लाने का प्रेरणास्पद प्रयत्न है ताकि यहाँ पढ़ने वाले छात्र–छात्रा अपने निजी जीवन के साथ–साथ देश और समाज के प्रति भी अपनी जिम्मेदारी का जवाबदेही के साथ दायित्व–निर्वहन कर सकें। आज भारत के नवयुवकों के सामने महाराणा प्रताप जैसे राष्ट्रनायक का जीवन पाठ्यक्रमों के माध्यम से प्रस्तुत न करने के कारण युवाओं में राष्ट्रभक्ति, स्वधर्म के प्रति आग्रह, देश समाज के लिए समर्पण के भाव का अभाव हुआ है। हमें प्रसन्नता है कि पूर्वी उत्तर प्रदेश में गोरक्षपीठ ने महराणा प्रताप जैसे राष्ट्रनायक के नाम पर शिक्षण संस्थाओं की स्थापना कर युवाओं में राष्ट्रीयता का भाव पैदा कर रहा है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. कृष्ण कुमार पाठक ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्जवलन, सरस्वती वन्दना एवं राष्ट्रगान के साथ तथा समापन वन्देमातरम् के साथ हुआ। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाई के स्वयंसेवक/सेविकाओं सहित डॉ0 आर0 एन0 सिंह, डॉ0 शिव कुमार बर्नवाल, डॉ. अविनाश प्रताप सिंह, डॉ0 सुभाष कुमार गुप्ता, सुश्री दीप्ति गुप्ता, श्री सुबोध कुमार मिश्र आदि शिक्षक उपस्थित रहें।

द्वितीय एकदिवसीय शिविर

20 जनवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में द्वितीय एक दिवसीय शिविर का आयोजन ग्रामसभा–मंझरिया, जंगल धूसड़ में आयोजित किया गया। जिसमें हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई के स्वयंसेवकों ने गाँव में स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया तथा ग्रामवासियों को स्वच्छता से होने वाले लाभ के बारे में बताया। स्वयंसेवकों ने गाँव की सड़कों, नालियों, गलियों आदि की साफ–सफाई भी की। संक्रामक बीमारियों से बचने के उपाय जैसे पानी उबाल कर पीने, मच्छरदानी का प्रयोग, भोजन से पहले तथा शौच के बाद हाथ साबुन से धोने के लिए प्रेरित किया।

स्वच्छ गोरखपुर
सुन्दर गोरखपुर
राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

स्वच्छ गोरखपुर
सुन्दर गोरखपुर

हम सबको रखना होगा ध्यान
सफाई से ही बचेगी
मासूमों की जान

राष्ट्रीय सेवा योजना
महाराणा प्रताप
महाविद्यालय
गोरखपुर

युवा काव्य पाठ

21 जनवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आयोजित भारत–भारती पखवारा के अन्तर्गत हिन्दी विभाग द्वारा युवा काव्यपाठ का आयोजन किया गया। आयोजन में उदीयमान छात्र कवियों द्वारा अपनी अद्वितीय प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए काव्य पाठ किया। 'मैं किसान हूँ जीवन दाता कहलाता हूँ अन्न उगाता हूँ', 'जरूरत है समाज को अब बदलने की', 'लक्ष्मी का रूप लेकर जन्म लेती हैं बेटियाँ', 'पाकिस्तान का चरित्र', 'पिता शक्ति और प्यार की अभिव्यक्ति है' आदि शीर्षक पर प्रस्तुत काव्य पाठ मानवता को उद्धवेलित करने वाले विषयों पर केन्द्रित रहा जिसमें किसान का जीवन दर्शन, स्त्री सशक्तिकरण, स्वच्छता अभियान, संघर्षरत बेटियाँ, देश प्रेम की भावना से ओत प्रोत रहा। प्रतियोगिता में स्वयंसेवक बी0ए0 प्रथम वर्ष के श्री प्रकाश पाण्डेय को प्रथम, स्वयं सेविका बी0ए0 प्रथम वर्ष की हिमानी मिश्रा एवं स्वयं सेवक आलोक कुमार तिवारी को संयुक्त रूप से द्वितीय तथा स्वयंसेविका बी0एस–सी0 प्रथम वर्ष की प्रिया दूबे ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में डॉ0 राजेश शुक्ल, डॉ0 आरती सिंह एवं श्रीमती विभा सिंह उपस्थित रहीं।

गोरखनाथ मंदिर में सेवा कार्य

22 जनवरी को श्री गोरक्षनाथ मंदिर में **'बुढ़वा मंगल'** के शुभ अवसर पर सुदूर गाँवों से आये हुए श्रद्वालुओं को निर्बाध रूप से महावतारी गुरु गोरक्षनाथ जी के दर्शन हेतु स्वयंसेवकों/सेविकाओं ने सहयोग किया। कड़ाके की ठण्ड के बावजूद प्रातः 07:00 बजे से सायं 03:00 बजे तक बुढ़वा मंगल के अवसर पर श्रद्वालुओं की सेवा में लगे रहे।

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती समारोह

23 जनवरी को भारत भारती परखावा के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आयोजित नेता जी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती पर दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के इतिहास विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो0 हिमांशु चतुर्वेदी ने अपने वक्तव्य में बताते हुए कहा कि सुभाष चन्द्र बोस का नाम भारतीय स्वतन्त्रता आन्दोलन के क्षितिज पर स्वर्णिम अक्षरों में अंकित है। वे भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अपना सर्वस्व न्यौछावर कर देने वाले रणबांकुरों के राजकुमार थे। वास्तव में बाबू सुभाष राष्ट्रनायक होने के साथ–साथ भारतीय जनमानस के जननायक भी थे। यद्यपि कि काँग्रेस की शीर्ष कामेटियों के साथ उनका वैचारिक विरोधाभास जग जाहिर है, तथापि काँग्रेस का शीर्ष नेतृत्व भी कहीं न कहीं बाबू सुभाष के व्यक्तित्व से दबता हुआ दिखाई देता है। नेता जी के राजनैतिक चिंतन पर चितरंजन दास, राष्ट्र दर्शन पर महर्षि अरविन्द तथा आध्यात्मिक चिंतन पर रामकृष्ण परमहंस एवं स्वामी विवेकानन्द का प्रभाव परिलक्षित होता है। ऐसे व्यक्तित्व के धनी होने के बावजूद स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात कमजोर राजनैतिक इच्छाशक्ति एवं कम्यूनिस्ट इतिहासकारों ने भारतीय इतिहास में उन्हें वह स्थान नहीं दिया जिसके कि वे वास्तविक अधिकारी थे।

प्रो0 चतुर्वेदी ने उपस्थित जनसमूह को सम्बोधित करते हुए कहा कि 1945–46 में भारत जब जबर्दस्त साम्प्रदायिकता के गिरफ्त में था, वामपंथ चरम पर था, जिन्ना–नेहरू मतभेद जग

जाहिर हो चुका था और देश विभाजन की लकीर खींची जा चुकी थी, ऐसे में यह सुभाष बाबू की व्यापक लोकप्रियता का ही प्रभाव था कि वैचारिक धरातल पर विरोध होने के बावजूद आजाद हिन्द फौज के गिरफ्तार सैनिकों के मुकदमों की पैरवी में नेहरू, जिन्ना सहित देश के समस्त प्रतिष्ठित अधिवक्ता एक साथ खड़े हुए दिखाई देते हैं। वर्धा सम्मेलन में स्वतंत्र भारत की तस्वीर कैसी होनी चाहिए? इस विषय पर जब महात्मा गांधी ने देश के कुछ प्रतिष्ठित और चुने हुए लोगों को बुलाया तो सुभाष बाबू के विचारों से सहमत न होने के बावजूद महात्मा गांधी को भी जन समुदाय के दबाव को ध्यान में रखकर उन्हें भी आमंत्रित करना पड़ा और सुभाष बाबू बैठक में उपस्थित भी हुए। बाबू सुभाष यदि चाहते तो आई0सी0एस0 की नौकरी, जिसमें कि उनका चयन हो चुका था, उसे स्वीकार करके वह ऐशो आराम की जिन्दगी जी सकते थे किन्तु उन्होंने माँ भारती के वैभव के लिए अपने समस्त व्यक्तिगत वैभवों का परित्याग कर दिया।

इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य ॉ0 प्रदीप कुमार राव ने कहा कि देश की युवा पीढ़ी को नेता जी के व्यक्तित्व को अपना आदर्श मान कर, उनसे प्रेरणा लेते हुए राष्ट्र निर्माण के कार्यों मे संलग्न हो। मुश्किल से मुश्किल चुनौतियों का सामना सफलता पूर्वक किस प्रकार से किया जा सकता है, यह हम नेता जी के जीवन चरित्र से सीख सकते है। भारत माता की स्वतंत्रता के लिए अपना सब कुछ अर्पित करते हुए उन्होंने बरतानी हुकुमत के समक्ष जो चुनौतियाँ खड़ी की और उन्हें भारत छोड़ने पर विवश किया, यह आज भी भारतीय इतिहास की स्वर्णिम घटना है। नेता जी तद्युगीन भारतीय युवाओं के आदर्श थे, आज के युवाओं के हैं और भविष्य के युवाओं के भी आदर्श बनें रहेंगे।

कार्यक्रम के दौरान प्रो0 हिमांशु चतुर्वेदी ने महाविद्यालय के पुस्तकालय को 80 महत्वपूर्ण पुस्तकें अनुदान में दी। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के प्राचीन इतिहास विभाग के प्रभारी सुबोध कुमार मिश्र ने किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई के स्वयंसेवकों सहित डॉ0 विजय कुमार चौधरी, डॉ0 आर0एन0सिंह, डॉ0 शिवकुमार बर्नवाल, डॉ0 अविनाश प्रताप सिंह, डॉ0 अभय कुमार श्रीवास्तव, श्रीमती कविता मन्ध यान, डॉ0 राजेश शुक्ला, श्रीमती शिप्रा सिंह, डॉ0 महेन्द्र प्रताप सिंह, सुश्री दीप्ती गुप्ता, डॉ0 प्रज्ञेश कुमार मिश्र, श्री मंजेश्वर, श्री विनय कुमार सिंह शिक्षक उपस्थित रहे।

गणतंत्र दिवस समारोह

महाराणा प्रताप पी0जी0 कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर में **सत्तरवें गणतन्त्र दिवस समारोह** के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने ध्वजारोहण सहित सांस्कृतिक कार्यक्रम में सहभागिता किया। इस अवसर पर प्राचार्य **डॉ. प्रदीप कुमार राव** ने ध्वजारोहण किया। समारोह में राष्ट्रगान एवं राष्ट्रगीत के पश्चात भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर व्याख्यान देते हुए प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि दुनिया को गणतन्त्रात्मक शासन व्यवस्था हमने सिखायी। आज से लगभग ढाई हजार वर्ष पूर्व महात्मा बुद्ध के समय में ही इस क्षेत्र में गणतन्त्रात्मक शासन व्यवस्था जन्म ले चुकी थी। लोकतंत्र भारतीय संस्कृति के रग–रग में है। हम भारतीयों के स्वभाव में है। वर्तमान युग हमारे अपने स्वत्त्व पहचानने का युग है। समय की मॉग है कि हम जाने कि हम कौन थे? कौन हैं? संस्कृतियों के आपसी द्वन्द के युग में हमें भारत को उबारना होगा, जगतगुरू बनने की दिशा में बढना होगा। गणतंत्र दिवस आगे बढने एवं ठहरकर विचार करने का भी समय है। युग प्रवाह में सभी बहते हैं युग प्रवाह रोककर अपनी धारा बहाने हेतु युवा तैयार हों। प्राचार्य डॉ. राव ने कहा कि 15 अगस्त 2018 में जो संकल्प तथा लक्ष्य तय किये गये थे आज 26 जनवरी 2019 तक हमने कितना प्राप्त किया है। हमें आत्मावलोकन की आवश्यकता है। महाविद्यालय के सत्र 2018–19 की समीक्षा करते हुए उसे और सुदृढ़ तथा बेहतर बनाने की अपील की। कार्यक्रम की शुरूवात बी.एस–सी. तृतीय वर्ष की छात्रा सुश्री आरती गौड़ द्वारा प्रस्तुत गणेश वन्दना से हुयी तत्पश्चात छात्रों ने विभिन्न नृत्य, गायन, नाटक, भाषण एवं कविता प्रस्तुत की। जिसमें मुख्य रूप से छात्रसंघ अध्यक्ष श्री मयंक तिवारी, छात्रसंघ उपाध्याय श्री विशाल कुमार, बी.ए. तृतीय वर्ष के श्री राहुल गिरी, महामन्त्री श्री दिव्यांशु रंजन, श्री अंकित कुमार पाण्डेय, छात्रसंघ प्रभारी श्री नन्दन शर्मा तथा कार्यालय प्रभारी श्री शम्भूप्रताप सिंह द्वारा दिया गया भाषण अत्यंत उत्साहवर्धक था। भाषण में गणतंत्र दिवस पर स्वतंत्रता सेनानियों तथा संविधान निर्माताओं को श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। कार्यक्रम में बी.ए.प्रथम वर्ष के श्री सर्वेश्वर कान्त चन्द्रा, बी. एस–सी. प्रथम वर्ष के श्री अक्षय कुमार, बी.ए. प्रथम वर्ष के श्री बलराम, एम.काम. प्रथम वर्ष के श्री प्रवीण, एम. ए. प्रथम

वर्ष की सुश्री अनीता निषाद ने एकल गीत प्रस्तुत किया तथा बी.एड. प्रथम वर्ष के सुश्री हिमानी, बी.काम. तृतीय वर्ष की सुश्री शालनी मिश्रा, बी. ए. तृतीय वर्ष के श्री दुर्गेश ने काव्य पाठ किया। छात्राओं द्वारा प्रस्तुत समूह नृत्य तथा बी. एड्. छात्रो द्वारा प्रस्तुत नाटक खूब सराहा गया। कार्यक्रम का समापन वन्देमातरम् के साथ समपन्न हुआ। कार्यक्रम में सुश्री दीप्ति गुप्ता, श्रीमती डॉ. प्रज्ञेश मिश्र, डॉ. अविनाश प्रताप सिंह, डॉ. यशवन्त राव, डॉ. राजेश शुक्ल सहित शिक्षक विद्यार्थी उपस्थित रहे।

तृतीय एकदिवसीय शिविर

05 फरवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में तृतीय एक दिवसीय शिविर का आयोजन ग्रामसभा–मंझरिया, जंगल धूसड़ में आयोजित किया गया। जिसमें हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई के स्वयंसेवकों ने गाँव में स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया तथा ग्रामवासियों को स्वच्छता से होने वाले लाभ के बारे में बताया। स्वयंसेवकों ने गाँव की सड़कों, नालियों, गलियों आदि की साफ–सफाई भी की। संक्रामक बीमारियों से बचने के उपाय जैसे भोजन से पहले तथा शौच के बाद हाथ साबुन से धोने पानी उबाल कर पीने, मच्छरदानी का प्रयोग के लिए जानकारी व उन्हें प्रेरित किया।

स्वच्छ गोरखपुर
स्वस्थ गोरखपुर

चतुर्थ एकदिवसीय शिविर

15 फरवरी को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में चतुर्थ एक दिवसीय शिविर का आयोजन ग्रामसभा–मंझरिया, जंगल धूसड़ में आयोजित किया गया। जिसमें हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई के स्वयंसेवकों ने गाँव में स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया। स्वयंसेवकों ने गाँव की सड़कों, नालियों, गलियों आदि की साफ–सफाई भी की। संक्रामक बीमारियों से बचने के उपाय जैसे पानी उबाल कर पीने, मच्छरदानी का प्रयोग, भोजन से पहले तथा शौच के बाद हाथ साबुन से धोने के लिए प्रेरित किया। ग्रामवासियों को स्वच्छता से होने वाले लाभ के बारे में बताया।

राष्ट्रीय सेवा योजना
सप्तदिवसीय विशेष शिविर उद्घाटन समारोह

25 जनवरी श्रम युवा की शोभा है और सेवा उसकी ताकत। युवा जब भी मचलता है देश–समाज की दिशा बदल जाती है। भावी भारत की तस्वीर बनाने वाला नौजवान राष्ट्रीय सेवा योजना की पाठशाला में सुसंस्कृत एव अनुशासित होकर एक नए भारत की रचना में आगे बढ़ रहा है। राष्ट्रीय सेवा योजना ने अनेक मील के पत्थर स्थापित किए है। आप इस शिविर मे जितना तपेंगे उतना निखरेंगें। साप्ताहिक शिविर से तपकर गाँव और ग्रामवासियों का अपना बनकर शिविर सम्पन्न करें, वही सफलता है। उक्त बातें महाराणा प्रताप पी. जी. कालेज, जंगल धूसड़ के राष्ट्रीय सेवा योजना की सप्त दिवसीय विशेष शिविर का उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. केशव सिंह ने कही।

विशिष्ट अतिथि के रूप में शिविरार्थियों को सम्बोधित करते हुए स्काउट एवं गाइड के जिला कमिश्नर तथा महाराणा प्रताप इण्टर कॉलेज के प्राधानाचार्य डॉ. अरूण कुमार सिंह ने कहा कि भारत की ताकत उसकी युवा शक्ति है और युवाओं की ताकत राष्ट्रीय सेवा योजना है। राष्ट्रीय सेवा योजना का स्वयं सेवक विपरीत परिस्थितियों में भी सुगमता पूर्वक चुनौतियों का समाधान करने में सफल होता है। नेतृत्व क्षमता आज के समय में किसी भी युवा की सफलता की कुंजी है। राष्ट्रीय सेवा योजना इस प्रकार के अनेक प्रशिक्षण युवाओं को प्रदान करके उन्हे सफलता का मार्ग प्रशस्त कराने का बड़ा माध्यम साबित हुई है।

उद्घाटन समारोह में स्वयंसेवक/सेविकाओं को सम्बोधित करते हुए महाराणा प्रताप कृषक इण्टर कॉलेज के प्राधानाचार्य संदीप कुमार ने कहा कि सामुदायिकता की भावना भारत की सामाजिक व्यवस्था की सबसे बड़ी ताकत है। सामुहिक जीवन द्वारा बड़ी से बड़ी चुनौती का समाधान सम्भव है। राष्ट्रीय सेवा योजना सामुदायिक जीवन एवं श्रम–सेवा को साधने के मंत्र का ही नाम है। यह भारत सरकार की एक ऐसी अद्वितीय योजना जो युवाओं में श्रम और सेवा के माध्यम से राष्ट्रीयता का पाठ पढ़ाती है। समारोह की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य डॉ0 प्रदीप कुमार राव ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना समाज सेवा का बड़ा मंच है। समाज के संसाधन विहीन लोगों को उनके अधिकारों के प्रति सचेत कर एवं ग्रामीण भारत को विकसित भारत के साथ जोड़ने का सुखद अवसर रा.से.यो. के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है। हम स्वास्थ्य, शिक्षा, समरसता, राष्ट्रीयता, भारतीय संस्कृति के प्रति सभी को जागरूक करें।

कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी श्री बृजभूषण लाल तथा आभार ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी श्री हरविन्द श्रीवास्तव ने किया। इससे पूर्व कार्यक्रम का शुभारम्भ सरस्वती वन्दना, स्वागत गीत तथा समारोप वन्देमातरम् के साथ हुआ। इस अवसर पर समस्त शिविरार्थी के साथ शिक्षक, कर्मचारी उपस्थित रहे।

सात दिवसीय विशेष

निर्माताओं को श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। कार्यक्रम में बी.ए.प्रथम वर्ष के श्री सर्वेश्वर कान्त चन्द्रा, बी. एस–सी. प्रथम वर्ष के श्री अक्षय कुमार, बी.ए. प्रथम वर्ष के श्री बलराम, एम.काम. प्रथम वर्ष के श्री प्रवीण, एम. ए. प्रथम वर्ष की सुश्री अनीता निषाद ने एकल गीत प्रस्तुत किया तथा बी.एड. प्रथम वर्ष की सुश्री हिमानी, बी.काम. तृतीय वर्ष की सुश्री शालनी मिश्रा, बी. ए. तृतीय वर्ष के श्री दुर्गेश ने काव्य पाठ किया। छात्राओं द्वारा प्रस्तुत समूह नृत्य तथा बी. एड. छात्रो द्वारा प्रस्तुत नाटक खूब सराहा गया। कार्यक्रम का समापन वन्देमातरम् के साथ समपन्न हुआ। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाईयों (गुरू श्री गोरक्षनाथ व हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई) के स्वयंसेवक/सेविकाओं सहित सुश्री दीप्ति गुप्ता, डॉ. प्रज्ञेश मिश्र, डॉ. अविनाश प्रताप सिंह, डॉ. यशवन्त राव, डॉ. राजेश शुक्ल शिक्षक उपस्थित रहे।

गणतन्त्रता दिवस समारोह

26 जनवरी को महाराणा प्रताप पी0जी0 कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर में **सत्तरवें गणतन्त्र दिवस समारोह** मे राष्टीय सेवा यांजना के सप्तदिवसी विशेष शिविर के गुरु श्री गोरक्ष्ज्ञनाथ एंव हिन्दुआ सूर्च महाराणा प्रताप के इकाई के शिविरार्थियों ने उत्साह पूर्वक सहभाग किया। इस अवसर पर ध्वजारोहण प्राचार्य **डॉ. प्रदीप कुमार राव** ने किया। इस अवसर पर राष्ट्रगान एवं राष्ट्रगीत के पश्चात भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर व्याख्यान देते हुए प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि दुनिया को गणतन्त्रात्मक शासन व्यवस्था हमने सिखायी। आज से लगभग ढाई हजार वर्ष पूर्व महात्मा बुद्ध के समय में ही इस क्षेत्र में गणतन्त्रात्मक शासन व्यवस्था जन्म ले चुकी थी। हम भारतीयों के स्वभाव में है। वर्तमान युग हमारे अपने स्वत्त्व पहचानने का युग है। समय की मॉग है कि हम जाने कि हम कौन थे? कौन हैं? संस्कृतियों के आपसी द्वन्द के युग में हमें भारत को उबारना होगा, जगतगुरू बनने की दिशा में बढना होगा। गणतंत्र दिवस आगे बढने एवं ठहरकर

विचार करने का भी समय है। युग प्रवाह में सभी बहते हैं युग प्रवाह रोककर अपनी धारा बहाने हेतु युवा तैयार हों। प्राचार्य डॉ. राव ने कहा कि 15 अगस्त 2018 में जो संकल्प तथा लक्ष्य तय किये गये थे आज 26 जनवरी 2019 तक हमने कितना प्राप्त किया है। हमें आत्मावलोकन की आवश्यकता है। महाविद्यालय के सत्र 2018–19 की समीक्षा करते हुए उसे और सुदृढ़ तथा बेहतर बनाने की अपील की। कार्यक्रम का शुभारम्भ बी.एस–सी. तृतीय वर्ष की छात्रा सुश्री आरती गौड़ द्वारा प्रस्तुत गणेश वन्दना से हुआ तत्पश्चात विद्यार्थियों ने विभिन्न नृत्य, गायन, नाटक, भाषण एवं कविता प्रस्तुत किया। जिसमें मुख्य रूप से छात्रसंघ अध्यक्ष श्री मयंक तिवारी, छात्रसंघ उपाध्याय श्री विशाल कुमार, श्री राहुल गिरी, श्री दिव्यांशु रंजन, श्री अंकित कुमार पाण्डेय, छात्रसंघ प्रभारी श्री नन्दन शर्मा तथा कार्यालय प्रभारी श्री शम्भूप्रताप सिंह द्वारा दिया गया भाषण अत्यंत उत्साहवर्धक था। भाषण में गणतंत्र दिवस पर स्वतंत्रता सेनानियों तथा संविधान

राष्ट्रीय सेवा योजना
सप्तदिवसीय विशेष शिविर का तीसरा दिन

27 जनवरी को बी0आर0डी0 मेडिकल कॉलेज के मेडिसिन विभाग के प्रोफेसर डॉ0 राजकिशोर सिंह ने महाराणा प्रताप पी0जी0 कॉलेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर में चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना में सप्त दिवसीय विशेष शिविर के तीसरे दिन बौद्धिक परिचर्चा कार्यक्रम में ''स्वस्थ जीवन और युवा'' विषय पर बोलते हुए कहा कि राष्ट्र निर्माण में युवा शक्ति का योगदान सर्वविदित और सर्वमान्य है युवा शक्ति के माध्यम से राष्ट्र निर्माण का परम लक्ष्य तभी संभव हो सकता है, जब हमारी युवा शक्ति शारीरिक रूप से स्वस्थ, निरोगी औ स्फूर्त रहे। आज सम्पूर्ण विश्व में युवाओं की संख्या के दृष्टि से भारत प्रथम स्थान पर है। आज भारत, युवा शक्ति के बल पर ही अति तीव्र गति से न सिर्फ विकास कर रहा है, अपितु विश्व गुरू की अपनी पूरातन उपाधि को एक बार पुनः प्राप्त करने की दिशा में सोत्साह उन्मुख हो रहा है। इसके साथ ही साथ डॉ0 राजकिशोर सिंह ने गुरू श्री गोरक्षनाथ द्वारा समाज में प्रवर्तित स्वच्छता के साथ–साथ योगाभ्यास पर विशेष ध्यान रखने पर बल दिया। स्वस्थ जीवन के लिए स्वयंसेवको/सेविकाओं की जिज्ञासाओं को शांत करेन का भी प्रयास किया। कार्यक्रम का संचालन स्वयंसेवक सर्वेश्वरकान्त चन्द्रा ने किया तथा आभार ज्ञापन प्राचीन इतिहास विभाग के प्रभारी श्री सुबोध कुमार मिश्र ने किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के दोनो कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 बृजभूषण लाल तथा डॉ0 हरविन्द श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

इसके उपरान्त शिविरार्थियों ने आदर्श ग्राम मंझरिया जंगल धूसड़, में स्वच्छता जागरूकता रैली निकाली, जिसमें संक्रामक बीमारियों जैसे इंसेफेलाइटिस, मलेरिया और जल जनित बीमारियों की सुरक्षा के बारे में ग्रमिणों को जागरूक किया गया। गांव में घर–घर जाकर स्वयंसेवकों/स्वयंसेविकाओं ने स्वच्छता की महत्ता बतायी।

इससे पूर्व प्रातःकाल योग, व्यायाम एवं श्रमदान का कार्यक्रम शिविरार्थियों द्वारा सम्पन्न हुआ। गुरू श्रीगोरक्षनाथ एवं महाराणा प्रताप इकाई के स्वयं सेवकों एवं सेविकाओं ने प्राणायाम के विभिन्न पद्धतियों का अभ्यास किया एवं योगाभ्यास के साथ–साथ श्रमदान कर महाराणा प्रताप कृषक इण्टर कॉलेज से अधिगृहित गॉव मंझरियां तक रास्ते की साफ–सफाई किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना
सप्तदिवसीय विशेष शिविर का चौथा दिन

28 जनवरी को महाराणा प्रताप पी0जी0 कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर में चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्त दिवसीय विशेष शिविर के चौथे दिन के बौद्धिक सत्र में मुख्य अतिथि डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय जी ने शिविरार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि अपनी योग्यता को पहचानते हुए अपनी कला को निखारना चाहिए। अपने संकल्पबद्धता से लक्ष्यबद्धता की ओर बढ़ना चाहिए। जीवन के हर क्षेत्र में संयमित होकर जीवन को जीना चाहिए। दिखावे की जिन्दगी से दूर रहते हुए यथार्थ के धरातल पर रहना चाहिए। स्वास्थ्य की प्रथमिकता ईमानदार जीवन शैली परिवार में भूमिका आदि जीवन के महत्वपूर्ण विषय को उन्होंने शिविरार्थियों के बीच रखा। उन्होंने कहा कि पुरुषो को स्त्रियों का सम्मान करना चाहिए, उन्हे समानता का दर्जा देते हुए एक दूसरे से सामंजस्य बनाकर जीवन को भोगना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने छात्र जीवन की चार महत्वपूर्ण बातों– कम बोलना, ध्यानपूर्वक सुनना, जमीन से जुड़े रहना, तथा मन को नियन्त्रित रखना, जैसे उदाहरण देते हुए अतिथि के प्रति आभार ज्ञापित किया।

कार्यक्रम संचालन स्वयं सेवक श्री सत्यप्रकाश तिवारी ने किया तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. बृज भूषण लाल, ने अतिथि के प्रति आभार ज्ञापित किया।

इससे पूर्व प्रातःकाल जूडो–कराटे का प्रशिक्षण शिविरार्थियों ने प्राप्त किया तथा भट्टा चौराहा से महाविद्यालय तक के मार्ग की साफ–सफाई कर शिविरार्थियों द्वारा श्रमदान किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना
सप्तदिवसीय विशेष शिविर का पाँचवा दिन

29 जनवरी को महाराणा प्रताप पी0जी0 कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर में चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्त दिवसीय विशेष शिविर में शिविर के पांचवे दिन के बौद्धिक सत्र में मुख्य अतिथि डॉ0 दिनेश कुमार सिंह ने शिविरार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि भारत के प्राचीन परम्परा में बीमारियों पर नियन्त्रण कर सर्वोत्तम चिकित्सा आयुर्वेद पर आधारित थी। आयुर्वेद का उद्देश्य है स्वस्थ जीवन की सुरक्षा एवं रोग निरोग। आयुर्वेद चिकित्सा वात, पित्त, कफ पर आधारित होती है। इन्हीं (वात, पित्त एवं कफ) से व्यक्ति का निर्माण होता है। भोजन की मात्रा कितनी ली जाय और कब ली जाय इसकी विस्तार से चर्चा की। आहार संतुलित होने से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती रहती है। योग प्राणायाम, व्यायाम से रोग पर नियंत्रण सरलता से पाया जा सकता है। चिकित्सकों का विचार है कि योग करने से दवाओं का प्रयोग कम होगा। मधुमेह, रक्त चाप एवं संक्रामक बीमारियों पर शिविरार्थियों की जिज्ञासा पर उन्हें संतुष्ट करने का प्रयास भी डॉ0 दिनेश सिंह जी ने किया। पंच कर्म चिकित्सा से रोगों पर नियंत्रण कैसे किया जाए इसके बारे में बातें विस्तार से रखीं। उन्होंने आँवला के गुणों की व्याख्या की और कहा कि यह एक स्वस्थ जीवन के लिए 'अमृत' है। अदरक, हल्दी, तुलसी आदि अनेक प्राकृतिक औषधियां जड़ से रोगों के निदान में सहायक हैं।

कार्यक्रम का संचालन स्वयंसेवक रितेश सिंह तथा आभार डॉ0 यशवन्त कुमार राव ने किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी श्री बृज भूषण लाल, श्री हरविन्द कुमार श्रीवास्तव एवं समस्त शिविरार्थी उपस्थित रहें।

राष्ट्रीय सेवा योजना
सप्तदिवसीय विशेष शिविर का छठा दिन

30 जनवरी को महाराणा प्रताप पी0जी0 कालेज जंगल धूसड़, गोरखपुर में सप्तदिवसीय विशेष शिविर के छठवें दिन बौद्धिक सत्र में भटवली पी.जी. कालेज उनवल बाजार गोरखपुर के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर एवं योग मर्मज्ञ डॉ. बलवान सिंह ने 'योग और स्वस्थ जीवन' विषय पर शिविरार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आंतरिक एवं बौद्धिक प्रगति का मार्ग आध्यात्मिक चिंतन

में समाहित है। योग स्वयं को जानने, क्षमता को पहचानने का सबसे महत्वपूर्ण साधन है। यह व्यक्ति के विवेक और चित्त को जागृत करके जीवन को सही मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करता है। आज के भौतिकवादी तथा उपभोक्तावादी संस्कृति ने व्यक्ति के जीवन में अनेक विकार उत्पन्न किये है। योग तथा आध्यात्म मानव के आंतरिक ज्ञान

को निखारने, व्यक्ति के स्वभाव को सरल, सहज तथा व्यापक बनाने में सहायता करता है। चित्त को एकाग्र करने की सबसे बड़ी शक्ति ध्यान और योग है। यह नकारात्मक भाव को मिटाकर सकारात्मक भाव उत्त्पन्न करने में सहायक है। इस कार्यक्रम में डॉ0 बलवान सिंह जी ने योग, आसन, प्राणायाम का अभ्यास भी शिविरार्थियों को कराया और कहा कि योग के अभ्यास को अपनी दिनचर्या में सम्मिलित करके व्यक्ति को शारीरिक और मानसिक दृष्टि से सुदृढ़ बनाया जा सकता है। कार्यक्रम का संचालन स्वयंसेवक श्री सत्यप्रकाश तिवारी ने किया तथा इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी श्री बृज भूषण लाल, श्री हरविन्द श्रीवास्तव तथा महाविद्यालय में अनेक शिक्षक एवं स्वयंसेवक/सेविकाएं उपस्थित रहे।

स्वच्छ गोरखपुर
सुन्दर गोरखपुर

राष्ट्रीय सेवा योजना
स्नातकोत्तर महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर

राष्ट्रीय सेवा योजना
सप्तदिवसीय विशेष शिविर का सातवाँ दिन

31 जनवरी को महाराणा प्रताप पी0जी0 कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्तदिवसीय विशेष शिविर के समापन समारोह के मुख्य अतिथि डॉ0 शैलेन्द्र प्रताप सिंह, प्राचार्य डी0वी0एन0 पी0जी0 कॉलेज गोरखपुर ने शिविरार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि शिविर में रहकर कठिनाइयों का सामना करते हुए अनेक प्रकार के गुण सीखे होंगे। स्वतंत्र निर्णय लेने की क्षमता, नेतृत्व की क्षमता, आत्मानुशासन, समय बद्वता लक्ष्यबद्वता जैसे गुणों का विकास आदि। राष्ट्रीय सेवा योजना संस्कार का निर्माण स्वयंसेवक/सेविकाओं में करता है। आचरण, विचार, आहार–विहार के माध्यम से इस संस्कार का निर्माण होता है। इससे सकारात्मक दृष्टिकोण का निर्माण होता है। यह एक जीवन शैली है। परोपकार, सामाजिक सेवा, दया तथा श्रमदान का महत्व समझने जैसे गुणों का विकास होता है। शिविर से स्वयंसेवक अपने गुणों को सामाजिक क्षेत्र में उपयोग करते हुए एक सुदृढ़ नागरिक बनने का प्रयास करें। कर्मयोगी बनकर समाज तथा भारत को एक दिशा प्रदान करेंगे। इन गुणों के माध्यम से स्वयं के व्यक्तित्व का विकास होता हैं।

विशिष्ट अतिथि डॉ0 परिक्षित सिंह ने अपने सम्बोधन में कहा कि शिविरार्थियों को अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अपने गुणों का का उपयोग करना चाहिए।

अतिथियों के प्रति महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ प्रदीप कुमार राव ने आभार ज्ञापित किया। कार्यक्रम में स्वयंसेविका निशा द्विवेदी ने एकल गीत, 'निर्माणों के पावन युग में', बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओं विषय पर नाटक, एकल गीत, संध्या तथा ममता ने तथा सत्यप्रकाश तिवारी ने स्वरचित कविता प्रस्तुत किए' इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर
राष्ट्रीय सेवा योजना : सत्र–2018–19
गुरू श्री गोरक्षनाथ इकाई–चयनित सदस्यों की सूची

क्र.सं.	नाम	पिता का नाम	कक्षा	वर्ग/जाति	बी० ई० सी० कोड	मोबाईल न0.	पता
1	कु0 बेबी	श्री रामरतन प्रसाद	B.A. III	अनु0जाति	UP0600317010	7081556048	रटेनपुर, भटोलिया, पादरी बाजार, गोरखपुर
2	सलोनी कुमारी	श्री अवधेश सिंह	B.A. III	सामान्य	UP0600317037	9889544959	शताब्दीपुरम, फातीमा अस्पताल के पीछे पादरी बाजार शिवपुर गोरखपुर
3	कु. अंसिका यादव	श्री अमरनाथ यादव	B.A. II	ओ0बी0सी0	UP0600518004	9616340180	मोगलापुरा उर्फ महमुदाबाद पोस्ट उनौला थाना पिपराईच जिला–गोरखपुर
4	अंकिता चौधरी	श्री ऋषिकेश चौधरी	B.Com. II	ओ0बी0सी0	UP0600518005	7007672860	जंगल औराही श्यामा टोला पो.–जंगल औराही जिला–गोरखपुर
5	गुन्जा प्रजापति	श्री मनोहर प्रजापति	B.A. II	ओ0बी0सी0	UP0600518012	9559214622	ग्राम ककरहियाँ जंगल धूसड़ गोरखपुर
6	ज्योति पंचाल	श्री कौशल कुमार पंचाल	B.Sc.II	ओ0बी0सी0	UP0600518014	8736861795	जंगल तुलसीराम बिछिया (शास्त्रीनगर) मकान न. 173 (B) पो. बिछिया पी.ए.सी. कैम्प गोरखपुर
7	तन्नू सिंह	श्री राजेश सिंह	B.A. II	सामान्य	UP0600518018	9889961704	बोदरवार, कुशीनगर उत्तर प्रदेश
8	निशा	श्री राकेश दूबे	B.A. II	सामान्य	UP0600518023	7233873999	ग्राम नरही पोस्ट–जौवा जिला सिद्धार्थनगर
9	निशा सिंह	श्री गोरख सिंह	B.Sc. II	ओ0बी0सी0	UP0600518024	7071011917	वार्ड न0–4 मैयर भुनेश्वरी कन्या इण्टर कालेज
10	नूतन पाण्डेय	श्री ब्रह्मदेव पाण्डेय	B.Sc. II	सामान्य	UP0600518025	9934893934	ग्राम बंगरा बाजार पोस्ट छिनौला थाना विजयपुर गोपालगंज बिहार (छात्रावास)
11	नेहा चौहान	श्री राजेश चौहान	B.Sc. II	ओ0बी0सी0	UP0600518030	8400870736	हरसेवकपुर न02 चौहान टोला पोस्ट जंगल लक्ष्मीपुर
12	प्रेमलता कुमारी	स्व. राजेन्द्र प्रसाद	B.Sc. II	ओ0बी0सी0	UP0600518033	7237830706	ग्राम–कपूरवाक पो0 बभुआ बाजार थाना–फुलवरिया, जिला– गोपालगंज बिहार
13	प्रोमा चौहान	श्री सुग्रीम चौहान	B.A. II	ओ0बी0सी0	UP0600518034	7054801040	ग्राम जंगवा पोस्ट– पिपराईच जिला गोरखपुर
14	प्रमिला साहनी	श्री कृष्ण भगवान	B.Sc. II	ओ0बी0सी0	UP0600518037	9935954346	जंगल अहमद अली शाह उर्फ तुरा बाजार रामपुर गोरखपुर
15	पिंकी सहानी	श्री मगरू सहानी	B.A. II	ओ0बी0सी0	UP0600518042	7518247246	जंगल मातादीन पादरी बाजार गोरखपुर
16	बबिता	श्री शंकर	B.A. II	अनु0जाति	UP0600518044	8400188416	ग्राम लाडी रेवटिया जंगल धूसड़ गोरखपुर

17	बबिता गुप्ता	श्री हिरामन गुप्ता	B.A. II	ओ0बी0सी0	UP0600518045	9628586766	तुलसी देई, पतरा, जिला–गोरखपुर
18	बबिता गुप्ता	श्री रामनयन गुप्ता	B.A. II	ओ0बी0सी0	UP0600518046	9695681084	ग्राम–कैथवलिया, पोस्ट–उनौला थाना–पिपराईच, जिला–गोरखपुर
19	प्रजापति ममता	श्री रविन्द्र प्रजापति	B.Sc. II	ओ0बी0सी0	UP0600518048	7571828366	ग्राम व पोस्ट सिकरीगंज गोरखपुर
20	माधुरी उपाध्याय	श्री मारकण्डेय उपाध्याय	B.Sc. II	सामान्य	UP0600518050	7800061541	सरस्वतीपुरम लेन प्रथम बिछिया कॉलोनी, गोरखपुर
21	मन्दाकिनी मिश्रा	श्री दत्तात्रेय मुनि मिश्रा	B.A. III	सामान्य	UP0600518052	6387871370	पतरा बाजार गोरखपुर
22	रमा वर्मा	श्री गणेश प्रसाद वर्मा	B.Sc. II	ओ0बी0सी0	UP0600518053	7068943801	गौतम नगर बाँसी सिद्धार्थनगर
23	ललिता गुप्ता	श्री सुरेश गुप्ता	B.A. II	ओ0बी0सी0	UP0600518057	9721077070	ग्राम हैदरगंज पोस्ट– जंगल धूसड़ जिला गोरखपुर
24	वन्दना पाल	श्री इन्द्रजीत पाल	B.A. II	ओ0बी0सी0	UP0600518059	7007516496	जंगल हकीम नं0.1 पादरी बाजार गोरखपुर
25	वन्दना यादव	श्री भागवत यादव	B.A. II	ओ0बी0सी0	UP0600518061	9956601533	बरडीहा उर्फ पीजा पतरा गोरखपुर
26	शीतल गुप्ता	श्री दिलीप गुप्ता	B.A. II	ओ0बी0सी0	UP0600518062	8172829968	जंगल छत्रधारी टोला महुआचाफी जिला–गोरखपुर
27	श्रेया शुक्ला	श्री जय शंकर शुक्ला	B.Sc.III	सामान्य	UP0600518063	9621888200	म.नं. 75– I बमहा बाबा रोड, शक्तिनगर कॉलोनी रूस्तमपुर गोरखपुर
28	शिखा राय	श्री अजय कुमार राय	B.Sc. II	सामान्य	UP0600518066	9616793402	महराणा प्रताप कॉलोनी भुजौली कॉलोनी, सी.सी. रोड देवरिया
29	शिल्पा सिंह	श्री रामनिवास सिंह	B.A. II	सामान्य	UP0600518067	9889169773	जंगल औरही श्यामा टोला (जंगल औरही) गोरखपुर
30	अर्चना कुमारी	श्री लालमन प्रसाद	B.A. I	अनु0जाति	UP0600519001	7897157823	जंगल तुलसीराम, बिछिया मस्जिद, मार्ग गोरखपुर
31	अनुमा	श्री रामदरश निषाद	B.A. I	ओ0बी0सी0	UP0600519002	9956541756	महुआचाफी जंगल धूसड़ गोरखपुर
32	अर्चना गौतम	श्री चौथी राम	B.Com. I	अनु0 जाति	UP0600519003	7052547343	ग्राम व पोस्ट नगसर नेवाजू राय तहसील सेवराई
33	अन्जू चौहान	श्री प्रहलाद चौहान	B.A. I	ओ0बी0सी0	UP0600519004	6390227794	लक्ष्मीपुर नदिया टोला, जंगल लक्ष्मीपुर हरसेवक नं0 2 गोरखपुर
34	अन्नु यादव	श्री रामनाथ यादव	B.A.I	ओ0बी0सी0	UP0600519005	9569965684	मुढेरी गढ़वा पोस्ट पिपराइच जिला गोरखपुर
35	अल्फिजा अंसारी	मो. समीर अहमद	B.A. I	ओ0बी0सी0	UP0600519006	7234061462	गढ़वा रोड, पिपराइच, गोरखपुर
36	अनुग्या भारती	श्री बुद्धी लाल	B.Sc. I	अनु0जाति	UP0600519007	7355063008	बिछिया पी.ए.सी. कैम्प गोरखपुर
37	अंजनी मद्धेशिया	श्री गोविन्द मद्धेशिया	B.Sc. I	ओ0बी0सी0	UP0600519008	7607927672	ग्राम दुर्गापुर पो0. करमहवा नौतनवा महाराजगंज
38	अर्चना साहनी	श्री रामसजन साहनी	B.A. I	ओ0बी0सी0	UP0600519009	6387447133	शिवपुर सहबाजगंज पो0–पादरी बाजार निकट–दुर्गा मन्दिर गोरखपुर
39	बबिता सिंह	श्री तेज बहादुर सिंह	B.A. II	ओ0बी0सी0	UP0600519010	8127181115	महुअवा खुर्द बौदरवार, कुशीनगर

40	कु. चाँदनी गुप्ता	श्री सुभाष गुप्ता	B.A. II	ओ0बी0सी0	UP0600519011	7238801515	ग्राम बेला कोटा पोस्ट बेला पिपराइच गोरखपुर
41	दीक्षा मिश्रा	स्व मंगला प्रसाद मिश्रा	B.A. II	सामान्य	UP0600519012	6394014218	196 A मानस बिहार कॉलोनी पादरी बाजार गोरखपुर
42	दीपशिखा सिंह	श्री शिवशंकर सिंह	B.Sc. II	ओ0बी0सी0	UP0600519013	6390227933	ग्राम नवीपुर, पोस्ट परशुरामपुर जिला–गोरखपुर
43	गीतांजली सिंह	श्री अशोक कुमार सिंह	B.A. II	ओ0बी0सी0	UP0600519014	8009507235	ग्राम उसका पोस्ट–सिहोरिया जिला गोरखपुर
44	ज्योति गुप्ता	स्व महेन्द्र गुप्ता	B.Sc. I	ओ0बी0सी0	UP0600519015	7704065802	ग्राम–कैथवलिया पोस्ट–उनौला जिला–गोरखपुर
45	ज्योति सिंह	श्री ओम प्रकाश सिंह	B.A. I	ओ0बी0सी0	UP0600519016	9935519211	ग्राम ताजपिपरा, पिपराइच, गोरखपुर
46	करिश्मा सिंह	श्री रामाज्ञा सिंह	B.A. I	ओ0बी0सी0	UP0600519017	9621780763	बैंक कॉलोनी, पादरी बाजार, गोरखपुर
47	कंचन गौड़	श्री मुरारी प्रसाद	B.A.I	ओ0बी0सी0	UP0600519018	9559214391	मानस बिहार कॉलोनी पादरी बाजार गोरखपुर निकट– भगतपुवा
48	खुशबू गौड़	श्री रामसूरत गौड़	B.A. I	ओ0बी0सी0	UP0600519019	7843938462	म.न.89 जटेपुर उत्तरी लोहिया नगर अम्बेडकर पार्क वार्ड न. 13
49	खुशबू सिंह	श्री रामप्रवेश सिंह	B.A. II	ओ0बी0सी0	UP0600519020	9956235500	ग्राम–झांगा बाजार, पोस्ट–झींगा बाजार, तहसील–हाटा, जिला–कुशीनगर
50	खुशबू निषाद	श्री लाल मोहन निषाद	B.A. I	ओ0बी0सी0	UP0600519021	8948245328	जंगल एकला न. 02 बिचला टोला पोस्ट–गुलहरिया बाजार
51	लक्ष्मीना निषाद	श्री साधु निषाद	B.A. I	ओ0बी0सी0	UP0600519022	9935970532	ग्राम तिनकोनिया नं. 02 (टोला चौकि) पोस्ट–जंगल लक्ष्मीपुर थाना–पिपराइच जिला–गोरखपुर
52	मनीषा वर्मा	श्री सतीश कुमार वर्मा	B.A. I	ओ0बी0सी0	UP0600519023	9839106763	जंगल मालिकराम सेक्टर 03 म.नं. 69 x पोस्ट पादरी बाजार गोरखपुर
53	मधु चौहान	श्री राजेश कुमार चौहान	B.Com. I	ओ0बी0सी0	UP0600519024	9198112460	ग्राम पोस्ट जंगल धूसड़ टोला हैदरगंज, गोरखपुर
54	मधुमिता गौंड़	श्री संगमलाल गोंड	B.Sc. I	ओ0बी0सी0	UP0600519025	9621602196	ग्राम व पोस्ट– पतरा बाजार पिपराइच जिला गोरखपुर
55	मधु जायसवाल	श्री श्याम सुन्दर जायसवाल	B.A. I	ओ0बी0सी0	UP0600519026	8127796807	दिलेजाकपुर निकट शिव मन्दिर गोरखपुर
56	ममता यादव	श्री शेषनाथ यादव	B.A. I	ओ0बी0सी0	UP0600519027	8009323699	महमुदाबाद उर्फ मगलपुरा गोरखपुर
57	मेनका चौहान	श्री दिलीप चौहान	B.A. I	ओ0बी0सी0	UP0600519028	9956336887	हरसेवकपुर न0 2 (चौहान टोला) पोस्ट जंगल लक्ष्मीपुर गोरखपुर
58	मधु सिंह	श्री रामसजन सिंह	B.Sc. I	ओ0बी0सी0	UP0600519029	7238853302	ग्राम व पोस्ट – पिपरा, जिला–कुशीनगर

59	मंशा गुप्ता	श्री गोपाल जी गुप्ता	B.Sc. I	ओ0बी0सी0	UP0600519030	9307366021	जेल रोड गीता वाटिका शाहपुर, गोरखपुर
60	निकिता सिंह	श्री रविन्द्र प्रताप सिंह	B.A. I	सामान्य	UP0600519031	9473779493	ग्राम – महुअवा अहिरौली बाजार, कुशीनगर
61	नीतू गौड़	श्री मुकेश गौड़	B.A. I	ओ0बी0सी0	UP0600519032	9935303363	हैदरगंज जंगल धूसड़ गोरखपुर
62	नन्दना गुप्ता	श्री शिवकुमार गुप्ता	B.A. I	ओ0बी0सी0	UP0600519033	9936115812	बड़ी रेतवहिया, जंगल धूसड़, गोरखपुर
63	नेहा चौहान	श्री महेन्द्र चौहान	B.Sc. II	ओ0बी0सी0	UP0600519034	9793806612	जंगल अहमद अली शाह टोला शाहपुर पुरा बाजार
64	नेहा चौहान	श्री राजेश कुमार चौहान	B.A. II	ओ0बी0सी0	UP0600519035	9198112480	ग्राम व पोस्ट जंगल धूसड़ टोला हैदरगंज, गोरखपुर
65	प्रियंका प्रजापति	श्री मारकण्डेय प्रजापति	B.A. I	ओ0बी0सी0	UP0600519036	9695906927	हैदरगंज जंगल धूसड़ गोरखपुर
66	पूजा गुप्ता	श्री सन्तोष गुप्ता	B.A. I	ओ0बी0सी0	UP0600519037	9570282125	मकदूम सराई बिहार (सिवान)
67	प्रीति कुमारी	श्री कुलदीप कुमार	B.A. I	ओ0बी0सी0	UP0600519038	7525951426	हरसेवकपुर न0 02 टोला बहला जंगल लक्ष्मीपुर जिला–गोरखपुर
68	कु0 पुनिता	श्री जनक किशोर यादव	B.Sc. II	ओ0बी0सी0	UP0600519039	8853256609	आदर्श नगर, सिंघड़िया कुड़ाघाट, गोरखपुर
69	पल्लवी त्रिपाठी	श्री मारकण्डेय त्रिपाठी	B.A.II	सामान्य	UP0600519040	9198835116	ग्राम हरखापुर पोस्ट– पिपराईच जिला–गोरखपुर
70	रागनी चौधरी	श्री बिपिन कुमार चौधरी	B.Sc. I	अनु0जाति	UP0600519041	9554482851	ग्राम– मीठाबेल पोस्ट– उनौला जिला–गोरखपुर
71	रिया चौहान	श्री प्रहलाद चौहान	B.A. I	ओ0बी0सी0	UP0600519042	7270876990	लक्ष्मीपुर हरसेवकपुर न.02 हरसेवकपुर गोरखपुर
72	रीना सिंह	श्री परदेशी सिंह	B.Sc. I	ओ0बी0सी0	UP0600519043	6392301141	ग्राम– भटगॉव पोस्ट–बेलवा बाबू सरदारनगर जिला–गोरखपुर
73	रागिनी पाल	श्री प्रेमनाथ पाल	B.A. I	ओ0बी0सी0	UP0600519044	9956990879	खरैया पोखरा बशारतपुर गोरखपुर
74	शालिनी कन्नौजिया	श्री लाल बहादुर कन्नौजिया	B.A. I	ओ0बी0सी0	UP0600519045	7348586689	जंगल हकिम–1 पादरी बाजार
75	संध्या	श्री दीनानाथ निषाद	B.A. I	ओ0बी0सी0	UP0600519046	8756361700	मौजा हरसेवकपुर न02 टो0 छोटी जमुनहिया पो0 जं0 लक्ष्मीपुर जिला–गोरखपुर
76	सरिता पटेल	श्री विजय कुमार पटेल	B.Sc. II	ओ0बी0सी0	UP0600519047	9795905604	ग्राम– हरखापुर, पो0–पिपराईच, जिला–गोरखपुर
77	सलोनी मिश्रा	श्री शारदा नन्द मिश्रा	B.A. I	सामान्य	UP0600519048	9005788430	जंगल तिनकोनिया न0 2 पोस्ट–जंगल लक्ष्मीपुर पिपराईच रोड, गोरखपुर

78	श्रेया शर्मा	श्री प्रभुनाथ शर्मा	B.Com. I	ओ0बी0सी0	UP0600519049	8429821667	भीटी तिवारी, बाँसगाव पोस्ट–पाली गोरखपुर
79	सृष्टि चौबे	श्री दयाशंकर चौबे	B.A. I	सामान्य	UP0600519050	8382996912	शिवपुर शहबाजगंज पोस्ट– पादरी बाजार, जिला–गोरखपुर
80	श्वेता मिश्रा	श्री प्रमोद कुमार मिश्रा	B.Sc. II	सामान्य	UP0600519051	7348114632	भुसौला मानी पो. लोटन बाजार वाया शिवपति नगर सिद्धार्थनगर
81	सौम्या सिंह	श्री अशोक कुमार सिंह	B.Sc. I	ओ0बी0सी0	UP0600519052	9140041257	ग्राम– मझागोर पोस्ट–सोहग जिला–कुशीनगर
82	साक्षी पाण्डेय	स्व. सतीश पाण्डेय	B.A. I	सामान्य	UP0600519053	8795560260	शाहपुर गीता वाटिका गोरखपुर
83	कु0 सीनू प्रजापति	श्री गुलाबचन्द प्रजापति	B.A. I	ओ0बी0सी0	UP0600519054	9838229914	हैदरगंज जंगल धूसड़ गोरखपुर
84	सारिका पटेल	श्री गृजेश कुमार पटेल	B.Com. I	ओ0बी0सी0	UP0600519055	7052029706	बरगदवा मधुबनी, महाराजगंज उत्तर प्रदेश
85	शशिकला गोंड	श्री मोहनलाल गोंड	B.A. I	ओ0बी0सी0	UP0600519056	8127574159	ग्राम बड़ी जमुनहियाँ हरसेवक नं0 2 जंगल धूसड़ पोस्ट लक्ष्मीपुर जिला– गोरखपुर
86	शालू कुमारी	श्री विनोद कुमार	B.Sc. II	अनु0जाति	UP0600519057	7238028286	विश्वनाथपुरम पादरी बाजार गोरखपुर
87	साधना सिंह	श्री जयहिन्द सिंह	B.Sc. I	ओ0बी0सी0	UP0600519058	8009414661	सितहिया पोखरभिण्डा पोस्ट भागवी जिला–कुशीनगर
88	संजना सिंह	श्री शैलेष सिंह	B.Sc. I	ओ0बी0सी0	UP0600519059	7408113913	ग्राम–पिपरा, पोस्ट– पिपरा जिला–कुशीनगर
89	सविता गुप्ता	श्री सुभाष गुप्ता	B.Sc. II	ओ0बी0सी0	UP0600519060	9565260602	भिखनपुर रोड शास्त्रीनगर देवरिया
90	संजीरा मौर्या	श्री जितू मौर्या	B.Sc. II	ओ0बी0सी0	UP0600519061	8874244939	जंगल औराही (कोइरी टोला) पोस्ट– जंगल औराही थाना–पिपराईच जिला–गोरखपुर
91	सुकन्या सिंह	श्री बाबूराम सिंह	B.A. II	ओ0बी0सी0	UP0600519062	7398086361	ग्राम बघरा पोस्ट– परशुरामपुर जिला– गोरखपुर
92	तान्या दुबे	श्री संतोष कुमार दुबे	B.Com. I	सामान्य	UP0600519063	7992197627	सैनिक कुंज नन्दानगर निकट–रामशेर गेट, गोरखपुर
93	उन्नति मिश्रा	श्री अरूण मिश्रा	B.Com. I	सामान्य	UP0600519064	8423610116	म.न. 53–F पारस कुंज शमशेर नगर दरगहीया
94	विद्यावती चौधरी	श्री दीनानाथ चौधरी	B.A. I	ओ0बी0सी0	UP0600519065	7785978224	शिवपुर शहबाजगंज पादरी बाजार गोरखपुर
95	विन्दवासिनी	श्री मन्नू चौहान	B.A. I	ओ0बी0सी0	UP0600519066	9956990733	जंगल छत्रधारी अजमतपुर बगला पोस्ट झुंगिया बाजार जिला गोरखपुर
96	कीर्तिरानी वर्मा	श्री मुन्नू वर्मा	B.A. II	ओ0बी0सी0	UP0600519067	6388069790	हनुमन्त नगर कॉलोनी, पादरी बाजार, गोरखपुर

97	पूजा चौधरी	श्री विजय कुमार चौधरी	B.Sc.	अनु0जाति	UP0600519068	9795565534	ग्राम–बनकटिया बुजुर्ग पो. पतरा पिपराइच जिला गोरखपुर
98	सलोनी दूबे	श्री रामनिवास दूबे	B.Com. II	सामान्य	UP0600519069	750785243	शताब्दीपुरम फातिमा हॉस्पिटल बाई पास रोड गोरखपुर
99	काजल तिवारी	श्री अखिलेश्वरनाथ तिवारी	B.Com. II	सामान्य	UP0600519070	8318421456	इन्द्रप्रस्थ कॉलोनी रामजानकीनगर बशारतपुर गोरखपुर
100	कृति गोंड़	श्री गिरिश कुमार गोंड़	B.Com. II	ओ0बी0सी0	UP0600519071	6306537377	तिनकोनिया नं0 2 टोला लाला बाजार जिला गोरखपुर

गुरु श्री गोरक्षनाथ इकाई में चयनित सदस्यों का वर्गवार संख्या

वर्ग	सामान्य	पिछड़ा	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	अल्पसंख्यक	योग
छात्र	—	—	—	—	—	—
छात्रा	20	72	08	0	0	100
योग	**20**	**72**	**08**	0	0	**100**

डॉ0 प्रदीप कुमार राव
प्राचार्य
मो0. 9794283696

(श्री बृजभूषण लाल)
कार्यक्रम अधिकारी
मो0. 7652099637

महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर

राष्ट्रीय सेवा योजना : सत्र–2018–19

हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई–चयनित सदस्यों की सूची

क्र. सं.	नाम	पिता का नाम	कक्षा	वर्ग/जाति	पी० ई० सी० कोड	मोबाईल न०.	पता
1	अनुप वर्मा	श्री सन्तोष कुमार वर्मा	B.Com II	ओ०बी०सी०	UP0600518085	7310322829	जंगल माता दीन, पोस्ट– पादरी बाजार, गोरखपुर
2	अनुपम कुमार	श्री इन्द्रपाल चौहान	B.A II	ओ०बी०सी०	UP0600518074	9598045883	ग्राम व पोस्ट खालिकगढ़ तहसील नौतनवा महाराजगंज (छात्रावास)
3	अनुपम चौहान	श्री सुरेश चन्द	B.A II	ओ०बी०सी०	UP0600518075	9936417621	ग्राम व पोस्ट गजपुर जिला गोरखपुर
4	अरूण साहनी	श्री खेदरू साहनी	B.Sc II	ओ०बी०सी०	UP0600518087	7754865378	ग्राम व पोस्ट बैदना तहसील निचलौल जिला महाराजगंज (छात्रावास)
5	अमन कुमार राणा	श्री अनिल कुमार राणा	B.A II	सामान्य	UP0600518084	8318873250	जंगल तुलसीराम, खजुरहिया टोल आदर्शनगर, बिछिया, गोरखपुर
6	अजय यादव	श्री रामनारायण यादव	B.A II	ओ०बी०सी०	UP0600518081	8922888487	ग्राम–नोनापाकर, पोस्ट–भरपुरवा, जिला गोपालगंज, (बिहार) 841508
7	अमरनाथ पाण्डेय	श्री मारकण्डेय पाण्डेय	B.A II	सामान्य	UP0600518082	9616772508	ग्राम नई बस्ती हैबरगंज पो. जंगल धूसड़, गोरखपुर
8	आदित्य श्रीवास्तव	श्री धीरेन्द्र श्रीवास्तव	B.Sc II	सामान्य	UP0600518090	9415212758	ग्राम पिपराबाजार पो० रूद्रपुर शिवनाथ, कुल्हई थाना महाराजगंज
9	ओमकार विश्वकर्मा	श्री रामनरायन विश्वकर्मा	B.Com II	ओ०बी०सी०	UP0600518091	7392170325	मोहनापुर पासी टोला पादरी बाजार गोरखपुर
10	नर्वदेश्वर सिंह	श्री विद्या सिंह	B.A III	ओ०बी०सी०	UP0600518100	9936010351	ग्राम व पोस्ट पतरा बाजार पिपराईच गोरखपुर उ0प्र0
11	कृष्ण कुमार सिंह	श्री संजय सिंह	B.Sc II	ओ०बी०सी०	UP0600518094	8576826327	ग्राम मटकौली पोस्ट कप्तानगंज जिला–कुशीनगर 274301
12	देवेश कुमार यादव	श्री रामगोविन्द यादव	B.Com II	ओ०बी०सी०	UP0600518097	8858523755	हुमायुपुर उत्तरी जागेश्वर पासी चौक गोरखनाथ गोरखपुर उ0प्र0

13	प्रवीन कुमार	श्री राकेश कुमार	B.Sc II	अनु. जाति	UP0600518103	7236045554	803 बिछिया जंगल तुलसीराम अयोध्या टोला, वार्ड 22 शिवपुर, जंगल सालिकराम, गोरखपुर उ0प्र0
14	पिन्टू कुमार सिंह	श्री विजयेश सिंह	B.Sc III	ओ0बी0सी0	UP0600518105	8932864688	ग्राम बैकुण्ठपुर पोस्ट प्रतापपुर जिला देवरिया
15	प्रभात शेखर आजाद	श्री रमाशंकर आजाद	B.A III	अनु0जाति	UP0600518106	9125881410	मो. जंगल मातादीन, पो. पादरी बाजार, गोरखपुर
16	प्रद्युम्न निषाद	श्री त्रिलोकी निषाद	B.Com II	ओ0बी0सी0	UP0600518107	9839337965	मोहद्दीपुर प्रभात गली निकट– काली मन्दिर
17	पंकज कुमार यादव	श्री राजेन्द्र यादव	B.A III	ओ0बी0सी0	UP0600518108	8400874182	शिवापल चौक टोला मङ्गुअरिया पोस्ट– पिपराईच जिला गोरखपुर
18	राजीव पासवान	श्री जितेन्द्र पासवान	B.A II	अनु0 जाति	UP0600518117	7458879848	सेमरा नं. 1 बरगोंवा गोरखपुर
19	राजकिशन यादव	श्री जगदीश यादव	B.A II	ओ0बी0सी0	UP0600518118	8009200969	ग्राम व पोस्ट पतरा बाजार पिपराइच गोरखपुर
20	राहुल चौहान	श्री अभयचन्द चौहान	B.Com II	ओ0बी0सी0	UP0600518122	9120213486	ग्राम बड़ी रेतवहिया जंगल धूसड़ गोरखपुर
21	विमल चौधरी	श्री शिव प्रकाश चौधरी	B.A II	ओ0बी0सी0	UP0600518128	8127882975	ग्राम बरवाँ बाबु पो. पिपराइच जिला कुशीनगर
22	विवेकानन्द पाण्डेय	श्री ब्रह्मानन्द पाण्डेय	B.A II	सामान्य	UP0600518129	7398520309	शिवपुर शाहबाजगंज शिवपुर, गोरखपुर
23	वृजमोहन निषाद	श्री परशुराम निषाद	B.Com II	ओ0बी0सी0	UP0600518130	8545061512	करमहा पो0– नइयापार पिपराईच गोरखपुर
24	विजय यादव	श्री विरेन्द्र यादव	B.A III	ओ0बी0सी0	UP0600518131	8112906404	ग्राम व पोस्ट – पतरा बाजार पिपराईच, गोरखपुर
25	शैलेश चौहान	श्री सन्तोष कुमार चौहान	B.A II	ओ0बी0सी0	UP0600518132	9795161807	मो0– चक्सा हुसैन पनकैक्षा निकट– रामप्रीत चौराहा, पो0– बशारतपुर जिला– गोरखपुर
26	शिवम श्रीवास्तव	श्री अशोक कुमार श्रीवास्तव	B.Sc II	सामान्य	UP0600518134	9956059516	वार्ड नं. 10 शास्त्री नगर बटहट रोड पिपराइच, नगर पंचायत पिपराइच गोरखपुर
27	सच्चिदानन्द चौहान	श्री भागवत चौहान	B.Sc II	ओ0बी0सी0	UP0600518139	9559716249	जंगल धूसड़ भट्टा चौराहा, गोरखपुर
28	संदीप गुप्ता	श्री इन्द्रजीत गुप्ता	B.Com II	ओ0बी0सी0	UP0600518142	7379203506	जंगल माता दीन पादरी बाजार गोरखपुर
29	संदीप यादव	श्री रामप्रवेश यादव	B.Com II	ओ0बी0सी0	UP0600518141	7860224439	पवन विहार, नीना थापा, कुडाघाट, गोरखपुर
30	संदीप गुप्ता	श्री राधेश्याम गुप्ता	B.Sc II	ओ0बी0सी0	UP0600518112	6388415387	ग्राम–अयसी कुलपुरा पोस्ट–कुन्दूर जिला–कुशीनगर
31	सुभाष कुमार सिंह	श्री हरिशंकर सिंह	B.Sc II	सामान्य	UP0600518149	7237985498	रामपुर नया गाँव राजेन्द्र नगर पश्चिम गोरखनाथ गोरखपुर
32	सौरभ ओझा	श्री आयोग नारायण ओझा	B.A II	सामान्य	UP0600518150	6394093056	सर्वोदय नगर कॉलोनी रुस्तमपुर, गोरखपुर

33	रामनगीना निषाद	श्री छेदी निषाद	B.A II	ओ0बी0सी0	UP0600518152	9695711617	टैदरगंज जंगल धूसड़ गोरखपुर
34	मनीष कुमार वर्मा	श्री सुनील कुमार वर्मा	B.Com II	ओ0बी0सी0	UP0600518113	9120261327	ग्राम जानकीनगर नकहा न0 01 गोरखपुर
35	अनूप प्रजापति	श्री रमाशंकर प्रजापति	B.A III	ओ0बी0सी0	UP0600518079	9616602427	ग्राम हरसेवकपुर न0 2 टोला बड़ी जमुनहिया जंगल लक्ष्मीपुर गोरखपुर
36	अनमोल प्रताप सिंह	श्री शैलेन्द्र सिंह	B.Com I	सामान्य	UP0600519072	9795745220	सरस्वतीपुरम लेन 04 जेल बाई पास, गोरखपुर
37	अभय शाही	श्री सुनील शाही	B.Com I	सामान्य	UP0600519073	7618942839	ग्राम व पोस्ट सिहैजपार थाना गगहा जिला–गोरखपुर
38	अभिषेक	श्री रामव्रत	B.A I	ओ0बी0सी0	UP0600519074	8112746932	लहसड़ी (बरबसपुर) गोरखपुर
39	आकाश यादव	श्री ओमप्रकाश यादव	B.Sc I	ओ0बी0सी0	UP0600519075	8416944079	पादरी बाजार जंगल तिकोनिया न0 01
40	आलोक सिंह	श्री सत्येन्द्र सिंह	B.Sc I	ओ0बी0सी0	UP0600519076	7800060760	ग्राम चैनपुर पोस्ट विक्रम विशुनपुर जिला–देवरिया
41	आदर्श	श्री सुनील तिवारी	B.Sc I	सामान्य	UP0600519077	9839728089	ग्रा0 बढ़या फुलवरिया पो0 ठाकुर जिला देवरिया (उ.प्र.)
42	आकाश पटेल	श्री रामसनेही पटेल	B.A I	ओ0बी0सी0	UP0600519078	9628400848	मानस बिहार कॉलोनी पादरी बाजार, गोरखपुर
43	आयुष्मान दूबे	श्री वेद प्रकाश दूबे	B.Sc I	सामान्य	UP0600519079	8528858383	ग्रा0 व पोस्ट कुन्दूर थाना– कप्तानगंज जिला–कुशीनगर
44	आदित्य गुप्ता	श्री नन्दलाल गुप्ता	B.Com I	ओ0बी0सी0	UP0600519080	6387124441	पटना चौराहा, बड़हलगंज, गोरखपुर
45	आनंद कुमार मिश्र	श्री सुधाकर मिश्र	B.A I	सामान्य	UP0600519081	9525835897	ग्रा. मिश्रछपरा, पोस्ट–बिसवार थाना– गठनी, जिला–सिवान बिहार
46	आदर्श गुप्ता	श्री हरिशंकर गुप्ता	B.Com I	ओ0बी0सी0	UP0600519082	7007942619	वार्ड न0 07 नेहरू नगर पिपराइच, गोरखपुर
47	आशुतोष चौहान	श्री रामबेलास चौहान	B.A II	ओ0बी0सी0	UP0600519083	8181838487	जंगल छत्रधारी ग्राम लालगंज पोस्ट बी.आर.डी. मेडिकल कॉलेज गोरखपुर
48	आलोक कुमार	श्री विरेन्द्र कुमार	B.A I	सामान्य	UP0600519084	7380441225	ग्राम सौंधी पोस्ट राजाबारी जिला–गोरखपुर
49	आशुतोष राय	श्री राजेश राय	B.A I	सामान्य	UP0600519085	6392031172	शक्तिनगर कॉलोनी बसारतपुर गोरखपुर निकट शिव मन्दिर म.न. 268
50	कुलदीप सिंह	श्री गोरखनाथ सिंह	B.Sc I	ओ0बी0सी0	UP0600519086	9118972413	पगरा (52) पोस्ट पिपरैचा जिला–कुशीनगर
51	कृष्ण मोहन	श्री राजेन्द्र	B.Sc I	ओ0बी0सी0	UP0600519087	7518567171	भैसहा दर्शनिया, पोस्ट भैसहा तहसील जिला–गोरखपुर

52	किशन कुमार अग्रहरी	श्री रामकुबेर अग्रहरि	B.A I	सामान्य	UP0600519088	7607231256	गायत्रीनगर कुडाघाट गोरखपुर
53	गौरव गुप्ता	श्री द्वारिका गुप्ता	B.A I	ओ०बी०सी०	UP0600519089	8115680281	ग्राम–पिपरा परसौनी पोस्ट रूद्रपुर शिकनाथ, जिला महाराजगंज (उ.प्र.)
54	प्रकाश पाण्डेय	श्री सुधदेव पाण्डेय	B.A I	सामान्य	UP0600519090	9546132280	साखेखास, उचका गाँव गोपालगंज बिहार
55	प्रशान्त	श्री रामव्रत	B.A I	ओ०बी०सी०	UP0600519091	8808125651	लहसडी (लहसडी) गोरखपुर
56	बलिराम रौनियार	श्री परमेश्वर रौनियार	B.A I	ओ०बी०सी०	UP0600519092	7054363130	आकार छपरा (शिवाला टोला) पोस्ट–दान्दोपुर, जिला कुशीनगर
57	बाबर अली	मुसाहब	B.Sc I	ओ०बी०सी०	UP0600519093	7860751270	रामनगर (जानकीनगर) कौवा मिश्र मधरदेवा देवरिया (उ.प्र.)
58	भवा प्रहलाद	श्री अमरनाथ कसौधन	B.Com I	ओ०बी०सी०	UP0600519094	9796883203	असीजी बाजार, गोरखपुर
59	मनमोहन राय	श्री गौतम राय	B.Com	सामान्य	UP0600519095	6392890300	ग्राम पाली पोस्ट–पाली खास बासगाँव गोरखपुर
60	रितेश सिंह	श्री ऋषिकेश सिंह	B.Com I	ओ०बी०सी०	UP0600519096	6387989445	बिछिया जंगल तुलसी राम सर्वोदय नगर हनुमान मन्दिर गोरखपुर
61	सौरभ यादव	श्री राकेश यादव	B.Sc I	ओ०बी०सी०	UP0600519097	9811830988	ग्राम–राउतपार पो. लुहसी जिला–गोरखपुर
62	रूपेश विश्वकर्मा	श्री दयाशंकर विश्वकर्मा	B.A I	ओ०बी०सी०	UP0600519098	8795703328	रतनपुर, मतरा, बाजार गोरखपुर, उत्तर प्रदेश
63	राहुल कुमार यादव	श्री अमेरिका यादव	B.Sc I	ओ०बी०सी०	UP0600519099	7607109505	744/E आर.पी.एफ कॉलोनी मोहद्दीपुर गोरखपुर
64	विकास चौधरी	श्री दयानन्द चौधरी	B.A I	अनु० जाति	UP0600519100	7237848422	ग्राम कैथवलिया पोस्ट उनौला जिला गोरखपुर
65	विवेक कुमार चौहान	श्री रामप्रीत चौहान	B.A II	ओ०बी०सी०	UP0600519101	7617895955	हैदरगंज जंगल धूसड गोरखपुर
66	विशाल शाही	श्री अनन्त शाही	B.Com	सामान्य	UP0600519102	9794540992	ग्राम व पोस्ट सिहैजपुर थाना – गगहा गोरखपुर
67	विजय सिंह	श्री रवि सिंह	B.Sc I	सामान्य	UP0600519103	8881975486	171/1/J रेलवे डेयरी कॉलोनी गोरखपुर
68	विनय कुमार चौहान	श्री गोपी चन्द चौहान	B.Sc I	ओ०बी०सी०	UP0600519104	7678853044	ग्राम बड़ी रेतवहिया जंगल धूसड़ गोरखपुर

69	शत्रुघ्न	श्री त्रिभुवन	B.A I	ओ0बी0सी0	UP0600519105	8303332275	लहसड़ी (खैरा) गोरखपुर
70	शिव नारायण सिंह	श्री देव नारायण सिंह	B.A I	ओ0बी0सी0	UP0600519106	9598428536	बनचरा, पोस्ट पिपराईच, जिला–गोरखपुर
71	हिमांशु सिंह श्रीनेत्र	श्री अमरेन्द्र प्रताप सिंह	B.A I	सामान्य	UP0600519107		763/p, विवेकनगर बिछिया, गोरखपुर
72	संदीप कुमार तिवारी	श्री कृष्ण मोहन तिवारी	B.Sc II	सामान्य	UP0600519108	8413056300	गिरजा सदन हनुमन्त नगर पादरी बाजार गोरखपुर
73	सजय कुमार	श्री शम्भू चौधरी	B.Sc I	ओ0बी0सी0	UP0600519109	6386537610	ग्रा0 डुमरी लक्ष्मीपुर पो. डुमरी खास थाना चौरी–चौरा जिला–गोरखपुर
74	सनी कुमार चौरसिया	श्री उपेन्द्र चौरसिया	B.A II	ओ0बी0सी0	UP0600519110	7844061864	झुंगिया बाजार पोस्ट मेडिकल कॉलेज गोरखपुर
75	सोनू	श्री सुरेन्द्र	B.A I	ओ0बी0सी0	UP0600519111	8810421683	पतरा बाजार, पिपराईच, गोरखपुर
76	सुनील कुमार सिंह	श्री जयप्रकाश सिंह	B.Sc II	ओ0बी0सी0	UP0600519112	8382805130	जगदीशपुर पोस्ट– पिड़रा सुकरौली हाटा, जिला कुशीनगर
77	सुधांशु कुमार पासवान	श्री विनोद कुमार पासवान	B.A I	अनु0 जाति	UP0600519113	9670148056	ग्राम–तारासारा, पोस्ट–तारासारा कद्दपुर जनपद–देवरिया
78	सत्य प्रकाश तिवारी	श्री केशव प्रसाद तिवारी	B.A I	सामान्य	UP0600519114	9161311380	ग्राम–सौंखी पोस्ट–राजाबारी जिला–गोरखपुर
79	सौरभ पाल	श्री विरेन्द्र पाल	B.Com I	ओ0बी0सी0	UP0600519115	8808882320	पादरी बाजार शिवपुर गोरखपुर जंगल हकीम न0 1
80	सूजन सिंह	श्री रविशंकर सिंह	B.Com I	सामान्य	UP0600519116	8787054804	ग्राम व पोस्ट कन्हौली तहसील–रूद्रपुर, जिला–देवरिया
81	सचिन यादव	श्री अयोध्या यादव	B.Sc I	ओ0बी0सी0	UP0600519117	9919654377	ग्राम भिखमपुरा, पोस्ट खोरी तहसील–बरहज, जनपद–देवरिया
82	संदीप यादव	श्री प्रहलाद यादव	B.Sc I	ओ0बी0सी0	UP0600519118	9651566309	छपरा खुर्द, पो0–सरौंव जिला–देवरिया
83	सोनू वर्मा	श्री सुभाष वर्मा	B.A I	ओ0बी0सी0	UP0600519119	8874043711	ग्राम सिहपुर पोस्ट–पकड़ी नौनिया जिला–महराजगंज
84	सत्यानन्द पाण्डेय	श्री मुरलीधर पाण्डेय	B.Com II	सामान्य	UP0600519120	9793023686	C/135/96, शेषपुर, वार्ड न0 70 गीता प्रेस गोरखपुर 273005
85	यशवंत कुमार चौरसिया	श्री अच्छेलाल चौरसिया	B.Com I	ओ0बी0सी0	UP0600519121	7706909634	बिजली बाजार मैरवा जिला– सिवान बिहार (छात्रावास)

86	कुलदीप सिंह	श्री दीनानाथ सिंह	B.Com I	ओ0बी0सी0	UP0600519122	7267979893	क्षेत्र हाटा ग्राम–रामपुर मिश्री जिला कुशीनगर, (छात्रावास)
87	विशाल	श्री लालमन	B.Com I	अनु0जाति	UP0600519123	6387232009	ग्राम–पिपरी पोस्ट–डेहरीटीकर थाना–सिकरीगंज, तहसील–खजनी
88	विशाल कुमार	श्री ओमकार नाथ	B.Sc. II	अनु0जाति	UP0600519124	9936914678	ग्राम व पोस्ट–अघरहीं तहसील–हाटा, जिला कुशीनगर
89	विपुल दुबे	श्री अनिल दुबे	B. Sc I	सामान्य	UP0600519125	639645389	मोहनापुर, निकट– डिवाइन पब्लिक स्कूल, पादरी बाजर, गोरखपुर
90	अमृत प्रताप गुप्ता	श्री रणजीत कुमार गुप्ता	B.A. I	ओ0बी0सी0	UP0600519126	7064703538	थाना–रोड– पिपराइच गोरखपुर
91	अमिष कुमार सिंह	श्री उदयनाथ सिंह	B.A I	ओ0बी0सी0	UP0600519127	7388393714	ग्राम व पोस्ट– गोरसैरा जिला–गोरखपुर
92	अंकित कुमार शुक्ला	श्री दुर्गा प्रसाद शुक्ला	B.A. I	सामान्य	UP0600519128	8173840956	ग्राम–छतियारी पोस्ट बढ़यापार जिला गोरखपुर
93	प्रितम कुमार कन्नौजिया	श्री नन्हे लाल	B.A. I	अनु0जाति	UP0600519129	8115296373	ग्रा0 पो0 रामपुर कला थाना कोठीभार ब्लाक सिसवा बाजार जिला महाराजगंज
94	सर्वेश्वर कान्त चन्द्र	श्री अनिल कुमार पाण्डेय	B.A. I	सामान्य	UP0600519130	8840172781	240 बिछिया, जंगल तुलसीराम शिवपुर वार्ड न. 03 गोरखपुर
95	प्रदीप निषाद	श्री धनवन्त निषाद	B.Sc. II	ओ0बी0सी0	UP0600519131	9506729658	पादरी बाजार, श्रीरामनगर कालोनी गोरखपुर
96	अमित कुमार पाण्डेय	श्री वशिष्ठ पाण्डेय	B.A. I	सामान्य	UP0600519132	8299115013	सर्वोदय नगर, बिछिया, हनुमान मंदिर, गोरखपुर
97	रजत गुप्ता	श्री गुलाब गुप्ता	B.Sc. I	ओ0बी0सी0	UP0600519133	8707278847	वार्ड न. 10 सिधावल रोड, पिपराईच गोरखपुर 273152
98	शैलेन्द्र गौतम	श्री शिवकुमार गौतम	B.A. I	अनु0जाति	UP0600519134	9795825530	पतरा बाजार जिला गोरखपुर
99	अरूण कुमार सिंह	श्री नन्दकिशोर सिंह	B.Com. II	ओ0बी0सी0	UP0600519135	9005907912	पेलाहीया कुशीनगर
100	कृष्णा कुमार गौतम	श्री गुलाब चन्द्र	B.A. I	अनु0जाति	UP0600519136	8292291457	बिछिया गोरखपुर

हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई में चयनित सदस्यों का वर्गवार संख्या

वर्ग	सामान्य	पिछड़ा	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	अल्पसंख्यक	योग
छात्र	28	62	10	0	0	100
छात्रा	–	–	–	–	–	–
योग	28	62	10	0	0	100

(डॉ0 प्रदीप कुमार राव)
प्राचार्य
मो0. 9794283696

(श्री हरविन्द कुमार श्रीवास्तवा)
कार्यक्रम अधिकारी
मो0. 7007294949

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर